XLRI in News

February 2021

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

ऑनलाइन मैक्सीफेयर के समापन पर आस्था गिल ने गीतों से किया मंत्रमुग्ध

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई में दो दिवसीय वर्चुअल मैक्सी फेयर का समापन रविवार को हुआ। अंतिम दिन सुबह में आर्ट अटैक पेंटिंग प्रतियोगिता में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पेंटिंग बनाई। जमशेदपुर फेवरेट फैमिली प्रतियोगिता में फाइनल में पहुंचने वाले पांच परिवारों को पुरस्कार मिला। इसके बाद संगीत कार्यक्रम में गायक आस्था गिल ने एक से

बढ़कर एक गाना गाया। इसमें अभी तो पार्टी शुरू हुई है...., डीजे वाले बाबू मेरा गाना बाजा दे जैसे गीतों से सभी का मन मोह लिया।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

डीजे वाले बाबू, अभी तो पार्टी शुरू हुई है पर झूमे एक्सएलर्स

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ के 42वें मैक्सी फेयर में रविवार को जमकर मौज मस्ती हुई। सुबह आर्ट अटैक, क्रिकेट क्विज और जमशेदपुर का पसंदीदा परिवार आयोजित हुआ। शाम को संगीतकार स्टाएला केला ने ओ सनम, ओ सनम गाकर समां बांधा। इसके बाद जिसका इंतजार सबसे ज्यादा था, उनका दीदार हुआ। गायिका आस्था गिल ने मुंबई से आनलाइन गीत गाकर वर्चुअल श्रोताओं को अपने-अपने घरों में ही जमकर झुमाया। सबसे पहले उसने तेरा बज मुझे जीन न दें गाया। इसके बाद काला टीका, कैमरे-कैमरे वाले वडियो मोर बना दें जैसे गीत गाए। मैं प्रेम का पियाला पी आया, नागिन गिन गिन गाकर जमकर मनोरंजन किया। इसके बाद डीजे वाले बाबू जरा गाना सुना दें तथा सबसे चर्चित गाना अभी तो पार्टी शुरू हुई है गाया, जिसकी डिमांड लाइव चार्ट पर आ रही थी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यू-ट्यूब और फेसबुक पर किया गया। मैक्सी फेयर का मीडिया पार्टनर दैनिक जागरण व रेडियो सिटी थे।

अर्ट प्रतियोगिता में भाग लेती महिला कलाकार • जागरण

आभासी मेला में शिरकत करने को हजारों ने कराया निबंधन: 42 वें मैक्सी फेयर के दूसरे दिन निवासियों के साथ देश भर के लोगों ने साल के सबसे बड़े आभासी मेले में शिरकत करने के लिए कई हजार लोगों ने निबंधन कराया था। इस दिन की शुरुआत बुकलास्टिक और टैगमे फर्निचर्स द्वारा किए गए आर्ट अटैक से हुई। इसमें 100 से अधिक बच्चों ने प्रतिक्रिया दी। जिन्होंने अपने भीतर के पिकासो को जगाकर अपनी रचनात्मकता को उभारा। यूको बैंक की ओर से क्रिकेट क्विज का आयोजन किया गया। इसमें 50 प्रतिभागियों के बीच फाइनल राउंड खेला गया। टीवाइएमके वेलनेस द्वारा प्रस्तुत जमशेदपुर के पसंदीदा परिवार ने भाग लिया। फाइनल में रेडियो सिटी आरजे मनोज द्वारा शीर्ष पांच परिवारों के लिए हैम्पर्स के साथ 15,000 रुपये के टीवी के अंतिम पुरस्कार के लिए मेजबानी की गई। पहली बार वर्चुअल रूप से आयोजित हुए इस फेयर में उत्साह की कोई कमी नहीं दिखी। मैक्सी फेयर की टीम ने इस कार्यक्रम के लिए अपना योगदान दिया। जो जहां थे, वहीं से इस कार्यक्रम में जुड़े।

100 से अधिक बच्चों ने प्रतिक्रिया दी, जिन्होंने अपने भीतर के पिकासो को जगाकर अपनी रचनात्मकता को उभारा

50 प्रतिभागियों के बीच फाइनल राउंड, यूको बैंक की ओर से आयोजित क्रिकेट क्विज में जमशेदपुर के पसंदीदा परिवारों ने लिया भाग

15,000 रुपये के टीवी के अंतिम पुरस्कार के लिए मेजबानी की गई आरजे मनोज द्वारा शीर्ष पांच परिवारों के लिए हैम्पर्स के साथ

मैक्सी फेयर में कार्यक्रम की प्रस्तुति देतीं आस्था गिल • जागरण

ये रहे रविवार के विजेता

आर्ट अटैक : ग्रुप वन : ऋषा घोष प्रथम, रिया नरेडी द्वितीय, अनन्या देवी तृतीय, ग्रुप टू : ज्ञान दर्शन प्रथम, आदित्य मंडल द्वितीय, अभिषेक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नलिनी का परिवार जमशेदपुर का पसंदीदा परिवार बना।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

मैक्सी फेयर में आस्था का जलवा

जमशेदपुर। मैक्सी फेयर में रविवार को पार्श्व गायिका आस्था गिल ने जलवा बिखेरा। उन्होंने मंच से संगीत पेश किया, जिसे लोगों ने यू ट्यूब सहित अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव जुड़कर आनंद उठाया।

गिल ने प्रस्तुति से पहले कहा कि वह जमशेदपुर को मिस कर रही हैं, क्योंकि कोविड ने दूर किया है। इससे पहले सोलो संगीत की प्रस्तुति स्तव्य कैला ने दी और दर्शकों को झुमाया।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

सप्लाई चेन में अवसर ज्यादा : फादर क्रिस्टी

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी एसजे ने कहा कि वर्तमान में सप्लाई चेन चुनौतियों से भरा है, लेकिन इसने रोजगार के कई अवसर खोले हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर अपनी प्रमाणिकता साबित करने में ई-कॉमर्स कंपनियां सफल रहीं और ग्राहक भी उसे भरोसे का माध्यम मानते हैं।

कोविड काल में भारत सहित विश्व में तेजी से सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक बदलाव हुए, जिसमें सर्वाधिक परिवर्तित होने वाली टेक्नालॉजी थी। शुरुआती दौर ठीक नहीं थे, लेकिन उसके बाद इसने छोटे से बड़े उद्योगों को विकसित होने का रास्ता दिया। उन्होंने ये बातें शनिवार को एक्सएलआरआई के सप्लाई चेन कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। इस आयोजन का नाम क्लॉक स्पीड था, जो फ्यूचर-प्रूफिंग सप्लाई चेन टेक्नोलॉजी एंड इन्क्लूजन विषय पर आधारित था।

आयोजन वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए टाटा स्टील के अमिताभ बख्शी ने कहा कि कोविड ने सप्लाई चेन को नया स्वरूप दिया है। प्रारंभ में मैनपावर की कठिनाइयां रहीं तो बाद में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ेगी।

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Virtual Maxi Fair concludes on high note

Aastha Gill and Stavya Kaila perform

Mail News Service

Jamshedpur, Jan 31: The second day of the 42nd MAXI Fair has been a delight for all involved. People from all over the country along with the residents of Jamshedpur signed up to attend the biggest virtual mela of the year with an overall footfall of several thousand on Sunday, January 31.

The day started with the event Art Attack by Booklustic and Tagme Furnitures, which witnessed an overwhelming response from more than 100 children who let their creativity, run wild by awakening their inner Picasso, which was evident from the amount of time the judges had to spend to decide the winners.

A new addition to the events this year was Cricket Mania, a pan-India cricket quiz was organised. The event received one of the highest numbers of registrations from all over the country with 50 participants making it to the grand final. The flagship event, 'Jamshedpur's Favourite Family' presented by TYMK Wellness saw families from across Jamshedpur come together to answer questions related to the wonderful city of Jamshedpur along with some brand and marketing trivia. The final was hosted by Radio City RJ Manoj for the ultimate prize of a TV worth 15,000 with hampers for top 5 families, and of course year-long bragging rights upon being crowned Jamshedpur's favourite family.

In evening MAXI Fair 2021 ended on the highest of notes with a live online concert by music sensation, Aastha Gill. The concert also featured an opening act by the talented Stavya Kaila. Glamorous Aastha Gill of DJ Waley Babu fame made Jamshedpur sing some of her hit numbers. The opening act performed by musician Stavya Kaila lifted the spirits of Jamshedpur and the entire country. The event gave everyone the exhilarating experience of a concert from the safety of their homes.

Earlier on day 1, Dance Mania was conducted which saw participation from 80+ children under the age of 18. Next up was the event MasterChef by Dugout, judged by Chef Rose from Fooditudeduo who engaged the participants through interesting quizzes and cooking competitions. Ms & Mrs. Jamshedpur contest added glamour to the evening.

The efforts put in by MAXI over the last one year have indeed paid off, and the first ever online MAXI Fair has received extremely positive reviews from Jamshedpur and beyond. (W-mb)

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

सप्लाई चेन में अवसर ज्यादा : फादर क्रिस्टी

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी एसजे ने कहा कि वर्तमान में सप्लाई चेन चुनौतियों से भरा है, लेकिन इसने रोजगार के कई अवसर खोले हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर अपनी प्रमाणिकता साबित करने में ई-कॉमर्स कंपनियां सफल रहीं और ग्राहक भी उसे भरोसे का माध्यम मानते हैं।

कोविड काल में भारत सहित विश्व में तेजी से सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक बदलाव हुए, जिसमें सर्वाधिक परिवर्तित होने वाली टेक्नालॉजी थी। शुरुआती दौर ठीक नहीं थे, लेकिन उसके बाद इसने छोटे से बड़े उद्योगों को विकसित होने का रास्ता दिया। उन्होंने ये बातें शनिवार को एक्सएलआरआई के सप्लाई चेन कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। इस आयोजन का नाम क्लॉक स्पीड था, जो फ्यूचर-प्रूफिंग सप्लाई चेन टेक्नोलॉजी एंड इन्क्लूजन विषय पर आधारित था।

आयोजन वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए टाटा स्टील के अमिताभ बख्शी ने कहा कि कोविड ने सप्लाई चेन को नया स्वरूप दिया है। प्रारंभ में मैनपावर की कठिनाइयां रहीं तो बाद में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ेगी।

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

28TH ANNUAL JRD TATA ORATION

Stephan Rothlin to address

Speak on business ethics

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management is all set to organise the 28th Annual JRD TATA Oration on Business Ethics on February 6 in virtual mode.

This year, the oration is to be delivered by Fr. Stephan Rothlin, S.J., Ph.D., Director of the Macau Ricci Institute, and CEO of Rothlin International Management Consulting Ltd. He would deliver the oration on the topic "China The Emerging Superpower: The Ethical Underpinnings".

Fr. P. Christie, S. J. Director, XLRI commented, "XLRI has always placed on the forefront the importance of pursuing an ethical code of conduct in the corporate world. We believe that no management education curriculum is really complete unless and until the students are instilled with a set of abiding values - that are indispensable ingredients for any aspiring business leader in today's world. XLRI is the first B-school in the country to introduce a core course on "Managerial Ethics" for its HRM and BM programs. Each year, XLRI confers a medal to the best student in Managerial Ethics at the institute's annual convocation."

Stephan Rothlin is director of Macau Ricci Institute (www.riccimac.org). He is also the founder and CEO of Rothlin International Management Consulting Ltd., located in Beijing and Hong Kong (www.rothlin.org). He is a Jesuit priest from Switzerland who has been working in China for the last 22 years

"We are delighted to have Fr. (Dr.) Stephan Rothlin, S.J. to deliver the oration on the 28th Year of JRD TATA Oration on Business Ethics' and inspire our students with his thought-provoking words. XLRI has been organizing the 'JRD Tata Oration on Business Ethics' for our students to listen to their role models and leaders and understand the need and importance of ethics in business as well as inspire them to follow these ethical codes of conduct in their professional and personal lives", he added.

Stephan Rothlin is director of Macau Ricci Institute (www.riccimac.org). He is also the founder and CEO of Rothlin International Management Consulting Ltd., located in Beijing and Hong Kong (www.rothlin.org). He is a Jesuit priest from Switzerland who has been working in China for the last 22 years. His teaching and research interests are focused on international business ethics and responsible entrepreneurship, focusing on China. He provides educational consulting services to encourage corporate social responsibility. He advocates business communities and society at large with the values of honesty, integrity, respect, transparency, and responsibility as indispensable elements for business excellence.

Rothlin earned his PhD in moral theology at the State University of Innsbruck, Austria and is fluent in six languages, including Mandarin Chinese, English, Spanish, Italian, French, and German. From 2005 –2013, he was Secretary-General for the center for International Business Ethics, Beijing, and Chairman of the Association of International Business Ethics in Hong Kong. He has become a sought-after speaker on international business ethics throughout business schools in Asia.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Maxi Fair concludes with live concert by Aastha Gill

PNS ■ JAMSHEDPUR

The second day of the 42nd MAXI Fair has been a delight for all those involved. People from all over the country along with the residents of Jamshedpur signed up to attend the biggest virtual mela of the year with an overall footfall of several thousand.

The day started with the event Art Attack, which witnessed an overwhelming response from more than 100 children who let their creativity run wild by awakening their inner Picasso, which was evident from the amount of time the judges had to spend to decide the winners.

A new addition to the events this year was Cricket Mania, a pan-India cricket quiz was organised. The event received one of the highest numbers of registrations from all over the country with 50 participants making it to the grand final. The flagship event, 'Jamshedpur's Favourite Family' presented by TYMK Wellness saw families from across Jamshedpur come together to answer questions related to the wonderful city of Jamshedpur along with some brand and marketing trivia. The final was hosted by Radio City RJ Manoj for the ultimate prize of a TV worth 15,000 with hampers for top 5 families, and of course year-long bragging rights upon being crowned Jamshedpur's favourite family.

A new addition to the events this year was Cricket Mania, a pan-India cricket quiz was organised. The event received one of the highest numbers of registrations from all over the country with 50 participants making it to the grand final

In evening MAXI Fair 2021 ended on the highest of notes with a live online concert by music sensation, Aastha Gill. The concert will also feature an opening act by the talented Stavya Kaila. The efforts put in by MAXI over the last one year have indeed paid off, and the first ever online MAXI Fair has received extremely positive reviews from Jamshedpur and beyond.

This year, Maxi Fair hosted the glamourous Aastha Gill, who released superhit songs such as DJ wale Babu, Naagin and Buzz. The opening act was performed by musician Stavya Kaila. The event gave everyone the exhilarating experience of a concert from the safety of their homes.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 1 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

नन्हें पिकासो की पेंटिंग से शुरू, आस्था गिल के परफॉर्मेंस से समापन

■ एक्सएलआरआई का दो दिवसीय मैक्सी फेयर सम्पन्न

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई के मैक्सी फेयर का दूसरा और अंतिम दिन नन्हें पिकासो की चित्रकारी से शुरू होकर डीजे वाले बाबू फेम.. सिंगर आस्था गिल के धमाकेदार परफॉर्मेंस के साथ मुकाम पर पहुंचा. कोविड-19 की वजह से पहली बार वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर सम्पन्न हुए मैक्सी फेयर में जमशेदपुर के साथ ही देश के दूसरे हिस्सों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. आर्ट अटैक नामक चित्रकारी प्रतियोगिता में सौ से ज्यादा प्रतिभागियों ने कैनवास पर अपनी सृजनशीलता को विस्तार दिया.

बच्चों ने गांधी से लेकर सुशांत सिंह राजपूत को कैनवास पर उकेरा. आर्ट अटैक के साथ ही क्रिकेट मेनिया के तहत इस साल पैन इंडिया आधार पर क्रिकेट क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें 50 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. मैक्सी फेयर के फ्लैगशिप इवेंट जमशेदपुर फेवरिट फैमिली का आयोजन हुआ, जिसमें शहर के पांच बेस्ट फैमिली को चुना गया. पहले स्थान पर रही फैमिली को 15 हजार रूपए का नकद पुरस्कार मिला. फेयर का समापन शाम को लाइव ऑनलाइन कन्सर्ट से हुआ, जिसमें म्यूजिक सेंसेशन आस्था गिल ने अपने धमाकेदार परफॉर्मेंस से फेयर को मुकाम पर पहुंचाया. आस्था ने नागिन समेत डीजे वाले बाबू..गीतों को गाकर दर्शकों को थिरकाया. पहले दिन 30 जनवरी को डांस मेनिया में प्रतिभागियों ने विभिन्न डांस नंबरों पर नृत्य किया था. इसमें 80 से ज्यादा प्रतिभागियों की भागीदारी रही.

इसके बाद मास्टर शेफ प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न लजीज व्यंजनों को बनाया. आकर्षण का केन्द्र मि.एंड मिस जमशेदपुर रहा, जिसमें युवाओं ने अपने बुलंद हौसले को दर्शाया.

आईटीसी और एचयूएल कंपनियों के प्रॉब्लम का समाधान

इस साल मैक्सी फेयर में आईटीसी (इंडियन टूबैको कंपनी), एचयूएल (हिन्दुस्तान यूनिलीवर) और परफेटी जैसी कंपनियों ने अपने प्रोब्लेम के समाधान के लिए रिसर्च करने को कहा था. मार्केटिंग टीम ने इन कंपनियों के प्रोब्लेम के आधार पर रिसर्च गेम बनाई थी.

1979 से हो रहा है फेयर

प्रोफेसर शरद सरीन ने 1979 में इस फेयर का शुभारंभ किया था. एक्सएलआरआई देश का पहला बिजनेस स्कूल है, जिसने एक फेयर के जरिए कंपनियों के लिए उपभोक्ताओं के मिजाज को जानने की कोशिश की.

फेयर के इस आइडिया के सफल होने के बाद बाकी बिजनेस स्कूलों ने भी इसकी तर्ज पर मार्केटिंग फेयर शुरू किया. इस फेयर की ब्यूटी यह है कि खेल-खेल में उपभोक्ताओं के मिजाज और पसंद को जाना और परखा जाता है. विभिन्न कंपनियां अपने उत्पाद और सेवा को लेकर उपभोक्ताओं के रूझान को जानना चाहती है. इस फेयर के जरिए स्टूडेन्ट्स इनके रूझान को जानते हैं और फिर कंपनियों को उस रिसर्च के निष्कर्ष बताते हैं. क्लासरूम में मार्केटिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेन्ट्स को लाइव एक्सपीरियंस होता है और वे कंपनियों के प्रोब्लेम का समाधान करते हैं.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

हेल्थ सेक्टर में भारी निवेश बेहतर कदम

केंद्र सरकार का आम बजट इस मायने में बेहतर है कि इसमें आम जनता पर टैक्स का बोझ नहीं लादा गया है। वहीं सरकार ने इमरजेंसी हेल्थ और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश की घोषणा की है, जिसके दूरगामी परिणाम दिखेंगे। पहली बार वित्तीय घाटा धरातल पर दिखाया गया है। इस बार सरकार ने 6.8 प्रतिशत वित्तीय घाटा दिखाया है, जो वास्तविक आंकड़ा है। पिछले वर्ष बजट में 3.5 फीसद दिखाया गया था, लेकिन संशोधित बजट में वास्तविक घाटा 9.5 फीसद हुआ था। इससे भी अच्छी बात सरकार की यह रही कि इसने बजट में यह भी बताया है कि 6.8 फीसद के इस भारी-भरकम वित्तीय घाटे की भरपाई हम कैसे करेंगे। स्पष्ट है कि खर्च तो कम होने

प्रबाल सेन ● जागरण

- पहली बार केंद्र सरकार ने 6.8 फीसद का वित्तीय घाटा धरातल पर दिखाया : प्रबाल सेन
- बजट में यह भी बेहतर रहा कि सरकार ने यह भी दर्शाया है कि घाटे को कैसे पूरा करेंगे
- 35000 करोड़ रुपये कोविड वैक्सीन के लिए रखा गया है, इसे और बढ़ाना चाहिए था

क्षेत्र के उपक्रमों की हिस्सेदारी बेचने और बीमा कंपनियों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को 49 फीसद से 74 फीसद करने से सरकार को अतिरिक्त आमदनी होगी। सरकार ने एलआइसी समेत कुछ बैंकों के आइपीओ लाने की घोषणा की है, जिससे अच्छी आमदनी होने की उम्मीद है।

हेल्थ के लिए 64,180 करोड़ रुपये निवेश करने की बात कही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा है कि यह राशि छह वर्ष में खर्च होगी। मेरा मानना है कि छह वर्ष के लिए यह राशि बहुत कम है, इसे बढ़ाना चाहिए था। इसी तरह कोविड वैक्सीन के लिए 35,000 करोड़ रुपये

ऐसा होने पर ही हम सभी नागरिक का टीकाकरण कर सकेंगे। सरकार ने निजी क्षेत्र के सहयोग से 100 सैनिक स्कूल खोलने की घोषणा की है, जो शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम जोड़ेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर व एनपीए के लिए एजेंसी का गठन सराहनीय: सरकार ने आधारभूत संरचना या इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में निवेश और ननपरफार्मिंग एसेट की निगरानी के लिए अलग एजेंसी बनाने की घोषणा की है, जो सराहनीय है। डेवलपमेंट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट फार इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशिंग और बैड बैंक या बैंकों के एनपीए की देखरेख के लिए अलग एजेंसी का गठन होना ही चाहिए था। फिलहाल अपने कारोबार को बढ़ाने या सुचारू बनाए रखने की वजह से एनपीए पर ज्यादा ध्यान

में निवेश का है। सरकार बजट दे देती है, लेकिन उसका अनुपालन किस रूप में हो रहा है, यह देखने के लिए कोई एक एजेंसी जिम्मेदार नहीं होती थी। इससे कई योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाते थे या समयबद्ध काम नहीं होने से राशि बढ़ती चली जाती थी। अब शायद ऐसा नहीं होगा। स्क्रैप पालिसी महानगरों में तो पहले से लागू थी, लेकिन अब इसे देश भर में लागू करना अच्छा कदम है। इससे आटोमोबाइल और स्टील सेक्टर समेत पूरे वाहन उद्योग को मजबूती मिलेगी ही, प्रदूषण का स्तर कम करने में भी यह सहायक होगा।

– प्रबाल सेन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) व पूर्व चेयरमैन (उद्यमिता विकास केंद्र),

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

कुछ उपेक्षित कोरोना काल में सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला पर्यटन व होटल उद्योग के लिए बजट में कुछ भी नहीं

नौकरीपेशा लोगों के लिए निराश करने वाला बजट

2021-22 का आम बजट कोविड-19 के बाद वाले मिनी बजट जैसा ही है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह बजट निराशाजनक है। कोविड के कारण बेरोजगारी बढ़ी है साथ ही कम आय वाले वर्ग की आय में कमी हुई है। लेकिन इस वर्ग के लिए बजट में कुछ भी नहीं है।

कोविड से सबसे ज्यादा प्रभावित कोई सेक्टर हुआ है वह है होटल व पर्यटन उद्योग। इसको प्रत्यक्ष रूप से ऋण देने और तरलता सुनिश्चित करने (जिनकी प्रभावशीलता कम मजबूत है) के बजाय प्रत्यक्ष ऋण दिया जा सकता था। लोगों की जेब में ज्यादा पैसा डालकर अर्थव्यवस्था में सकल मांग को मजबूत किया जा सकता था। उदाहरण के लिए, सरकार कुछ आय अर्जित कर लोगों को आय अर्जन प्रदान कर सकती थी। यह इस बात से अधिक हैरान करने वाला है कि क्यों सरकार श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) लागू करने को तैयार नहीं है। इसे लागू करने में अभी भी देर नहीं हुई है। कोई प्रत्यक्ष कर नहीं है जो मध्यम वर्ग के लोगों को बाजार में जाने के लिए मजबूर करेगा क्योंकि उनकी जेब में बहुत कम पैसा बचा होगा।

जहां तक रोजगार सृजन के लिए प्रदान करने की बात है तो बेशक, सड़कों के निर्माण (हालांकि चुनाव-प्रेरित) जैसे बुनियादी ढांचे में थोड़ा निवेश कुछ रोजगार पैदा करेगा। इस क्षेत्र में 73,000 करोड़ का बजट आवंटन कोविड-19 के दौरान दिए गए 1.12 लाख करोड़ से बहुत कम है। सरकार शहरी रोजगार योजनाओं को ग्रामीण योजना बनाने के लिए उत्सुक नहीं है। क्या शहरी रोजगार जना शुरू करने के लिए यह उचित समय नहीं है। यह देखते हुए कि शहरी क्षेत्रों में लोगों के लिए कोई बेरोजगारी बीमा या फिर सहायता योजना नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण ने कोविड-19 के दौरान बेरोजगारी की समस्या को स्वीकार नहीं किया। बल्कि इसने कोविड-19 अवधि से असंबंधित वार्षिक और त्रैमासिक आंकड़ों पर भरोसा करके एक अच्छा कारक बनाने की मांग की।अब केंद्रीय बजट उसी का अनुसरण करता है और मेगा टेक्सटाइल पार्कों और इन्फ्रा-इन्वेस्टमेंट्स के लिए प्रदान करने को व्युत्पन्न नैक्रो रणनीति का बचाव किया, लेकिन उस श्रम के बारे में कुछ नहीं सोचा।

श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा विधायी उपायों को दोहराया गया है, कोई वित्तीय आवंटन नहीं किया गया है

एचआरएमआइ के प्रोफेसर केआर श्याम सुंदर • जागरण

न्यूनतम मजदूरी, महिला श्रमिकों के लिए सभी क्षेत्रों में रात की पारी, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा आदि जैसे विधायी उपायों को दोहराया गया है। बजट में उपरोक्त वर्गों के लिए कोई वित्तीय आवंटन नहीं किया गया है। उनके लिए सोशल सिक्योरिटी फंड या स्किलिंग फंड या फिर कुछ डीबीटी तो दिया ही जाना चाहिए। तो वे बजटीय महत्व को मानते हैं।उदाहरण के लिए, सभी चार श्रम संहिताओं में परिकल्पित किए गए श्रम प्रशासन को इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली में तब्दील करने के लिए क्या बजटीय प्रविधान है। क्या केंद्र और संसाधन-विवश राज्य सरकारों दोनों के लिए धन की आवश्यकता नहीं है? ऐसा न होना गरीब को और भी गरीब बनाएगा। दूसरी ओर, बजट ने सुधार प्रक्रियाओं को तेज कर दिया है। श्रम कानून उदारीकरण के बाद, अब सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण (केंद्र और राज्य सरकारों दोनों) के विनिवेश से स्विच करने और बीमा क्षेत्र में एफडीआई को 49त्न से बढ़ाकर 74 फीसद करने का साहस किया है। कामकाजी लोगों ने इन सुधार उपायों का रूप से विरोध किया है और सरकार समान रूप से आगे बढ़ने को लेकर कृतसंकल्प है। 175,000 लाख करोड़ रुपये का उच्च लक्ष्य पिछले साल के लक्ष्य से लगभग 200,000 लाख करोड़ कम है, हालांकि कोविड-19 की तुलना में यह उपलब्धि मुश्किल से अपर्याप्त थी। महत्वपूर्ण यह है कि उदारीकरण, निजीकरण और विदेशी पूंजी के लिए रिक्त स्थान को व्यापक बनाना।

कुल मिलाकर, इस बजट में आय अर्जित करने वाले (नौकरीपेशा) और काम करने वाले लोगों को देने के लिए बहुत कम है। ऐसी स्थिति में जब कोविड-19 की मार से भावनात्मक व वित्तीय घावों से लोग उबर नहीं पाए हैं। दूसरी ओर, यह श्रमिकों की असुरक्षा को बढ़ाएगा। संक्षेप में, यह एक ऐसा बजट है जो ट्रेड यूनियनों और श्रमिकों के मन में अनुचित धारणा को नहीं दर्शाता है कि वे केंद्रीय बजट से बहुत अधिक या कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

-प्रो. केआर श्याम सुंदर, एचआरएम एरिया, एक्सएलआरआइ।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

व्यावहारिक है केंद्रीय बजट, निवेश के लिए बनेगा माहौल

केंद्रीय बजट व्यावहारिक है, जो कि नकारात्मक जीडीपी विकास और निराशावाद की परिधि के बीच घूम रहा है। वित्त मंत्री ने राजकोषीय स्थान का अधिक से अधिक उपयोग किया है। फरवरी 2020 में बजट अनुमान से 3.5 फीसद तक, सकल घरेलू उत्पाद का 9.5 फीसद पर 2020-21 के लिए घाटे का लक्ष्य और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 6.8 फीसद पर। 2021-22 के दौरान नाममात्र जीडीपी 14.4 फीसद तक बढ़ने का अनुमान है। विकास पर ध्यान केंद्रित पूंजीगत व्यय के लिए उच्च आवंटन से प्राप्त होता है।

2021-22 के दौरान 34.83 लाख करोड़ के कुल व्यय में से 5.54 लाख करोड़ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दिया गया। इस प्रकार, मूल मांग ज्यादातर स्वास्थ्य, पर्यावरण व ऊर्जा क्षेत्रों सहित कृषि और मत्स्य पालन सहित कई क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश होने की उम्मीद है। सरकारी उधार को 2021-22 के लिए 12 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, और इस वित्त वर्ष के शेष दो महीनों के दौरान अतिरिक्त 80,000 करोड़ रुपये रखा गया है। भारत मुख्य रूप से स्थानीय मुद्रा में घरेलू

प्रोफेसर एच के प्रधान • जागरण

बाजार से उधार लेता है; इसलिए ऋण स्थिरता कोई मुद्दा नहीं है।

जब उधार पूंजीगत व्यय के लिए होता है और उत्पादक उद्देश्यों के लिए होता है, तो मुद्रास्फीति के परिणाम भी न्यूनतम होंगे। इसके अलावा, एक वृहद परिप्रेक्ष्य से मुद्रास्फीति के दबावों के नरम पड़ने की उम्मीद है। निफ्टी में 647 अंक के सबसे बड़े बजट दिन के लाभ के साथ इक्विटी बाजार को शुरुआत हुई है, और यह मुख्य रूप से तीन कारणों से आया है: पहला, बाजार ने कर और निवेश में निरंतरता को सकारात्मक समाचार माना, और प्रक्रियाओं के सरलीकरण और बेहतर के साथ जारी रखा।

-डॉ. एचके प्रधान, प्रोफेसर, फाइनांस व इकोनॉमिक्स, एक्सएलआरआइ जमशेदपुर।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

रोजगार का सृजन रुकेगा

जमशेदपुर। एक्सएलआरई के प्रोफेसर केआर श्याम सुंदर के अनुसार इस आम बजट से रोजगार का सृजन नहीं हो पाएगा। कोविड से परेशान कामकाजी लोगों के लिए निराशाजनक है, जबकि कोविड के दौरान कामकाजी लोगों को ज्यादा परेशानी हुई।

प्रो. केआर श्याम सुंदर।

इससे बेरोजगारी और आय में कमी को दूर करने के लिए तीन प्राथमिक उपायों की आवश्यकता थी, जिसपर ध्यान नहीं दिया गया है। प्रोफेसर ने सोमवार को बजट भाषण के बाद बातचीत के दौरान कहा कि बजट में व्यापार को पुनर्जीवित करने और पर्यटन क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत थी। अर्थव्यवस्था में सकल मांग को मजबूत करने का उपाय जरूरी था। श्रमिकों के प्रत्यक्ष लाभ के लिए डीबीटी लागू होना चाहिए था। रोजगार सृजन का अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 2 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 4

Curtain falls on XLRI's Maxi Fair

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: The concluding day of the 42nd edition of Maxi Fair organised by XLRI on a virtual platform for the first time ever, became a delight for all involved.

People from all over the country along with the residents of Jamshedpur signed up to attend the biggest virtual fair of the year with an overall footfall of several thousands.

The concluding day events on Sunday started with the event Art Attack, which witnessed an overwhelming response from over 100 children who let their creativity run wild by awakening their inner Picasso, which was evident from the amount of time the judges had to spend to decide the winners.

The hampers that were specially curated by the sponsors were appreciated by all.

A new addition to the events this year was Cricket Mania, a pan-India cricket quiz was organised.

The event received one of the highest numbers of registrations from all over the country with 50 participants making it to the grand final.

The flagship event, 'Jamshedpur's Favourite Family' presented by TYMK Wellness saw families from across Jamshedpur come together to answer questions related to the wonderful city of Jamshedpur along with some brand and marketing trivia.

The final was hosted by Radio City RJ Manoj for the ultimate prize of a TV worth 15,000 with hampers for top five families.

Late in the evening the marketing fair ended on the highest of notes with a live online concert by glamorous music sensation, Aastha Gill of the DJ wale Babu fame.

The concert also featured an opening act by talented musician Stavya Kaila.

The event gave everyone the exhilarating experience of a concert from the safety of their homes.

The two-day Maxi Fair was inaugurated by the director of XLRI, Fr. Christie on Friday evening.

Like every year, this year's fair was backed up by industry giants such as ITC, HUL and Perfetti, which shows the faith that organizations continue to vest in XLRI.

The team had developed research games which were hosted online on the website to conduct disguised market research.

"The efforts put in by MAXI over the last one year have indeed paid off, and the first ever online Maxi Fair has received extremely positive reviews from Jamshedpur and beyond," said a member of the Marketing Association of XLRI (MAXI) which organises the fair.

PUBLICATION: Morning India
DATE: 2 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 4

Mixed reactions on Union Budget

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: The Singhbhum Chamber of Commerce and Industry (SCCI) welcomed the Budget presented by Finance Minister Nirmala Sitharaman in the Lok Sabha on Monday.

SCCI, the leading trade body of Kolhan region termed the budget as a bold.

"Bold because, in spite of a huge deficit, spending has not been curtailed, rather it has been qualitative spending. Welcome because unexpectedly the deficit has not been tried to fill up by way of tax," said Bharat Vasani, general secretary of SCCI.

He said the biggest announcement for Jamshedpur in this budget, has been the Voluntary Vehicle Scrapage Policy.

"This was in discussion for a long time. Auto sector was relying heavily on this to fight the cyclical nature of their industry. This will help Tata Motors, and this will enable the demand of more steel too. This will give a fillip to the entire economy of this region, as ancillaries too will benefit," he explained.

Allotment of Rs 35,000 crore on vaccine would mean affordable vaccine for all.

Seven textile parks are envisaged. Hope they are put up where there is abundance of labour.

"In a state like Jharkhand where cheap labour is available this would mean lesser migration of labour, and cost effective production," said the senior functionary of the trade outfit.

He said Rs 18,000 crores for Urban Public Transportation is welcome.

"Every city of Jharkhand has very little public transportation. People have to rely on their own vehicles for commuting, which means increase in traffic density and paying huge fines for small errors. Jharkhand should get the best of this scheme. I had made a pre budget demand that prices of industrial metals like steel, aluminum, copper etc should be checked, as they are the raw materials for many manufacturing industries. Reduction of Customs duty on many the imports is a welcome sign.

Many compliances on statutes have made easier too, again a welcome. Overall 9 on 10 to the Finance Minister," he added.

Commenting on the budget Prof. K. R. Shyam Sundar, professor, HRM Area at XLRI said the Union budget 2021-22 coming as it does as a continuation of the mini-budgets in post-Covid-19 period is rather disappointing for the income-earners and the working people.

"The two labour market outcomes from the Covid-19 hit economy are, unemployment and underemployment and diminution in incomes. The Union Budget does not address either," he said.

According to him, the Economic Survey did not acknowledge the problem of unemployment during the Covid-19 and skirted the whole issue of it and thus ignored the elephant in the room. Rather it sought to create a feel good factor by relying on annual and quarterly data unrelated to COVID-19 period.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

घर का सोना बेच परिवार चलाने जैसा बजट

■ एक्सएलआरआइ के प्रो केआर श्याम सुंदर ने बजट पर जतायी निराशा

को

विड-19 जैसी आपदा के बाद आये इस बजट से आम लोगों को काफी उम्मीदें थीं. लेकिन जिस प्रकार का बजट पेश किया गया, उससे गांव के गरीब किसान, बेरोजगार युवा, प्रवासी मजदूर, मध्यम आय वर्ग के लोगों के साथ ही महिलाओं को काफी निराशा हुई है. कुल मिलाकर इस बार का बजट घर का सोना बेच कर परिवार चलाने जैसा है. प्रो श्याम सुंदर ने कहा कि सरकार ने एलआइसी की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का निर्णय लिया है. एफडीआइ 49 से बढ़ा कर 74 प्रतिशत कर दिया. इसकी जरूरत नहीं थी. उन्होंने कहा कि विदेशी इंश्योरेंस कंपनियां लोगों को आकर्षित करने के लिए कम रेट में पॉलिसी बेचेंगी, लेकिन अगर इसके इतिहास को देखेंगे, तो प्राइवेट सेक्टर का विदेशी इंश्योरेंस पॉलिसी शॉर्ट टर्म गेन रहता है. भारत के लिए लांग टर्म व भरोसेमंद एलआइसी जितना विश्वसनीय कुछ नहीं. लेकिन उसमें छेड़छाड़ की गयी. सरकार एयर इंडिया को प्राइवेट हाथों में दे रही है. बीपीसीएल, भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड समेत कई अन्य सरकारी सेक्टर को भी निजी हाथों में दिया जायेगा. इससे नॉन डेब्ट कैपिटल (एनडीसी) फिजिकल डेफिसिट कम हो जायेगा, लेकिन ये शॉर्ट टर्म गेन है. लांग टर्म के लिए ये सही नहीं है. बजट में बेरोजगार युवाओं के लिए कोई बात नहीं की गयी है.

गरीबों तक पैसे पहुंचाने की योजना नहीं. प्रो श्याम सुंदर के अनुसार, सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति यानी मजदूर, किसान व अन्य लोगों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 4000-6000 रुपये दे देती, तो इससे उन्हें काम करने की ताकत मिलती. मार्केट में पैसे आने से बाजार का जाम पहिया भी आगे बढ़ता. प्रो श्याम सुंदर ने कहा कि चोट लगने पर बाम लगाने का काम सरकार का है. ये कोई चैरिटी नहीं, बल्कि राजधर्म भी है. जिसे इस सरकार ने बजट में नहीं निभाया. 2019 से मिनिमम वेज लागू किया गया, लेकिन अब तक उसे धरातल पर उतारा नहीं गया है. वर्करों की सोशल सिक्यूरिटी में बजट का एलोकेशन नहीं है. मनरेगा को सुदृढ़ बनाने के लिए फंड की व्यवस्था नहीं की गयी.

जिन राज्यों में चुनाव, केवल वहीं सड़क बनाने की योजना. प्रो श्याम सुंदर ने बताया कि सरकार की ओडिशा, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु जैसे राज्यों में सड़क बनाने की घोषणा अच्छी है. लेकिन ये सिर्फ उन्हीं राज्यों में है जहां आने वाले दिनों में चुनाव होने हैं. स्वास्थ्य सेक्टर में सरकार ने बजट में बेहतर योजना बनायी है. सीनियर सिटीजन के लिए टैक्स में छूट भी अच्छी पहल है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

जीडीपी में 2021–22 में 14 .4 प्रतिशत ग्रोथ की संभावना है . इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआइ से आम लोगों को काफी फायदा होगा . बजट में सड़क बनाने पर भी बल दिया गया है, जो अच्छी पहल है . टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं किया गया है . **-प्रो एचके प्रधान, प्रोफेसर, एक्सएलआरआइ**

PUBLICATION: Rajasthan Patrika
DATE: 2 February 2021
EDITION: New Delhi
PAGE: 12

निराशाजनक

यह बजट रोज कमाने-खाने वालों के लिए निराशाजनक है। बेरोजगारी, अल्प बेरोजगारी बढ़ने और आय कम होने से अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। इस आम बजट में इनमें से किसी भी मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया है। कोविड के बाद बुरी तरह प्रभावित क्षेत्र हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन क्षेत्र में फिर से जान डालने के लिए क्रेडिट बढ़ाने और तरलता सुनिश्चित करने के बजाए प्रत्यक्ष तरीके की जरूरत थी। लोगों की

जेब में और ज्यादा पैसा डालकर अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना था। सड़क निर्माण की तरह के ढांचागत कार्यों में भारी निवेश से कुछ रोजगार के साधन उत्पन्न होंगे। 73 हजार करोड़ का आवंटन कोविड के दौरान किए गए 1.12 लाख करोड़ के आवंटन से बहुत कम है। बजट में केवल विधायी उपायों जैसे न्यूनतम मजदूरी, सभी क्षेत्रों में महिला कामगारों के लिए रात की पारी में काम, कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा आदि को ही दोहराया गया है। कम आय वालों और कामकाजी लोगों को ज्यादा कुछ नहीं मिला है।

- प्रो. केआर श्याम सुंदर, जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

No provision in Budget for Covid affected unemployment: XLRI Prof

Jamshedpur, Feb 1: The Union Budget 2021-22 coming as it does as a continuation of the mini-budgets in post-Covid-19 period is rather disappointing for the income-earners and the working people.

The two labour market outcomes from the COVID-19 hit economy are, unemployment and underemployment and diminution in incomes. The Union Budget does not address either, said Prof. K. R. Shyam Sundar, Professor, HRM Area at XLRI Jamshedpur.

"The post-Covid-19 economy needs three primary measures to address these, which are missing in the Union Budget. To revive business especially those ravaged by the COVID-19 like the hospitality and tourism sectors in a direct manner rather than through extending credit and ensuring liquidity (whose effectiveness is less stronger). To strengthen the aggregate demand in the economy. This can be achieved by putting more money in the pockets of people. For example the government could have provided some income tax sops to the income earning people. It is rather puzzling as to why the government is still not willing to implement direct benefit transfer (DBT) to the marginalized workers for a defined tenure on some criteria. It is still not late in the day to implement it. There are no direct tax sops which would make the middle class people to go to the market as they would have little more money left in their pockets.To provide for employment generation. Of course, the huge investments in the infrastructure like construction of roads (though election-prompted) will generate some jobs. The Budget's allocation of Rs 73,000 is much less than the eventual 1.12 lakh crores during COVID-19. The government is not keen on creating urban employment assurance schemes akin to rural scheme," added Prof. Sundar. (W-mb)

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 2 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

Budget pragmatic and prospective on the backdrop of negative GDP: Dr HK Pradhan

Jamshedpur, Feb 1: The Union Budget is both pragmatic and prospective, considering the backdrop of the negative GDP growth and pessimism surrounding its revival. The Finance Minister keeps growth at the centre stage of fiscal policy, with a strong counter cyclical twist. The FM utilises the fiscal space to a greater extent, raising the deficit target for 2020-21 at 9.5 % of GDP, up from the Budget Estimate of 3.5% in February 2020, and at 6.8% for the fiscal 2021-22. The nominal GDP is forecasted to grow at 14.4% during 2021-22. The growth focus is derived from higher allocation for capital expenditures, at Rs 5.54 lakh crore out of the total expenditure of Rs 34.83 lakh crore during 2021-22, majorly in the form of infrastructure development. Thus, the aggregate demand is mostly expected to be generated from the public investments in infrastructure, across a wide variety of sectors, including much higher agriculture and fishery, including health, environment and energy sectors, and not so much from the consumption side, as there is no relief in personal taxation front, said Dr HK Pradhan, Professor of Finance & Economics, XLRI Xavier School of Management Jamshedpur.

He further said, 'Government borrowing has been kept at Rs 12 lakh crore for 2021-22, and an additional Rs 80,000 crore during the remaining two months of this fiscal. India borrows primarily from the domestic market in local currency; therefore debt sustainability issues are not an issue. The debt mathematic is also comfortable, with the nominal GDP growth rate remaining higher than the weighted average borrowing rate for the Government. At this point, India should approach overseas market for the long awaited sovereign bond issuance; benefitting from the lower interest rate, and this would not crowd out private investments locally." (W-mb)

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 2 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 10

MIGRANT

No word on jobs for urban poor

BASANT KUMAR MOHANTY

New Delhi: The Union budget for 2021-22 gave little assurance to migrant workers and the unemployed.

Finance minister Nirmala Sitharaman on Monday iterated some old schemes, such as the One Nation One Ration Card that would allow the beneficiaries to get rations in places where they have migrated for work, and proposed to launch a portal that will collect information on gig, building and construction workers. This will help formulate health, housing, skill, insurance, credit and food schemes for migrant workers.

However, Sitharaman was silent on the demand from academia and civil society groups for an employment assurance scheme on the lines of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) for the urban poor.

The budget document made no allocation for the social security fund provided under the Code on Social Security, 2020, which was passed in the last session of Parliament. The code seeks to provide social security coverage to unorganised workers, including migrant workers.

The new law provides for creation of a social security fund to finance schemes such as old-age pension, life and disability cover and health and maternity benefits for unorganised workers.

Labour economist K.R. Shyam Sundar, professor at XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, said: "The central government is one of the contributors for the social security fund and social security schemes as promised under the Social Security Code. It was expected that the finance minister will allocate some funds for the proposed schemes under the code. But there is no allocation."

He also raised doubts about the proper implementation of the One Nation One Ration Card scheme. If properly implemented, the states by now should have enrolled migrant workers too. However, there is no data on this process.

Migrant workers were the worst hit when the Covid-19 pandemic hit the nation. Nearly six million salaried workers also lost their jobs in the months of May, June, July and August, according to research group Centre for Monitoring Indian Economy. Academicians and civil society groups have been demanding an urban employment scheme.

"The two labour market outcomes from the Covid-19 hit economy are unemployment and underemployment and diminution in incomes. The Union budget does not address either," Sundar said.

He said the government should have transferred money to the pockets of needy people for some months to strengthen the aggregate demand in the economy. There is no such announcement either.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 3 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने को खुला अवसर

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ पीजीडीएम (जीएम) एसोसिएशन ऑफ सप्लाई चेन प्रोफेशनल्स इंडिया (एएससीपी) के सहयोग से हाल ही में वर्चुअल मोड पर वार्षिक कार्यक्रम ऑपरेशंस और सप्लाई चेन कॉन्क्लेव क्लॉकस्पीड 1.0 का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव का विषय था टेक्नोलाजी एंड इन्वलूजन के माध्यम से फ्यूचर-प्रूफिंग सप्लाई चेन। इस कार्यक्रम में टाटा स्टील के चीफ प्रोक्यूरमेंट पदाधिकारी अमिताभ बक्शी, केएमपीजी दुबई के बोर्ड मेंबर रिचर्ड रेखी सहित कई कंपनी के पदाधिकारियों ने भाग लिया। टाटा स्टील

अमिताभ बक्शी।

के चीफ प्रोक्यूरमेंट पदाधिकारी अमिताभ बक्शी ने कहा कि कोविड -19 महामारी ने व्यवसाय में सभी आपूर्ति श्रृंखला व्यवसाय को कड़ी टक्कर दी। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण यात्रा रही है। हालांकि चुनौतियों ने हर संगठन और उद्योग में आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के कई अवसर खोले। कोविड-19 चुनौतियों ने आपूर्ति श्रृंखला के संचालन को डिजिटल बनाने के अवसर खोले।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 3 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI hosts conclave 'Clockspeed 1.0'

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: XLRI PGDM (GM) in association with the Association of Supply Chain Professionals INDIA (ASCP) recently organized its annual flagship operations and supply chain conclave Clockspeed 1.0 on virtual mode. The theme for the conclave was Future-Proofing Supply Chains through Technology and Inclusion.

Amitava Bakshi, chief procurement officer, Tata Steel, and the president of the Association of Supply Chain Professionals Richard Rekhy, board member, KPMG Dubai, former chief executive officer, KPMG India, Matheen Sait, supply chain manager logistics, 3M; Subrata Basak, chief logistics officer, Tata Steel BSL; Prof. Edward Sweeney, professor of Logistics and Systems, Head, Department of Engineering Systems & Supply Chain Management (ESSCM), College of

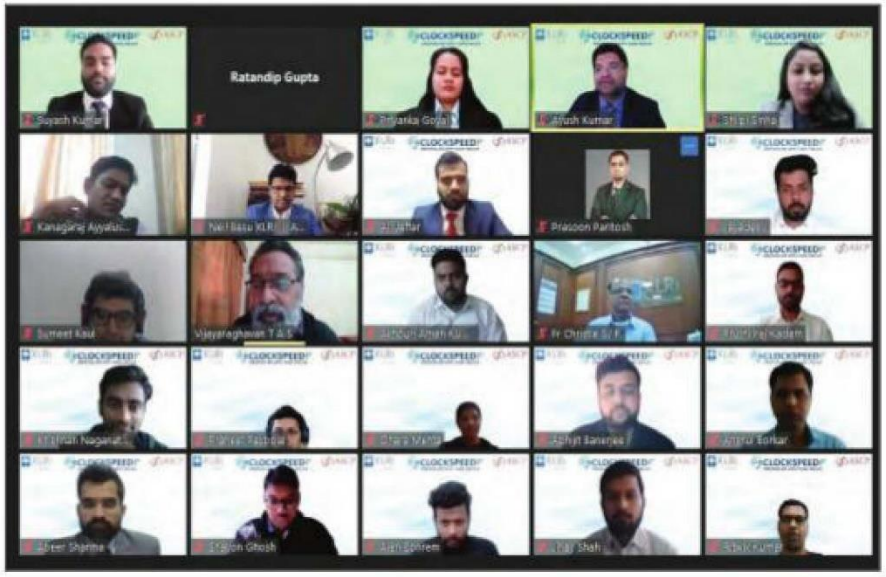

Engineering and Physical Sciences at Aston University, UK, Swastika Basu, Chief - Enterprise Risk Management, Tata Steel, Kaustav Sen, Partner, Management Consulting, KPMG were the key speakers at Operations and Supply Chain Conclave.

Fr. P. Christie, S. J. director of XLRI - delivered the inaugural address.

The vote of thanks was delivered by Prof. Kanagaraj, Chairperson, GMP Placements, XLRI Jamshedpur, who called the event 'an unqualified success executed brilliantly by this cohort of future leaders. In the Inaugural address Fr. P. Christie, director of XLRI - said "I am delighted to inaugurate the annual operations and supply chain conclave Clockspeed 1.0. My heartfelt congratulations to the organizing team. We are currently experiencing rapid changes globally and in India in all areas social, economic, cultural, political, and especially in technology; there is a strong technological disruption happening at a scale and speed that is unprecedented in modern history. Leaders, including those in the IT industry, are struggling to cope with it. Industry 4.0, Artificial intelligence, machine learning, blockchain, cloud computing augmented virtual reality. Internet of things, robotics, autonomous vehicles, and mobile computing greatly impact our industry, particularly supply chain management, to make it efficient and productive.

To achieve high performance, the supply chain needs to recognize and respond adequately to the challenges and opportunities forced by this technological disruption today. XLRI, what we can do as an educational institution, we need to focus on research. Institutes like us have an opportunity and responsibility to get involved in the relevant research, how to create a cost-effective, robust and efficient system. XLRI, as a Jesuit institution that focuses on ethics, we should look at ethical aspects of Supply chain management."

Amitava Bakshi, Chief Procurement Officer, Tata Steel, in his special address, said, Covid -19 pandemic hit hard all the supply chain professionals in the business. "It has been a very challenging journey. However, the challenges also opened up many opportunities to redesign the supply chain much better in every organization and industry.

The Covid-19 challenges opened up opportunities for digitalizing the operations of the supply chain."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 3 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

XLRI hosts annual operation and supply chain conclave

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 2 : XLRI PGDM(GM) in association with the Association of Supply Chain Professionals INDIA (ASCP) recently organized the annual flagship Operations and Supply Chain Conclave "CLOCKSPEED 1.0" on Virtual mode. The theme for the conclave was "Future-Proofing Supply Chains through Technology and Inclusion".

Amitava Bakshi, Chief Procurement Officer, Tata Steel, and the President of the Association of Supply Chain Professionals, Richard Rekhy, board member, KPMG Dubai, former chief executive officer, KPMG India, Matheen Sait, supply chain manager, logistics, Subrata Basak, Chief Logistics Officer, Tata Steel BSL; Prof. Edward Sweeney, Professor of Logistics and Systems, Head, Department of Engineering Systems & Supply Chain Management (ESSCM), College of Engineering and Physical Sciences at Aston University, UK, Ms. Swastika Basu, Chief - Enterprise Risk Management, Tata Steel, Kaustav Sen, Partner, Management Consulting, KPMG were the key speakers at Operations and Supply Chain Conclave.

In the Inaugural address Fr. P. Christie, S. J. Director of XLRI - Xavier School of Management said "I am delighted to inaugurate the annual Operations and supply chain conclave Clockspeed 1.0. My heartfelt congratulations to the organizing team. We are currently experiencing rapid changes globally and in India in all areas social, economic, cultural, political, and especially in technology; there is a strong technological disruption happening at a scale and speed that is unprecedented in modern history. Leaders, including those in the IT industry, are struggling to cope with it. Industry 4.0, Artificial intelligence, machine learning, blockchain, cloud computing augmented virtual reality. The Internet of things, robotics, autonomous vehicles, and mobile computing greatly impact our industry, particularly supply chain management, to make it efficient and productive.

To achieve high performance, the supply chain needs to recognize and respond adequately to the challenges and opportunities forced by this technological disruption today. Amitava Bakshi, chief procurement officer, Tata Steel, in his special address, said," Covid -19 Pandemic hit all the supply chain professionals in the business. It has been a very challenging journey. However, the challenges also opened up many opportunities to redesign the supply chain much better in every organization and industry. The COVID-19 challenges opened up opportunities for digitizing the operations of the supply chain. It leads to the development of digital tools, which helped during the pandemic, which would be useful for us going forward. In the coming years, it will be all about data and AI. There is a huge opportunity in the supply chain for AI applications as there are many transactional activities. The supply chain can really get very well reinforced by extensive use of both data and AI. (W-pb)

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 6 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

जेआरडी ओरिएशन आज

जमशेदपुर। एक्सलआरआई में जेआरडी ओरिएशन ऑन बिजनेस एथिक कार्यक्रम शनिवार को वर्चुअल होगा। इसका विषय चाइना द इमर्जिंग सुपरपावरः द एथिकल अंडरपिनिंग्स। व्याख्यान फादर स्टीफन रोथलिन देंगे।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में 28वां जेआरडी टाटा ओरिएंटेशन ऑन बिजनेस एथिक्स का वर्चुअल आयोजन

चीन ने 70 करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर उठाया, शुरुआती दौर के बाद कोरोना संक्रमण से बेहतरीन तरीके ने निपटा : डॉ. स्टीफन

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) की ओर से वर्चुअल मोड में 28वां जेआरडी टाटा ओरिएंटेशन ऑन बिजनेस एथिक्स का आयोजन किया। इस वर्ष मकाऊ रिकी इंस्टीट्यूट के निदेशक सह रोथलिन इंटरनेशनल मैनेजमेंट कंसल्टिंग लिमिटेड के सीईओ फादर स्टीफन रोथलिन एसजे ने चाइना द इमरजिंग सुपरपावर एंड द एथिकल अंडरपिनिंग्स विषय पर विचार रखें। स्वागत भाषण एक्सआरआरआई के निदेशक फादर पी. क्रिस्टी एसजे ने दिया, कहा - वैश्वीकरण ने व्यवसाय में नैतिकता के महत्व को और मजबूत किया है। वैश्वीकरण में व्यापारिक रणनीति-व्यावसायिक नैतिकता को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। प्रतिष्ठित संगठनों व कुछ उत्कृष्ट सीईओ को गलत कार्यों के

फादर स्टीफन रोथलिन बोले- *विज्ञान- बिजनेस वास्तविकता आधारित होते है, बेईमानी का गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है। वैश्विक बाजार में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के बावजूद भी चीन आगे बढ़ रहा है।*

लिए शर्मिंदा-जुर्माना, या कैद तक हो सकती है। ऐसे में लीडरशिप को हमेशा उदाहरण बनना चाहिए। फादर डॉ. स्टीफन रोथलिन एसजे ने कहा - वर्तमान में चीन विश्व की बड़ी आर्थिक शक्ति है। चीन की जीडीपी और व्यापारिक नीतियां वैश्विक व्यापार को सीधे प्रभावित करती हैं। 2020 की पहली छमाही में चीन की जीडीपी धीमी हुई थी, लेकिन मजबूत बनी हुई है। चीन ने भारी व्यापार उतार-चढ़ाव देखा, इसका असर चीन व वैश्विक अर्थव्यवस्था दोनों पर दिखा। वैश्विक बाजार में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के बावजूद भी चीन तेजी से आगे बढ़ रहा है। चीन में बचत दर अधिक है, हालांकि एक दशक में कम हुआ है। चीन ने 40 वर्षों में 70 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया है। चीन को सामूहिक गरीबी के उन्मूलन के लिए श्रेय देना चाहिए व प्रारंभिक विफलताओं के बाद कोरोना संकट से बेहतर तरीके से निपटा है। बिजनेस एथिक्स के महत्व पर ध्यान केंद्रित कर केस स्टडीज पेश करते हुए डॉ. स्टीफन ने कहा - चीन में सान्लू मेलमाइन-दुग्ध संकट उदाहरण है। विज्ञान बिजनेस वास्तविकता आधारित है। कोरोना संकट ने विज्ञान को अधिक गंभीरता से लेने के लिए हमें प्रेरित किया है। कंपनियों के सामानों से जुड़े वैज्ञानिक निर्देशों का पालन नहीं होने से कंपनी के ग्राहकों के साथ फर्म व नेतृत्व को गंभीर नुकसान हो सकता है।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

वैश्विक विकास का प्रमुख चालक बना रहेगा चीन : रोथलिन

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : भारत के प्रमुख बी-स्कूलों में से एक एक्सएलआरआइ- जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने शनिवार को 28वें वार्षिक जेआरडी टाटा व्याख्यानमाला (ओरेशन) की मेजबानी की। वर्चुअल आयोजन को बतौर मुख्य वक्ता फादर स्टीफन रोथलिन, एसजे पीएचडी (निदेशक, मकाऊ रिक्की इंस्टीट्यूट व सीइओ, रोथलिन इंटरनेशनल मैनेजमेंट कंसल्टिंग लिमिटेड) ने संबोधित किया।

'चाइना द इमर्जिंग सुपरपावर : द एथिकल अंडरपिनिंग्स' विषय पर फादर रोथलिन ने नैतिक दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यापारिक नैतिकता के प्रमुख तत्वों की जो व्याख्या की गई है, वह पिछले

एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में व्यावसायिक नैतिकता पर हुआ 28वां वार्षिक जेआरडी टाटा ओरेशन

23 वर्षों से बीजिंग, हांगकांग, मकाऊ, सिंगापुर और ताइवान के व्यावसायिक स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजनेस स्कूलों को नैतिक गुणों से सिंचित करने के लिए भारत और चीन दोनों की बुद्धि और परंपरा को जोड़ना चाहिए। चीन के नाटकीय आर्थिक परिवर्तन के बारे में कहा कि 2020 की पहली छमाही में वृद्धि धीमी हो गई, लेकिन चीन कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने में कामयाब रहा है। वह वैश्विक विकास का प्रमुख चालक बना रहेगा, जैसा कि चीन की उच्च जीडीपी वृद्धि से ऐसा लगता है।

उन्होंने कहा कि चीन ने भारी व्यापार घर्षण देखा, जिसने न केवल दोनों पक्षों को बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाई। इस व्यापार के प्रभाव से चीनी और अमेरिकी जीडीपी का प्रतिशत घटता है और विश्व व्यापार में 0.4 फीसद की कमी आती है। अमेरिका के बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धी स्थिति से दीर्घावधि में, व्यापार विकास में गिरावट के माध्यम से अन्य देश नकारात्मक रूप से प्रभावित होते हैं। बचत दर बहुत अधिक है, भले ही यह पिछले एक दशक में कम हो गया है। चीन एक उभरती महाशक्ति के रूप में पर्यावरण की जिम्मेदारी लेने के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि चीन ने खुले दरवाजे की नीति के बाद से 40 वर्षों में 700 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया है। चीन को सामूहिक गरीबी के उन्मूलन का श्रेय दिया जाना चाहिए। यदि चीन अधिक टिकाऊ आर्थिक विकास का विकल्प चुनता है, तो यह विश्व अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा।

उन्होंने कहा कि व्यवसाय और शिक्षा के बीच सामाजिक व्यवसाय को एक सेतु मानता हूं। भारत ने कई वर्षों तक इस क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। चीनी नैतिक दर्शन पर मूल शोध और व्यावसायिक नैतिकता पर पारस्परिक संवाद में इसका योगदान बहुत ठोस होना चाहिए।

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

एक्सएलआरआइ. जेआरडी टाटा ऑरेशन में बोले फादर स्टीफेन

चीन के 70 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में ऑनलाइन जेआरडी टाटा ऑरेशन ऑन बिजनेस एथिक्स का आयोजन शनिवार की शाम किया गया. जिसमें मुख्य वक्ता मकाऊ रिची इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर

फादर स्टीफेन रॉथलिन ने कहा कि वे पिछले 23 वर्षों से बीजिंग, हांगकांग, मकाउ, सिंगापुर, ताइवान के बिजनेस स्कूलों में मोरल लीडरशिप की शिक्षा दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिजनेस स्कूलों में केस स्टडी सबसे प्रभावी रूप से इस्तेमाल किया जाना चाहिए. उन्होंने एक आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कोविड 19 के बाद चीन की विकास दर थोड़ी धीमी जरूर हुई, लेकिन अंतिम छमाही में फिर से चीन विकास के रास्ते पर दौड़ने लगा. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से चीन आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है वह उसकी बेहतर आर्थिक नीति को परिलक्षित करती है. उन्होंने बताया कि पिछले 40 वर्षों में चीन ने 70 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया है. प्रो स्टीफेन ने कहा कि यदि चीन अधिक टिकाऊ आर्थिक विकास का विकल्प चुनता है तो यह विश्व अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा. एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने कहा कि बिजनेस स्कूलों में एथिक्स की पढ़ाई जरूरी है. बताया कि 28 साल से एक्सएलआरआइ में जेआरडी टाटा बिजनेस एथिक्स का आयोजन किया जा रहा है. इस दौरान उन्होंने बेहतर मैनेजर के साथ ही बेहतर इनसान बनाने के उद्देश्यों की भी जानकारी दी. एकेडमिक डीन प्रोफेसर आशीष पाणी के साथ ही कई प्रोफेसरों व विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

Stephan Rothlin addresses 28th Annual JRD Tata Oration on Business Ethics

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 6 : XLRI- Xavier School of Management, one of India's premier B-Schools hosted the 28th Annual JRD Tata Oration on Business Ethics on virtual mode.

This year, Fr. Stephan Rothlin, S.J., Ph.D., Director of the Macau Ricci Institute, and CEO of Rothlin International Management Consulting Ltd delivered the oration. Fr Rothlin gave his speech on 'China The Emerging Superpower: The Ethical Underpinnings.'

Fr. Stephan Rothlin's oration speech emphasized on the ethical perspectives and explained the key elements of business ethics, which he has been teaching in business schools in Beijing, Hong Kong, Macau, Singapore, and Taiwan for the last 23 years that will allow business leaders and entrepreneurs to understand and embrace the challenge of moral leadership in business. He shared his insights about business ethics in China, like the increasing importance of the local Confusion culture and its values. Case studies should be used as the most effective pedagogy for business ethics. Business schools should combine both the wisdom and traditions of India and China to cultivate moral virtues. Talking about China's dramatic economic transformation, he referred to the data from the 2019 & 2020 OECD economic survey and shared some outstanding figures vis-à-vis the growth of China. The growth has slowed in the first half of 2020 but remains strong. China has managed to control Covid-19 pandemic and will remain the major driver of global growth, as is reflected by China's significantly

high GDP growth.

In his oration, he said, "China witnessed enormous trade frictions, which hurt not only both sides but also the global economy. As per the figures of the OCED, when we have 25 % of tariffs on goods worth USD 50 billion is another key factor, the impact of this trade frictions shaving off ¼ percent of Chinese and US GDP and reduce world trade by 0.4% by 2020. Import volumes in both the countries decline by ¾ percent, and in the US, CPI inflation rise by 0.2 ppt in both 2019 and 2020 as a result of higher import prices due to tariffs. Other countries are negatively affected through declining trade growth, through in the longer term, benefit from an improved competitive position in the US market. The saving rate remains very high, even though it has decreased over the past decade. China as an emerging superpower intends to be a major player in taking responsibility for the environment".

He observed," China has made impressive gains claiming to have lifted 700 million people out of poverty in 40 years since the open door policy. China should be given credit for the alleviation of mass poverty and handling the COVID-19 crisis very well after initial failures. If China manages to opt for a more sustainable economic growth, it would significantly impact the world economy".

He pointed out, "I consider social business as a bridge between business and academia. India has made much progress in this area for many years. Original research on Chinese moral philosophy and its contribution to the interreligious dialogue on business ethics must be very concrete. We have to further push for original research on case studies emerging from Chinese and Asian business experiences. The common complaint is that the case studies from the business schools are still too reliant on American and European case studies. We have to develop online resource distribution further". While presenting several case studies focusing on the importance of Business Ethics, Dr. Rothlin, in one of the case studies, weighs "Business ethics and the sciences" and referred to the lesson from Sanlu's Melamine –Tainted milk crisis in China. Since science is reality-based, a business must be reality-based as well, and he said, "The Covid -19 crisis certainly pushed us to take sciences more seriously. Failure to observe the scientific specification associated with companies' goods may result in serious harm not only to the customers of such products but also to the firm itself and its leadership. Sanlu's tainted milk crisis has a devastating effect until now, and the Chinese are very skeptical about consuming their own products. So if everyone cheats, then there is no advantage to be gained by cheating. Just as lying destroys trust in personal relationships, so fraud destroys trust in businesses".

In his welcome address, Fr. P. Christie, S. J. Director of XLRI said, "Globalization has further enhanced the importance of ethical, moral compass in business. Globalization means that business strategy and business ethics cannot be separated from each other. Corporations have entered a new era, the "prove-to-me" era. Unethical practices and organizations are not being shrugged off anymore. Even reputed organizations and some outstanding CEOs are named, shamed and fined, or imprisoned for their ethical lapses the world over. The culture of an organization is established by the tone set at the top. Chief executives must lead by example." (W-pb)

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Stephan Rothlin addresses

28th Annual JRD Tata Oration on Business Ethics

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management, one of India's premier B-Schools, hosted the 28th Annual JRD Tata Oration on Business Ethics on virtual mode.

This year, Fr. Stephan Rothlin, S.J., Ph.D., Director of the Macau Ricci Institute, and CEO of Rothlin International Management Consulting Ltd delivered the oration. Fr Rothlin gave his speech on 'China The Emerging Superpower: The Ethical Underpinnings.'

Fr. Stephan Rothlin's oration speech emphasized on the ethical perspectives and explained the key elements of business ethics, which he has been teaching in business schools in Beijing, Hong Kong, Macau, Singapore, and Taiwan for the last 23 years that will allow business leaders and entrepreneurs to understand and embrace the challenge of moral leadership in business. He shared his insights about business ethics in China, like the increasing importance of the local Confusion culture and its values. Case studies should be used as the most effective pedagogy for business ethics. Business schools should combine both the wisdom and traditions of India and China to cultivate moral virtues. Talking about China's dramatic economic transformation, he referred to the data from the 2019 & 2020 OECD economic survey and shared some outstanding figures vis-à-vis the growth of China. The growth has slowed in the first half of 2020 but remains strong. China has managed to control Covid-19 pandemic and will remain the major driver of global growth, as is reflected by China's significantly high GDP growth.

In his oration, he said, "China witnessed enormous trade frictions, which hurt not only both sides but also the global economy. As per the figures of the OCED, when we have 25 % of tariffs on goods worth USD 50 billion is another key factor, the impact of this trade frictions shaving off ¼ percent of Chinese and US GDP and reduce world trade by 0.4% by 2020. Import volumes in both the countries decline by ¾ percent, and in the US, CPI inflation rise by 0.2 ppt in both 2019 and 2020 as a result of higher import prices due to tariffs. Other countries are negatively affected through declining trade growth, through in the longer term, benefit from an improved competitive position in the US market. The saving rate remains very high, even though it has decreased over the past decade. China as an emerging superpower intends to be a major player in taking responsibility for the environment".

He observed," China has made impressive gains claiming to have lifted 700 million people out of poverty in 40 years since the open door policy. China should be given credit for the alleviation of mass poverty and handling the COVID-19 crisis very well after initial failures. If China manages to opt for a more sustainable economic growth, it would significantly impact the world economy".

He pointed out, "I consider social business as a bridge between business and academia. India has made much progress in this area for many years. Original research on Chinese moral philosophy and its contribution to the interreligious dialogue on business ethics must be very concrete. We have to further push for original research on case studies emerging from Chinese and Asian business experiences. The common complaint is that the case studies from the business schools are still too reliant on American and European case studies. We have to develop online resource distribution further".

While presenting several case studies focusing on the importance of Business Ethics, Dr. Rothlin, in one of the case studies, weighs "Business ethics and the sciences" and referred to the lesson from Sanlu's Melamine –Tainted milk crisis in China. Since science is reality-based, a business must be reality-based as well, and he said, "The Covid -19 crisis certainly pushed us to take sciences more seriously. Failure to observe the scientific specification associated with companies' goods may result in serious harm not only to the customers of such products but also to the firm itself and its leadership. Sanlu's tainted milk crisis has a devastating effect until now, and the Chinese are very skeptical about consuming their own products. So if everyone cheats, then there is no advantage to be gained by cheating. Just as lying destroys trust in personal relationships, so fraud destroys trust in businesses".

In his welcome address, Fr. P. Christie, S. J. Director of XLRI said, "Globalization has further enhanced the importance of ethical, moral compass in business. Globalization means that business strategy and business ethics cannot be separated from each other. Corporations have entered a new era, the "prove-to-me" era. Unethical practices and organizations are not being shrugged off anymore. Even reputed organizations and some outstanding CEOs are named, shamed and fined, or imprisoned for their ethical lapses the world over. The culture of an organization is established by the tone set at the top. Chief executives must lead by example."

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 7 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई के बड़े आयोजन में चीनी मॉडल की हिमायत

- जेआरडी व्याख्यानमाला में स्टीफन रोथलिन ने कहा- चीन वैश्विक विकास का वाहक होगा

जमशेदपुर : मकाऊ रिक्की इंस्टीट्यूट के निदेशक और रोथलिन इंटरनेशनल मैनेजमेंट कंसल्टिंग लिमिटेड के सीईओ फादर स्टीफन रोथलिन ने कहा-मैं व्यवसाय और शिक्षा के बीच सामाजिक व्यवसाय को एक सेतु मानता हूं. भारत ने कई वर्षों तक इस क्षेत्र में बहुत प्रगति की है. चीनी नैतिक दर्शन पर मूल शोध और व्यावसायिक नैतिकता पर पारस्परिक संवाद में इसका योगदान बहुत ठोस होना चाहिए. हमें चीनी और एशियाई व्यापारिक अनुभवों से उभरने वाले केस स्टडीज पर मूल शोध को आगे बढ़ाना होगा. आम शिकायत यह है कि बिजनेस स्कूलों से केस स्टडी अभी भी अमेरिकी और यूरोपीय केस स्टडी पर निर्भर है. हमें आगे ऑनलाइन संसाधन वितरण विकसित करना होगा. फादर रोथलिन शनिवार 6 फरवरी को एक्सएलआरआई जमशेदपुर की जेआरडी व्याख्यानमाला को

संबोधित कर रहे थे. वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित इस व्याख्यानमाला में फादर रोथलिन ने 'चाइना द इमर्जिंग सुपरपावर- द एथिकल अंडरपिनिंग्स' पर अपना भाषण दिया. संस्थान निदेशक फादर क्रिस्टी ने स्वागत भाषण दिया.

कोविड संकट ने विज्ञान को गंभीर बनाया

बिजनेस एथिक्स के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई केस स्टडीज पेश किया. डॉ. रोथलिन ने एक केस स्टडीज 'बिजनेस एथिक्स एंड साइंसेज' का उदाहरण दिया चीन के दुग्ध संकट को बताया. उन्होंने कहा कि 'कोविड -19 संकट ने निश्चित रूप से विज्ञान को अधिक गंभीरता से लेने के लिए हमें धक्का दिया. कंपनियों के सामानों से जुड़े वैज्ञानिक विनिर्देश का पालन करने में विफलता से न केवल ऐसे उत्पादों के ग्राहकों को, बल्कि स्वयं फर्म और उसके नेतृत्व को भी गंभीर नुकसान हो सकता है. सानलू के दागी दूध संकट का अब तक एक विनाशकारी प्रभाव है और चीनी अपने स्वयं के उत्पादों का उपभोग करने के बारे में बहुत उलझन में हैं. इसलिए अगर हर कोई धोखा देता है, तो धोखा खाने से कोई फायदा नहीं होगा. जिस तरह झूठ बोलना व्यक्तिगत रिश्तों में विश्वास को नष्ट कर देता है, उसी तरह धोखाधड़ी व्यवसायों में विश्वास को नष्ट कर देती है.

व्यवसाय में नैतिक नेतृत्व को समझना होगा

उन्होंने कहा कि व्यवसाय में नैतिक नेतृत्व की चुनौती को समझना होगा और उसे गले लगाना होगा. उन्होंने चीन में व्यावसायिक नैतिकता के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, जैसे स्थानीय भ्रम संस्कृति और उसके मूल्यों का बढ़ता महत्व. फादर ने कहा कि व्यावसायिक नैतिकता के लिए केस स्टडी को सबसे प्रभावी शिक्षा शास्त्र के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए. बिजनेस स्कूलों को नैतिक गुणों की खेती करने के लिए भारत और चीन दोनों की बुद्धि और परंपराओं को जोड़ना चाहिए.

वैश्विक विकास का चालक रहेगा चीन

चीन के नाटकीय आर्थिक परिवर्तन के बारे में बात करते हुए ओईसीडी आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों का उल्लेख किया और चीन के विकास के लिए कुछ उत्कृष्ट आंकड़े साझा किए. उन्होंने बताया कि 2020 की पहली छमाही में वृद्धि धीमी हो गई है लेकिन मजबूत बनी हुई है. चीन कोविड -19 महामारी को नियंत्रित करने में कामयाब रहा है और वैश्विक विकास का प्रमुख चालक बना रहेगा, जैसा कि चीन की उच्च जीडीपी वृद्धि से परिलक्षित होता है. चीन एक उभरती महाशक्ति के रूप में पर्यावरण की जिम्मेदारी लेने के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी बनना चाहता है.

700 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर लाने का दावा

चीन ने खुले दरवाजे की नीति के बाद से 40 वर्षों में 700 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा किया है. चीन को सामूहिक गरीबी के उन्मूलन के लिए श्रेय दिया जाना चाहिए और प्रारंभिक विफलताओं के बाद कोविड-19 संकट को अच्छी तरह से संभालना चाहिए. यदि चीन अधिक टिकाऊ आर्थिक विकास का विकल्प चुनता है, तो यह विश्व अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा.

PUBLICATION: Mint
DATE: 8 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 14

Construction fuels jobs revival in rural India, cities struggle

Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
NEW DELHI

Increased construction activity in rural areas is driving a recovery in India's labour market instead of cities, services sector and industrial belts.

Of the nearly 12 million net additions to the employed workforce in January, most are helping rural India build houses and roads. The construction and real estate sector in rural India absorbed more than 8.23 million workers in January, showed data from the Centre for Monitoring Indian Economy (CMIE). In comparison, the labour-intensive construction sector in urban India added less than 350,000 people.

Agriculture absorbed 4.26 million people, while manufacturing and mining saw negligible growth. This comes amid a continued struggle of the services sector where employment fell by more than 3 million in January from December.

Economists and experts say that the employment data highlights two major trends. First, in rural India, which was less affected by the pandemic, more people who have returned from the cities are now shifting to agriculture, real estate and the construction sector. Second, informal employment is catching up through these sectors, but subdued recovery in the organized sectors and informal services sector is hurting India's job revival.

Shifting trend

Rural real estate and agriculture sectors are absorbing people in the labour market, but rural services sector is witnessing sizable reduction in employment.

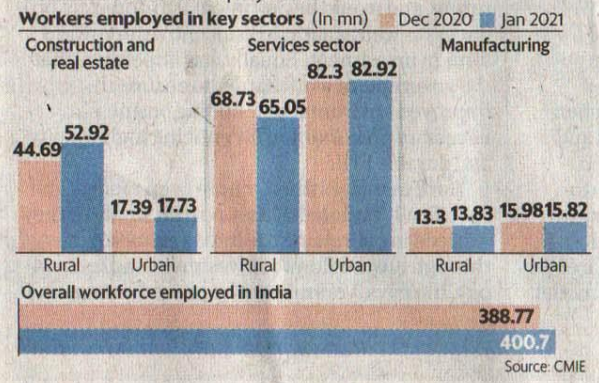

A robust revival is seen in housing construction, catering to a mix of pent-up demand and new end-user demand, said Anuj Puri, chairman of Anarock, a real estate consulting and advisory firm. The "impact of the coronavirus-induced lockdowns was not as severe in tier 2 and tier 3 cities as in the larger cities" and these smaller cities and towns are more dependent on their local economies besides government jobs, where job losses were not high.

The construction and real estate sector in rural India absorbed more than 8.23 million workers in January

"In short, the above factors have a multiplier effect across these sectors and drive employment creation," Puri said.

The Knight Frank-Ficci-Naredco Real Estate Sentiment Index survey published on 27 January showed that the real estate sector is set to grow faster in the next six months and the "sentiment" is much higher in east, south and west India (score of 65 to 66) as against north India.

The revival in real estate and construction activity in the rural sector is because of greater construction of individual buildings, renovations of existing houses and structures, and rural road constructions, Arup Mitra, a professor of economics at Institute of Economic Growth in Delhi University, said.

"There is a pent-up demand in rural real estate that was held up for several months because of the lockdown. With more people at home because of reverse migration and limited employment opportunities in cities and industrial belts, people are getting engaged in two sectors, in their own firms and in small-ticket real estate and construction work. However, the growth of employment in real estate and agri indicate that informalization is increasing," said K.R. Shyam Sundar, a labour economist and professor at XLRI Jamshedpur.

"The winter vegetable harvest, pulses and oil seeds cultivation is absorbing the rural workforce and this is visible in CMIE data. However, the rural service economy is in bad shape as there are too many people working in limited sectors. Both productivity and earnings have gone down for a large pool of people, which is adversely impacting services sectors there. My assessment is there is massive job loss in rural service sector because of lack of demand and there is low pickup in the service sector in urban India," Mitra said.

PUBLICATION: Mint
DATE: 9 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 1,8

Once the new labour code is in place, firms can choose to have 8-to-12 hour workdays, based on demand, industry and location, said analysts.

Centre may allow 4-day work week

Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
NEW DELHI

The Union government will soon offer companies the flexibility to choose a shorter four-day workweek, albeit with longer shifts.

The weekly 48-hour work limit will stay but employers will be able to deploy people on four, 12-hour workdays per week; or five, around 10-hour days; or six, eight-hour days, labour secretary Apurva Chandra told reporters on Monday.

"We are not forcing employees or employers. It gives flexibility. It's an enabling provision in sync with the changing work culture," Chandra said.

The provision will be part of the labour code, and once the new rules are implemented, employers will no longer be required to seek government permission to shift to a four- or a five-day working week if their employees approve the arrangement.

Chandra said employers will have to ensure that if they choose a four-day work week, there has to be a three-day

TURN TO PAGE 8

Centre may allow a four-day work week

FROM PAGE 1

break, and if it is a five-day week, two days of break before starting a new work week has to be implemented.

Once the new labour code is in place, experts said employers will have the freedom to choose to have 8 to 12 hours workdays, based on demand, industry and location.

Many employees are likely to be thrilled with the possibility of spending extra time on leisure activities and recover effectively from their weekly pressures.

Companies can also benefit from lower office rental costs and more energized and productive staff.

"It will benefit sectors such as information technology and shared services. In the banking and financial services industry, 20-30% people can use the long working hours template for four or five days and enjoy a longer break. Profiles like human resources and finance verticals can easily adopt such a practice faster," said Kamal Karanth, co-founder of human resource firm Xpheno.

"It shall also benefit a new generation of workers who value 'me time' and would prefer working long hours for fewer days to get an extra off. Besides, foreign firms will be the first to adopt it as this will reduce their real estate expenditure at one end and improve productivity of workers on the other. The covid-19 work culture has given companies a proof of concept and its adoption won't be tough," said Karanth, a former managing director (India) of global staffing firm Kelly Services.

RAMESH PATHANIA/MINT

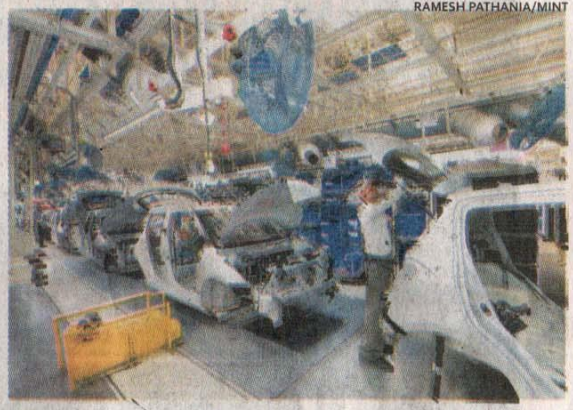

New rule may lead to a day's work converting into two shifts instead of three and reduce employment opportunities, say analysts.

Rituparna Chakraborty, executive vice-president and co-founder of staffing company TeamLease Services, said the move will benefit both employees and employers.

"It's not enforcement but an option. I believe labour-intensive sectors such as manufacturing will adopt them. Imagine a company doing the same work in four days instead of five and the benefit of saving one day of operational cost—that's a big positive," said Chakraborty.

However, some experts say that this may lead to a day's work converting into two shifts instead of three and reduce employment opportunities.

"Up to 12 hours of work plus commute time for four and five days, will be taxing on workers, especially in factory settings. The work-life balance may get impacted, "said K.R. Shyam Sundar, a labour economist.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 10 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआइ का फाइल फोटो।

एक्सएलआरआइ ले रहा पॉजिटिव इंपैक्ट रेटिंग में भाग

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग (पीआइआर) 2021 में भाग ले रहा है। इसमें छात्रों ने अपने संस्थान और अपना मूल्यांकन किया है। वे कैसे सामाजिक और टिकाऊ चुनौतियों का हल कर रहा है, इस विषय का मूल्यांकन किया जा रहा है।

पीआइआर छात्रों और छात्रों के लिए एक रेटिंग है। यह व्यावसायिक स्कूलों की बड़ी भूमिका को संबोधित करता है। इसके लिए एक्सएलआरआइ डाटा का संग्रह सिग्मा-ओइकोस द्वारा करवा रहा है। सिग्मा-ओइकोस ई-मेल, सोशल मीडिया तथा अधिक से अधिक माध्यमों से पूरे परिसर में एक सर्वेक्षण का कार्य कर रहा है।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 10 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग में होगा शामिल

एक्सएलआरआई
जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

जमशेदपुर(वंस.)। विश्व के 30 नामी संस्थानों में सामाजिक क्षेत्र में विशेष सेवा के लिए चुने जाने के बाद एक्सएलआरआई दोबारा पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग 2021 में भाग ले रहा है। इसका मकसद संस्थान किस तरह से सामाजिक और स्थायी चुनौतियों को हल कर रहा है और अपने स्वयं के स्कूलों के समाज में सकारात्मक प्रभाव का आकलन कर रहा है। इससे पहले पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग में एक्सएलआरआई और आईआईएम बेंगलुरु को भारत से चुना गया था। यह विश्वस्तरी रेटिंग है, जिसमें विश्व के अधिकांश प्रबंधकीय संस्थान हिस्सा लेते हैं। सकारात्मक प्रभाव रेटिंग (पीआईआर) छात्रों के लिए एक रेटिंग है। यह व्यावसायिक स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका की व्याख्या करता है ताकि बिजनेस स्कूलों के समाज के प्रति सकारात्मक प्रभाव और अर्थव्यवस्था के जरिए वे अपनी छवि बता सकें। इसकी जानकारी देते हुए एक्सएलआरआई के प्रोफेस सुनील वर्गिस ने बताया कि यह एक सकारात्मक पहल है।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 10 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI students to participate in Positive Impact Rating

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: XLRI students will participate in Positive Impact Rating (PIR) for the second consecutive year.

Positive Impact Rating (PIR) gives students a chance to evaluate the institution on how it is solving societal and sustainable challenges and assessing the positive impact of B-schools.

The PIR is a rating by students and for students.

Itaddresses the larger role of business schools; the positive impact of business schools going beyond their contribution to business and the economy.

XLRI along with IIM Bangalore, had featured in the top 30 Global Business Schools of the first edition of Positive Impact Rating -2020.

XLRI campus in Jamshedpur. File Pic

XLRI will be participating in the rating for the second consecutive year.

The collection of data is organized by SIGMA-oikos, which will conduct a survey across campus through email campaigns and social media.

The results can be used as a tool to drive student-led sustainable development.

The overall PIR score of the business school is used to position the school on one of five levels.

The characterizations of the different levels refer to the developmental stage of the business school.

XLRI was categorized under the 'Progressing schools' category in the first edition of Positive Impact Rating- 2020, rating it among the top 30 global business schools.

This year, XLRI aims to achieve in the ranks of the 'Transforming schools' category.

The results of the 2021 edition of the Positive Impact Rating will be announced at the World Economic Forum in Lucerne-Burgenstock, Switzerland in May this year. Prof. Tata Raghuram, convenor, Father Arrupe Centre for Ecology and Sustainability (FACES), said, "Individual and collective actions are essential to create a greater common good. At XLRI students, faculty, staff, and alumni strive together to realize this vision. We set out our commitments to make a positive contribution to creating a positive impact on society. Positive Impact Rating guides business schools from being the best in the world to being the best for the world. The PIR rating inspire us to work more diligently towards attaining our vision and mission."

Sunil Varughese, chief brand and sustainability officer at XLRI said, "Once again, business management students across the world are joining hands to assess their business schools on how they perceive their institutional positive impact in the community and society at large. This marks a paradigm shift towards fostering a collaborative ecosystem and making the process of management education more meaningful and purpose-oriented, especially in a world that is still suffering as a consequence of the Covid-19 pandemic."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 10 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

XLRI students to participate in Positive Impact Rating

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 9 : XLRI- Xavier School of Management, the premier B School, is participating in the Positive Impact Rating 2021, thereby giving its students the chance to evaluate the institution on how it is solving societal and sustainable challenges and assessing the positive impact of their own schools. The millennial B-School students will get a unique opportunity for their voice to be heard and also express their views on the importance of Positive Impact on society at large.

The Positive Impact Rating (PIR) is a rating by students and for students. It addresses the larger role of business schools; the positive impact of business schools going beyond their contribution to business and the economy. It contributes as a lever of change for transformation in business schools.

The collection of data in XLRI is organized by SIGMA-oikos, who will distribute a survey across campus through email campaigns, social media, and more. The results can be used as a tool to drive student-led sustainable development in cooperation with schools.

PIR was initiated by a group of concerned business school experts and has been founded by the endorsers WWF, Oxfam International and the UNGC Switzerland, with the active support of the funders VIVA Idea and the Mission Possible Foundation. It is set up to be led by international student organizations, including oikos, SOS, AIESEC International and others, to ensure that the PIR captures the student voice in each school.

Prof. Tata Raghuram, convenor, FACES, XLRI (Father Arrupe Centre for Ecology and Sustainability), said, "Individual and collective actions are essential to create a greater common good. At XLRI, students, faculty, staff, and alumni strive together to realize this vision. We set out our commitments to make a positive contribution to creating a positive impact on society. Positive Impact Rating guides business schools from being the best in the world to being the best for the world. The PIR rating inspires us to work more diligently towards attaining our Vision and Mission.",

Sunil Varughese, chief brand & sustainability officer, XLRI Xavier School of Management, Jamshedpur, said, "Once again, business management students across the world are joining hands to assess their business schools on how they perceive their institutional positive impact in the community and society at large. This marks a paradigm shift towards fostering a collaborative ecosystem and making the process of management education more meaningful and purpose-oriented, especially in a world that is still suffering as a consequence of the COVID-19 Pandemic". (W-pb)

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 10 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI students to rate impact of their business school

TO PARTICIPATE IN POSITIVE IMPACT RATING

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management, the premier B School, is participating in the Positive Impact Rating 2021, thereby giving its students the chance to evaluate the institution on how it is solving societal and sustainable challenges and assessing the positive impact of their own schools. The millennial B-School students will get a unique opportunity for their voice to be heard and also express their views on the importance of Positive Impact on society at large.

The Positive Impact Rating (PIR) is a rating by students and for students. It addresses the larger role of business schools; the positive impact of business schools going beyond their contribution to business and the economy.

It contributes as a lever of change for transformation in business schools.

The collection of data in XLRI is organized by SIGMA-oikos, who will distribute a survey across campus through email campaigns, social media, and more.

The results can be used as a tool to drive student-led sustainable development in cooperation with schools.

PIR was initiated by a group of concerned business school experts and has been founded by the endorsers WWF, Oxfam International and the UNGC Switzerland, with the active support of the funders VIVA Idea and the Mission Possible Foundation.

It is set up to be led by international student organizations, including oikos, SOS, AIESEC International and others, to ensure that the PIR captures the student voice in each school.

Prof. Tata Raghuram, convenor, FACES, XLRI (Father Arrupe Centre for Ecology and Sustainability), said, "Individual and collective actions are essential to create a greater common good. At XLRI, students, faculty, staff, and alumni strive together to realize this vision. We set out our commitments to make a positive contribution to creating a positive impact on society. Positive Impact Rating guides business schools from being the best in the world to being the best for the world. The PIR rating inspires us to work more diligently towards attaining our Vision and Mission.",

Sunil Varughese, chief brand & sustainability officer, XLRI Xavier School of Management, Jamshedpur, said, "Once again, business management students across the world are joining hands to assess their business schools on how they perceive their institutional positive impact in the community and society at large.

This marks a paradigm shift towards fostering a collaborative ecosystem and making the process of management education more meaningful and purpose-oriented, especially in a world that is still suffering as a consequence of the COVID-19 Pandemic".

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 10 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

बिजनेस स्कूलों में पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग का क्या है मतलब?

शहर का बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई भी शामिल

जमशेदपुर : वैश्विक स्तर पर होने वाले पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग (पीआईआर) में पिछले साल शहर के अग्रणी बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई जमशेदपुर को शामिल किया गया था. संस्था को प्रोग्रेसिंग स्कूलों की श्रेणी के तहत पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग 2020 के पहले संस्करण में श्रेणीबद्ध किया गया था. इसे टॉप-30 सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूलों में शुमार किया गया था. इस साल एक्सएलआरआई जमशेदपुर का लक्ष्य ट्रांसफॉर्मिंग स्कूलों की श्रेणी को हासिल करना है. सकारात्मक प्रभाव रेटिंग के 2021 संस्करण के परिणाम मई में स्विट्जरलैंड के ल्यूसर्न-बर्गेनस्टॉक में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में लॉन्च किए जाएंगे.

सोशल मीडिया के जरिए होगा सर्वे

एक्सएलआरआई में डेटा का संग्रह सिग्मा ओयकोस द्वारा किया जाता है, जो ईमेल अभियानों और सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे परिसर में एक सर्वेक्षण करेगा. परिणामों का उपयोग स्कूलों के सहयोग से

छात्र के नेतृत्व वाले सतत विकास को चलाने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा सकता है. बिजनेस स्कूल के समग्र पीआईआर स्कोर का इस्तेमाल स्कूल को पांच स्तरों में से एक पर रखने के लिए किया जाता है.

बी स्कूलों के सामाजिक प्रभाव को जानना

भारत में अग्रणी बिजनेस स्कूल पॉजिटिव इम्पैक्ट रेटिंग 2021 में भाग ले रहे है, जिससे छात्रों को संस्था का मूल्यांकन करने का मौका मिल रहा है कि कैसे यह सामाजिक और टिकाऊ चुनौतियों को हल कर रहा है और अपने स्वयं के स्कूलों के सकारात्मक प्रभाव का आकलन कर रहा है. सहस्त्राब्दी के बी-स्कूल के छात्रों को अपनी आवाज़ को सुनने का एक अनूठा अवसर मिलता है और बड़े पैमाने पर समाज पर सकारात्मक प्रभाव के महत्व पर भी अपने विचार व्यक्त करते हैं.

हमारे विजन और मिशन को आगे बढ़ाती है रेटिंग

प्रोफेसर टाटा रघुराम, संयोजक, एफएसीईएस, एक्सएलआरआई (फादर अरुपे सेंटर फॉर इकोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी) ने कहा, 'अधिक सामान्य अच्छा बनाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक क्रियाएं आवश्यक हैं. एक्सएलआरआई में छात्र, संकाय, कर्मचारी और पूर्व छात्र मिलकर इस दृष्टि को साकार करने का प्रयास करते हैं. हमने समाज पर सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को निर्धारित किया. पॉजिटिव इंपैक्ट रेटिंग बिजनेस स्कूलों को दुनिया में सबसे अच्छा होने से लेकर दुनिया के लिए सर्वश्रेष्ठ होने तक का मार्गदर्शन करती है. पीआईआर रेटिंग हमें अपने विजन और मिशन को प्राप्त करने की दिशा में अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित करती है.'

शिक्षा को उद्देश्य मुखी बनाने की पहल

एक्सएलआरआई ज़ेवियर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट जमशेदपुर के मुख्य ब्रांड अधिकारी सुनील वर्गीस ने कहा, 'एक बार फिर दुनिया भर के व्यवसाय प्रबंधन के छात्र अपने बिजनेस स्कूलों का मूल्यांकन करने के लिए हाथ मिला रहे हैं कि वे समुदाय और समाज में अपने संस्थागत सकारात्मक प्रभाव को कैसे देखते हैं.

यह एक सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और प्रबंधन शिक्षा की प्रक्रिया को और अधिक सार्थक और उद्देश्य-उन्मुख बनाने की दिशा में एक बदलाव का प्रतीक है. खासकर एक ऐसी दुनिया में जो अभी भी कोविड-19 महामारी से पीड़ित है.

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 12 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 9

Six key steps to follow when selecting stocks

Select stocks based on fundamentals. Check their M Score and Piotroski's Score and don't go just by their price movement

YOUR MONEY

N SIVASANKARAN

MARKET CRASHES offer several valuable investment lessons for all investors. Young investors in their thirties need to learn the following lessons.

The market is inefficient

Market crashes provide a lot of strength to the belief that the market is inefficient, i.e, market rises and falls on irrational hopes, emotions and sentiments and the indices and individual share prices do not reflect information efficiency. Information traders and speculators could drive the indices either upwards or downwards on their beliefs and desires. Hence the market does not price the securities fairly.

What goes up will fall and vice versa

The price of the share is not constant. It shall take an up-down or a down-up journey. One should not take a bullish or bearish view because the price showed an increasing/decreasing trend in the near past. Most of the time, share prices move on collective beliefs and sentiments of the market participants. Therefore, movement of prices does not tell us anything about the intrinsic value of stocks.

Fundamentals are to be believed

We should select a stock based on its fundamentals such as dividend payout ratio, return on equity, net profit margin, competitive advantages, nature of business, operating leverage, and financial leverage. One should not decide on the basis of one quarterly or annual report as it is possible for a firm to perform extremely well or poorly on an extraordinary period and hence, going by the five-year (or a reasonable period) average figures may be prudent.

ILLUSTRATION: SHYAM KUMAR PRASAD

Get support from Piotroski's Score

Having decided to follow fundamental analysis in investments, it is wiser to get the support for your valuation figures by computing Piotroski score. It is computed for a stock based on 9 sub-parameters such that a stock gets a score on a scale of 0 to 9. If a stock gets a score of 8 or 9, then it is strongly recommended to invest in it and if its score is less than 2, it is a definite reject and if the score is between 3-7, it is a doubtful case.

Pass the M score

Firms follow earnings management practices. Therefore, it is better to approach the valuation of a stock with skepticism and remove the fear of losing money by running the Beneish M Score or any other manipulation detective exercise. One should not pick up a stock which fails in the manipulation test.

Value is in the range

Valuation is never a precise single figure. We cannot state that the share price of a firm is worth ₹500. This is because valuation output is the outcome of several assumptions considered by the valuer. Therefore, it is a good practice to perform a sensitivity analysis and conclude stating that the value of this stock is in the range of ₹350 to ₹600 with a median value of ₹400.

We may go wrong in our assessment even after following the above stated precautions. Therefore, it is pragmatic to construct a portfolio of stocks with promising fundamentals rather than investing the entire corpus in a single stock.

The writer is associate professor, Finance, XLRI School of Management, Jamshedpur

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 12 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 11

PLUS POINTS

Annual programme

XLRI- Xavier School of Management hosted the 28th Annual JRD Tata Oration on business ethics on virtual mode recently.

This year, Fr Stephan Rothlin, SJ, PhD, Director of the Macau Ricci Institute, and CEO of Rothlin International Management Consulting Limited delivered the oration. Rothlin gave his speech on "China the Emerging Superpower: The Ethical Underpinnings." The speech emphasised on the ethical perspectives and explained the key elements of business ethics, which he has been teaching in business schools in Beijing, Hong Kong, Macau, Singapore, and Taiwan for the last 23 years that would allow business leaders and entrepreneurs to understand and embrace the challenge of moral leadership in business. Fr P Christie, SJ director, XLRI delivered the welcome address.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 13 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआइ का 64वां दीक्षा समारोह 20 को

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट का 64वां दीक्षा समारोह 20 फरवरी को वर्चुअल मोड में होगा। इसमें 2018-20 बैच के छात्रों को विदाई दी जाएगी।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 13 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI's convocation to go online on Feb 20

The sprawling XLRI campus in Jamshedpur.

PINAKI MAJUMDAR

JAMSHEDPUR: City-based premier B-school - XLRI will hold its 64th annual convocation on February 20, Saturday.

This will be for the first time ever the convocation ceremony will be held on a virtual platform.

The annual event will be organised to bid farewell to the 2018-20 batch.

Sanjiv Mehta, chairman and managing director of Hindustan Unilever Ltd will grace the convocation ceremony as the chief guest . He will deliver the convocation address.

On the day of convocation function, XLRI will be virtually presenting graduating certificates to a total of 527 students, including 182 and 180 students of Postgraduate Programmes in Management - BM and IIRM of 2018-2020 batch; 104 students of 15-months PGDM (General Management) Program; 13 students of Fellow Program in Management (FPM) and 48 students of 2017 -2020 batch of PGDM-BM Programme (Evening).

Speaking on the convocation function Fr. P Christie, director, XLRI, said, " Convocation is the most significant event in the academic journey for every student, as it is the culmination of all the efforts put in by an individual during their time at the XLRI campus. Considering the current Covid-19 pandemic, we have decided to shift the 64th annual convocation to the virtual medium. We look forward to welcoming students and their families to the convocation to celebrate their academic achievements."

Chairman, Board of Governors at XLRI and managing director of Tata Steel said, " For over seven decades, XLRI has steadfastly held on to its mission of proffering world-class education across various management-centric programs. XLRI diligently strives to create a value-based and ethics-driven teaching and learning environment while underscoring the need for all-round development. This emphasis on inculcating important core-values is what sets XLRI apart from other B-schools in the country."

A graduating student of Business Management stream said, " We look forward to this day which recognises the academic excellence of students. Because of the pandemic the function this year will be organised on a virtual mode. We owe a lot to the institution which has groomed us as a business manager."

XLRI , a premier, private management institute of the country was established in 1949 .

Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their respective organizations.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 13 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI's 64th annual convocation to be virtual

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 12 : XLRI - Xavier School of Management is all set to hold its 64th Annual Convocation on February 20. The first-ever virtual convocation ceremony will be held to bid a final farewell to the 2018-20 batch.

Sanjiv Mehta, chairman and managing director of Hindustan Unilever Ltd will grace the convocation ceremony as the chief guest and will deliver the convocation address.

On this significant day, XLRI will be virtually presenting graduating certificates to a total of 527 students, including – 182 & 180 students of Postgraduate Programmes in Management - BM, and HRM of 2018-2020 batch; 104 students of 15-months PGDM (General Management) Program; 13 students of Fellow Program in Management (FPM) and 48 students of 2017–2020 batch of PGDM-BM Programme (Evening). (W-pb)

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 13 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 1

State Govt teachers to get training from IIMs, XLRI

Schools to become Model Schools, focus on equality and quality education

PNS ■ RANCHI

Chief Minister Hemant Soren has made a concrete move towards providing quality education to the students of Jharkhand and converting Government schools into Model Schools. On the completion of one year of the Government, the CM announced that 27 district schools from across the State will be developed as Model School. All these schools will be affiliated to CBSE. Moving forward, Infrastructure development in 53 more schools will be done and these will also be affiliated to CBSE.

In the second phase 500 schools will be developed as a school of excellence under the 'Adarsh Vidyalaya Scheme'. In the third phase the State government plans to have Model schools in each panchayat.

The target is to benefit lakhs of children by further expanding the scheme in the coming future. It is resolved to make Adarsh Vidyalaya Scheme the flagship scheme for the State so that the government schools can be made at par with national and international standards in terms of accessibility, equality, and quality education.

Model Schools will cater to the students from pre-primary level to class 12th. There is a plan to admit one thousand to 1200 students to the proposed schools.

Admission into these schools will be on merit through tests. For admission into the initial classes, the government plans to give priority to the children living near the school area.

There is a plan to start a campaign, 'Aao Padhein Khoob Padhein', for motivating students to read the textbook and impart them with the ability to read books.

A teacher teaching student at a Government school near Ranchi File photo

In this regard, a targeted class of book reading will be conducted for children. Text Books, Story Books, Articles, etc will be used as reading material for students to practice pronunciation and improving reading ability.

Along with this, cooperation will be sought from different organizations working in the field of education, NCERT, NEIP, and other institutions to improve the English speaking ability of students.

A dedicated language lab will also be operated in these Model Schools to improve learning outcomes and it will also be used as a review mechanism tool.

With the help of premier institutes of the country such as IIM, XLRI, NCERT, NEIP, the principals and teachers deputed in Model Schools will be given focused training as per the National & International Standards.

Through this training, focus will be to develop the competence and leadership capacity of the principals and teachers who lead the school operations.

To ensure student-centered teaching subject-wise training will be provided to the teachers posted in the school on a timely basis for the development of the technical capacity of the subject and smart management of the classroom. NCERT and DIETs will be made effective for the training of teachers.

Besides, capacity development will be done through a continuous system of evaluation of teachers, improvement in the quality of schools through Rajya Shikshak Parivartan Dal (State Teacher Transformation Team), Motivation Camp, Educational orientation of teachers, and other-oriented programs.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 13 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई का 64वां दीक्षांत समारोह 20 को

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर होने जा रहे समारोह के मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान यूनिलीवर के एमडी संजीव मेहता होंगे

जमशेदपुर : देश के अग्रणी बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई जमशेदपुर का 64 वां सालाना दीक्षांत समारोह 20 फरवरी को आयोजित किया जाएगा. कोविड के चलते पहली बार यह समारोह वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर हो रहा है. यह समारोह 2018-20 बैच का है, जो पिछले साल मार्च माह में ही होने वाला था, लेकिन अंतिम समय में कोविड के चलते इसे स्थगित करना पड़ा था. आखिर में संस्थान ने वर्चुअल मोड में इस साल समारोह आयोजित करने का फैसला लिया है, क्योंकि अब 2019-21 बैच भी पास आउट होने वाला है.

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक संजीव मेहता मुख्य अतिथि होंगे. संस्थान निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि दीक्षांत समारोह हर स्टूडेन्ट्स की जर्नी का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है. कोविड को देखते हुए हमने 64 वें दीक्षांत समारोह को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित करने का फैसला लिया है.

हम इस दीक्षांत समारोह के लिए स्टूडेन्ट्स और उनके फैमिली का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

एक्सएलआरआई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन और टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि पिछले सात दशक से एक्सएलआरई जमशेदपुर वर्ल्ड क्लास एजुकेशन को मुहैया कराने का काम कर रहा है. संस्थान ने स्टूडेन्ट्स के ऑलराउंड डेवलेपमेंट के लिए मूल्य आधारित शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया है.

किस कोर्स के कितने स्टूडेन्ट्स

प्रोग्राम	स्टूडेन्ट्स की संख्या
पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (बीएम)	182
पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (एचआर)	180
पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (जेनरल मैनेजमेंट)	104
फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट	13
पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (इवनिंग)	48

527 स्टूडेन्ट्स को मिलेगी डिग्री

इस दीक्षांत समारोह में विभिन्न कोर्स के 527 स्टूडेन्ट्स की डिग्री अवार्ड की जाएगी. ये स्टूडेन्ट्स फ्लैगशिप दो वर्षीय पीडी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट के साथ ही 15 माह के जेनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम और फेलो प्रोग्राम के हैं.

PUBLICATION: The EconomicTimes
DATE: 14 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 6

HIRING IS FIRING UP

Vaccination rollout and a fall in Covid cases have added momentum to the white-collar job market that was already seeing a slow but steady uptick in recent months

:: Prachi Verma Dadhwal, Sreeradha D Basu and Samya Bhattacharya

We can safely say that we are at 80-90% of the pre-Covid job market," says Sandeep Gulati, managing director, ManpowerGroup India. As recently as December, companies hesitated to talk about hiring intent, which is now giving way to cautious yet concrete hiring plans in the coming months. So, what changed?

A decline in Covid cases as well as fatalities and the imminent vaccine roll-out for the masses have proven to be the foremost factors giving an impetus to the battered job market.

India started vaccinating its healthcare and frontline workers on January 16 and, according to the Ministry of Health and Family Welfare, 7.7 million have been already vaccinated. As on Friday, the country had about 10.9 million cases and 155,447 deaths, according to the ministry's website.

These numbers and a vaccination visibility for the general public have brought confidence back to the job market. In fact, the turnaround seems to be coming sooner than anticipated.

Rituparna Chakraborty, co-founder and executive vice-president of TeamLease Services, says, "There is a clear correlation between the news on vaccine roll-out and hiring pickup."

After the initial struggle to cope with the pandemic, companies had adopted a positive mindset and started working around Covid disruptions. They had factored in the related risks in their business approach. But over the past six to eight weeks, the vaccine rollout and declining caseloads have boosted sentiments significantly.

"The booming capital markets have elevated the mood and we are in positive territory, with the worst behind us," says K Sudarshan, managing director of executive search firm EMA Partners India. "The pent-up demand has kicked up, and businesses are bullish. This is certainly good news for hiring, which is usually sentiment driven."

"With the impetus on Make in India gaining momentum and the availability of vaccines, the demand for the right talent will gain pace during the next fiscal year"

Dilip Pattanayak, chief human resources officer, JSW Steel

The Crisis

The job market went into a tailspin in the first two quarters of the financial year ending 2021. Hiring hit the pause button, with layoffs and salary cuts abound across India Inc. However, the sharpest plunge in the job market took place in May to July, say leading job-market observers.

The pandemic had hit all the sectors during the complete lockdown. "It continued its damage even after successive rounds of relaxation of the lockdown," says KR Shyam Sundar, professor of human resource management at XLRI-Jamshedpur.

Some sectors such as construction, seasonal industries, organised retail, hospitality and tourism bore the brunt of the pandemic. "Much of the service sector has come out unscathed but the same cannot be said of plantations, mining, construction and manufacturing," says Sundar.

The Covid-driven crisis was unlike any companies and employees had seen. Most sectors had put a freeze on hiring for most of 2020. Employees across companies were simultaneously grappling with the fear of catching the virus, on the one hand, and of job loss, on the other.

Kamal Karanth, cofounder of Xpheno, says, "The Indian job market has manoeuvred global recessions and domestic downturns in the past. But the scale of the turbulence encountered in 2020 was unprecedented."

The Centre for Monitoring Indian Economy estimated the job loss among the salaried at 18.9 million in the April to July 2020 period. "All footfall-dependent businesses bore the brunt of the extended lockdown and reduced mobility of customers," says Karanth.

The Recovery

The past six months have seen a gradual recovery in the job market. Apart from the vaccination drive, the budget has also fuelled the positive sentiment in hiring. "With so many new initiatives being introduced, like labour laws and SOPs, the focus of this government is not only on adding new jobs but also improving quality of life," says Manpower's Gulati.

It is welcome news for a market that had seen jobs starting to vanish

PAY HIKE HOPES

An improved market is likely to translate into better increments, according to experts

India Inc to offer an average **6.4% increase in 2021 appraisals,** compared to 5.9% last year, says Willis Towers Watson study

On average, **20.6% of the salary increase budget is being allocated** to top performers, says Willis Towers Watson

At least **60% of employers intend to give salary increments** and **55% bonus payouts in 2021,** says Michael Page Talent Trends 2021

A Salary Trends survey by Aon in November projected that **87% of companies planned to hike salaries in 2021** as compared to 71% in 2020

ROAD TO RECOVERY

- Improved Covid situation, vaccine rollout, increasing consumer demand, booming capital markets charge up the job market
- Budget announcements expected to create more jobs, particularly in infrastructure, healthcare, insurance and manufacturing
- Hiring is rising; junior-level sees maximum rise, but demand up in mid and leadership levels as well
- Overall hiring momentum to pick up further in the second half of the year as more of India Inc gets back to offices
- Hard-hit sectors, including hospitality, travel and tourism, beginning to see an uptick in jobs as travel opens up

Please download the IndiaPRESS ePapers app from: http://epapers.indiapress.org/?src=epapers_group or https://play.google.com/store/apps/details?id=com.knsosolutions.indiapressepaper

PUBLICATION: The EconomicTimes
DATE: 14 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 7

"Enterprises are holding their horses to see the on-ground impact of the vaccination drive before revamping their hiring plans. For now, the hard-found alternative equilibrium will remain in play"

Kamal Karanth, cofounder, Xpheno

in the initial months of the pandemic.

The Indian job market is currently catering to a combination of pent-up talent demand and expansion of enterprises, led by the information technology industry. "The market is showing positive signs of recovery with almost all industries showing growth in hiring, but with caution," says Chakraborty of TeamLease.

The general optimism about the economic situation has led to a hiring spike, primarily for junior and entry-level jobs at large companies. "Vaccination drives are also helping revive severely impacted contact-intensive services sectors such as tourism, aviation and hospitality, which are showing signs of picking up," she adds.

Atmanirbhar Bharat and budget announcements are some government initiatives that are fuelling the rise of manufacturing and industrial sectors as strong growth engines. "These sectors will benefit greatly due to the China+1 policy (where companies are looking for an alternative destination to China) that the world is preparing itself for," says Lohit Bhatia, president of Quess Workforce Management.

After a decline in hiring in the first two quarters of FY21, the staffing firm saw a steady recovery in the net addition to employment – of nearly 10,000 associates in Q3 FY21 with an overall headcount of 333,000 associates.

Quess places the pandemic-hit job market in three distinct phases. The first was when all industries took a hit. In the second phase, sectors such as healthcare, essential-needs businesses like grocery started seeing a revival. "Phase 3 is about all sectors reviving with still some sluggishness in retail, hospitality and travel," says Bhatia.

Expectedly, the pace of hiring recovery varies across sectors, depending on how badly the sectors were hit during the pandemic. For instance, after April 2020, when the overall job market started slipping, some sectors like FMCG, ecommerce, telecom and healthcare showed more resilience than the rest. Most of these sectors are restoring jobs at a higher pace.

"Right now, hiring is all about restoring jobs lost in the pandemic," says Suresh Tripathi, who retired this month from Tata Steel as vice-president-HR. "New jobs are likely to be created only in the second half of this year, with the inflow of investments, as announced in the budget."

"Covid is behind us and the new normal is making its move at a faster pace. The decline in Covid cases and vaccination drive by GoI has overall boosted the sentiments of the economy – as also the recent budget"

Sandeep Gulati, managing director, ManpowerGroup India

OPTIMISTIC ABOUT JOBS

What various surveys say about the employment market

53%
Indian companies are looking to hire: Michael Page Talent Trends 2021 report (Jan 2021)

Indians most optimistic in APAC about job and pay rise prospects in 2021: Indeed global survey (end-Dec)

25%
companies showed hiring intent for junior level in Jan-March 2021, against 18% in the previous quarter; at mid-level, hiring intent improved to 24% in Q4 from 20% in Q3: TeamLease Employment Outlook survey (Jan 2021)

Cities like Bengaluru, Chennai and Hyderabad are leading the growth for IT job postings: Monster Employment Survey (Feb 2021)

New-age companies and startups registered 35% growth in headcount in 2020 despite the pandemic: Xpheno survey of 240 companies (Feb 2021)

Hiring activity recovers 14% in Dec against Nov; at a YoY level, hiring shows a decline of only 10% in Dec; Index registers lowest YoY decline in the post-Covid months: Naukri JobSpeak (Jan 2021)

HOT PROFILES

Data analysts, AI, ML experts: They were already in demand but the pandemic accelerated it

IT security managers and cloud services experts: With remote working in place, companies are strengthening the security backbone

Business development managers and sales: With the pandemic throwing up new challenges, companies are building a strong marketing team to gain more market share

Design and product developers: The pandemic amplified the demand for professionals in these categories

Financial analysts: With the rise of fintech companies, analysts with tech expertise are much in demand

Digital business developers and marketers: They are in demand across all sectors with a combination of digital and marketing skills

Source: Xpheno Business Outlook Survey, January

View From the C-Suite

Some experts point out that leadership-level hiring is already in motion. "Hiring is more pronounced at leadership levels. Organisations are still exercising caution to augment headcount at the mid-to-junior level," says Dilip Pattanayak, chief human resources officer of JSW Steel.

Managing Director of BTI Executive Search James Agrawal, says: "Things are looking much more hopeful. Our CXO mandates have more than doubled this quarter compared with the last one." He cites the example of a consumer goods company they have been working with for a while. Despite doing well during the pandemic, the company had been unwilling to spend money and were tight-lipped on new hiring. But there has been a perceptible change now. "In the last two weeks, we have got six leadership mandates from them, mostly in sales, marketing and brands. They are seeing the market opening up, consumer demand opening up further. They don't want to hold back anymore," says Agrawal.

The Early Movers

Throughout the pandemic, the technology sector has been doing well. It drove hiring when most companies had put in place a hiring freeze. With the pandemic accelerating companies' pace to digitise, technology hiring has stayed robust.

The demand for digital talent has gone up. In 2021, most leading IT companies, including services majors like TCS and Infosys, are showing more hiring confidence, as was evident in their results.

The IT sector has been steadily picking up from the second quarter of 2020, though the US and Europe faced multiple Covid waves. "As a result, tech development and IT activities are shifting to India," says Bhatia of Quess.

Rajesh Nambiar, chairman and managing director for India, Cognizant, says, "We anticipate a significant revenue acceleration in 2021 following our mid-teens bookings growth this year. Right now, we are 100% focused on recruiting talent."

With the government announcing work-from-home-friendly initiatives for the ITES sector, the BPO/ITES companies saw an uptick in hiring.

Tourism and travel, which was worst hit, has gradually picked up momentum on the back of domestic travel. "Even sectors like inland leisure travel have picked up significantly. We see corporates slowly kicking off their offline training programmes and offsites," says Sudarshan of EMA Partners India.

Retail and consumer companies are also likely to see recovery. "This should possibly be in Q4 FY21 and Q1 FY22 as the vaccination drive widens and Covid cases drop," says Bhatia.

Auto companies, which had shut down their operations during the lockdown, are also stepping up hiring.

Technology-enabled sectors like healthcare, education tech (edtech) and e-commerce are leading the hiring trajectory with an 20%-plus increase in demand over the last quarter, says Gulati.

According to a Xpheno survey of 240 startups, which employ about 115,000 people, the net workforce addition was about 30,000 despite the pandemic. Among the new-age companies, edtech has been the highest contributor to headcount growth in 2020, accounting for nearly 50%. Fintech came second.

What's Next

Sectors like aviation, hospitality, automotive, manufacturing, infrastructure and construction are slowly getting into the action mode, which is likely to have a net impact on other connected industries.

According to observers, the IT sector will lead hiring in the coming months. Fintech and edtech will moderate their growth curves after the sharp recovery they registered in the second half of 2020. "Sustaining the current trajectory of recovery, bolstered by a positive vaccination programme will make 2021 the 'catch-up year' for both enterprises and talent," says Karanth.

Xpheno estimates that nearly half a million jobs will be created due to the release of pent-up demand. The other thriving sectors to watch for in early 2021 are logistics & supply chain, oil & energy, pharma and media & OTT, adds Karanth. ■

prachi.verma@timesgroup.com

VACCINE MILESTONES

EARLY JAN 2021: Vaccines of Serum Institute of India and Bharat Biotech get approval for restricted use in the country

JAN 16, 2021: Prime Minister Narendra Modi launches India's Covid-19 vaccination drive

JAN 23: One mn vaccine doses administered across the country

LATE JAN: India decides to export 8.1 lakh doses of Covaxin to other nations as a goodwill gesture

AS OF NOW: Over 77 lakh inoculated in India so far

Please download the IndiaPRESS ePapers app from: http://epapers.indiapress.org/?src=epapers_group or https://play.google.com/store/apps/details?id=com.knsosolutions.indiapressepaper

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 14 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 4

XLRI to hold 64th annual convocation on virtual platform

PNS N JAMSHEDPUR

XLRI - Xavier School of Management is all set to hold its 64th Annual Convocation on February 20. The first-ever virtual convocation ceremony will be held to bid a final farewell to the 2018-20 batch.

Sanjiv Mehta, chairman and managing director of Hindustan Unilever Ltd, will grace the convocation ceremony as the chief guest and will deliver the convocation address.

On this significant day, XLRI will be virtually presenting graduating certificates to a total of 527 students, including – 182 & 180 students of Postgraduate Programmes in Management - BM, and HRM of 2018-2020 batch; 104 students of 15-months PGDM (General Management) Program; 13 students of Fellow Program in Management (FPM) and 48 students of 2017–2020 batch of PGDM-BM Programme (Evening).

Fr. P Christie S.J., director, XLRI, said, "Convocation is the most significant event in the academic journey for every student, as it is the culmination of all the efforts put in by an individual during their time at the XLRI campus. Considering the current Covid-19 pandemic, we have decided to shift the 64th Annual Convocation to the virtual medium. We look forward to welcoming students and their families to the Convocation to celebrate their academic achievements."

T. V. Narendran, chairman, board of governors at XLRI & MD - Tata Steel India and South East Asia said, "For over seven decades, XLRI has steadfastly held on to its mission of proffering world-class education across various management-centric programs. XLRI diligently strives to create a value-based and ethics-driven teaching and learning environment while underscoring the need for all-round development. This emphasis on inculcating important core-values is what sets XLRI apart from other B-schools in the country."

PUBLICATION: EiSamay
DATE: 15 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 11

চাকরির বাজার ফের চাঙা হচ্ছে দেশে, দাবি সমীক্ষায়

এই সময়: দেশে নতুন করে করোনা সংক্রমিতের সংখ্যা রোজই কমছে। শুরু হয়েছে টিকাকরণও। আর এই দুয়ের প্রভাবে ভারতের ভেঙে পড়া চাকরির বাজার ফের চাঙা হচ্ছে।

ভারতে ইতিমধ্যে প্রায় ৮২ লক্ষ মানুষকে টিকা দেওয়া হয়েছে। সেই সঙ্গে বেশ কিছু দিন হল নতুন করোনা সংক্রমিতের সংখ্যার থেকে বেশি সুস্থ হওয়া মানুষের সংখ্যা। ম্যানপাওয়ারগ্রুপ ইন্ডিয়া-র ম্যানেজিং ডিরেক্টর সন্দীপ গুলাটি 'দ্য ইকনমিক টাইমস'-কে বলেছেন, 'আমরা এখন প্রাক-করোনা চাকরি বাজারের ৮০-৯০ শতাংশ জায়গায় ফিরে গিয়েছি, এটা নিশ্চিত ভাবেই বলা যেতে পারে।' টিমলিজ সার্ভিসেস-এর সহ-প্রতিষ্ঠাতা ও এগজিকিউটিভ ভাইস-প্রেসিডেন্ট ঋতুপর্ণা চক্রবর্তীর কথায়, 'টিকাকরণ শুরু হওয়ার সঙ্গে নিয়োগ কর্মকাণ্ড বৃদ্ধির একটা স্পষ্ট সরাসরি যোগ রয়েছে।'

করোনা মহামারীর প্রাথমিক পর্বে সংস্থাগুলি বিরাট সঙ্কটে পড়ার পর তারা কোভিড জনিত নিয়ন্ত্রণ ও নিয়মের বেড়াজালের মধ্যে থেকেই ইতিবাচক দৃষ্টিভঙ্গি নিয়ে কর্মকাণ্ড চালাতে শুরু করেছিল। কিন্তু, গত দেড় থেকে দু'মাসে টিকাকরণ কর্মসূচি চালু হওয়া এবং সংক্রমিতের সংখ্যা কমায় মানসিকতার উল্লেখযোগ্য উন্নতি হয়েছে। ইএমএ পার্টনার্স ইন্ডিয়া-র ম্যানেজিং ডিরেক্টর কে সুদর্শন বলেন, 'শেয়ারবাজার বৃদ্ধির জন্য সার্বিক মানসিকতা ও মনোভাব আগের থেকে অনেক ভালো জায়গায় রয়েছে এবং সবথেকে খারাপটা আমরা পিছনে ফেলে এসেছি। থমকে থাকা চাহিদা বাড়ছে এবং ব্যবসার অবস্থাও তুলনায় অনেক বেশি শক্তিশালী। নয়া নিয়োগের জন্য এটা ভালো খবর।'

চলতি অর্থ বছরের প্রথম দুই ত্রৈমাসিকে ভারতের চাকরি বাজার সম্ভবত সবথেকে খারাপ অবস্থায় পৌঁছেছিল। এক দিকে নিয়োগ একেবারে স্তব্ধ এবং অন্য দিকে ছাঁটাই এবং বেতন হ্রাস। এপ্রিল থেকে সেপ্টেম্বর পর্যন্ত এটাই ছিল দেশের কর্পোরেট দুনিয়ার চাকরি-চিত্র। এক্সএলআরআই-জামশেদপুরের হিউম্যান রিসোর্স ম্যানেজমেন্টের অধ্যাপক কেআর শ্যাম সুন্দরের বক্তব্য, 'করোনা-লকডাউনে সমস্ত ক্ষেত্র বিপর্যস্ত হয়ে পড়েছিল। আনলক পর্ব শুরু হওয়ার পরেও ক্ষতি অব্যাহত থাকে। নির্মাণ, কলকারখানার উৎপাদন, পর্যটন ও আতিথেয়তা ক্ষেত্রের জন্য করোনা বিরাট অভিশাপ নিয়ে আসে।'

করোনার মতো সঙ্কট গত ১০০ বছর বিশ্বে আসেনি। তাই অধিকাংশ সংস্থা এবং কর্মীদের কাছে এই অভিজ্ঞতা প্রথম। গত বছরের অধিকাংশ সময়েই বেশির ভাগ ক্ষেত্রে নয়া নিয়োগ একেবারে বন্ধ ছিল। করোনা সংক্রমণ এবং চাকরি থেকে ছাঁটাই, এই দুয়ের আশঙ্কা গ্রাস করেছিল কর্মীদের। দ্য সেন্টার ফর মনিটরিং ইন্ডিয়ান ইকনমি-র হিসাবে, গত বছরের এপ্রিল থেকে জুলাই পর্যন্ত প্রায় ১ কোটি ৮৯ লক্ষ বেতনভুক কর্মী তাঁদের চাকরি হারিয়েছেন।

তবে গত ছ'মাসে চাকরির বাজার অনেকটাই পুনরুজ্জীবিত হয়েছে। টিকাকরণ কর্মসূচি ছাড়াও নিয়োগ ক্ষেত্রে নয়া অক্সিজেন জোগাচ্ছে বাজেট। গুলাটির ব্যাখ্যা, 'শ্রম আইন এবং স্ট্যান্ডার্ড অপারেটিং প্রসিডিওরের মতো একগুচ্ছ নয়া উদ্যোগ নিয়ে এসে সরকার বুঝিয়ে দিয়েছে তাদের অগ্রাধিকার নতুন কর্মসংস্থান সৃষ্টির সঙ্গে জীবনযাত্রার মান উন্নত করা।'

বর্তমানে তথ্যপ্রযুক্তি শিল্পের নেতৃত্বে ভারতের চাকরির বাজারে থমকে থাকা চাহিদা পূরণ শুরু হয়েছে। ঋতুপর্ণা বলেছেন, 'বাজারে পুনরুজ্জীবনের চিহ্ন স্পষ্ট। প্রায় সমস্ত শিল্প ক্ষেত্রে নিয়োগ বাড়ছে, তবে অবশ্যই সতর্কতার সঙ্গে।' আর্থিক পরিস্থিতি নিয়ে একটা সাধারণ আশাবাদী ধারণা তৈরি হওয়ায় বৃহৎ সংস্থাগুলিতে বিশেষ করে জুনিয়র ও এন্ট্রি-লেভেল চাকরিতে নিয়োগ অনেকটাই বৃদ্ধি পেয়েছে।

কোয়েস ওয়ার্কফোর্স ম্যানেজমেন্ট-এর প্রেসিডেন্ট লোহিত ভাটিয়ার বক্তব্য, 'আত্মনির্ভর ভারত এবং বাজেটে কিছু ঘোষণার ফলে কলকারখানার উৎপাদন আরও বাড়বে।' অন্য দিকে, বিশেষজ্ঞদের একটা অংশের বক্তব্য, করোনা মহামারীর জেরে যে চাকরি ছাঁটাই হয়েছিল, তার এখন পুনরুদ্ধার শুরু হয়েছে এবং একেবারে নতুন চাকরি সৃষ্টি হতে পারে জুলাই থেকে।

শুধু নয়া চাকরি সৃষ্টিই নয়, চলতি বছরে ভারতের কর্পোরেট ক্ষেত্র কর্মীদের গড়ে ৬.৪ শতাংশ বেতনও বাড়াতে পারে বলে উইলিস টাওয়ার্স ওয়াটসন সমীক্ষা জানিয়েছে। অন্য দিকে, অ্যাওন-এর এক সমীক্ষা অনুযায়ী, ৮৭ শতাংশ সংস্থাই ২০২১ সালে বেতন বৃদ্ধি করার পরিকল্পনা করেছে, যা গত বছর ছিল ৭১ শতাংশ।

PUBLICATION: Mint
DATE: 15 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 1,2

PRADEEP GAUR

EPFO blames mismatch in employees' KYC data at employers' end for delay and says its field offices are reaching out to the establishments.

KYC holds up EPF interest for 4 mn

Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
NEW DELHI

Interest payments to around 4 million people registered with the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) have not been credited though one-and-a-half months have elapsed since the government announced its decision to make the payments for 2019-20.

This is because of a KYC mismatch of employees at the employers' end, and the retirement fund manager's field offices are reaching out to these establishments, the authorities said. EPFO credits provident fund (PF) interests, organization-wise instead of individually, two government officials said seeking anonymity.

This has put the spotlight on EPFO, which has been in the news for the delay in interest payment for 2019-20 even before this KYC problem. In 2020, the fund manager delayed the sale of some of its equity investments to pay the announced 8.5% interest for 2019-20 as the stock market fell as a result of the imposition of the lockdown amid the pandemic. EPFO had said it would credit the 2019-20 interest by 31 December, and the labour ministry announced the credit in the last week of December.

"Yes, some 8-10% of EPF subscribers' interest payout for 2019-20 FY has not happened as yet. There was some mismatch in employee KYC details. EPFO credits interest (in batches) establishment-wise instead of on an individual subscriber basis," said one of the two officials cited above.

"If there is a mismatch

TURN TO PAGE 2

KYC holds up EPF interest

FROM PAGE 1

between employee details provided by employer and the one with EPFO even for a few employees, the payout is held up for the establishment. Initial estimate shows around 4 million subscribers are yet to get them," said a second official. However, the official was puzzled as to why the delay has happened "when every transaction is happening using technology".

EPFO has around 50 million active subscribers.

An email from *Mint* seeking a response from the labour ministry spokesperson on the exact number of such people and the reasons for such a delay remained unanswered. *Mint* also tried to reach out to the central PF commissioner (CPFC) over the phone but did not receive a response. In response to a WhatsApp message seeking a response and perspective on the issue, CPFC said he has asked the financial adviser of EPFO to respond, but *Mint* has not got a response.

The first official cited above said they are trying to make sure the development does not lead to any problem for subscribers during withdrawal. Also, they are working to make sure subscribers do not face much problem on account of compounding of interest as 2020-21 is about to end.

EPFO is relatively more efficient than other social security bodies, labour economist K.R. Shyam Sundar said. However, the holding up of interest payment for entire establishments because of KYC mismatch of a few staff, despite a strong IT backbone, puts a question mark on the system, he said.

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 16 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में 19 फरवरी को होगा टेडेक्स पद्मश्री दीपिका सहित कई सेलिब्रिटी होंगे शामिल

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई में 19 फरवरी को टेडेक्स 2021 का आयोजन होगा, जिसमें एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों के साथ अलग-अलग क्षेत्र के दिग्गज शामिल होंगे। पहली बार यह आयोजन वर्चुअल मोड पर होगा। इस बार इसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में पद्मश्री दीपिका कुमारी, पश्चिम बंगा एग्रो मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी धवल जैन, देश के युवा ब्लॉगर सराह हुसैन, 50 साल की उम्र में एवरेस्ट पर चढ़ने वाले आदित्य गुप्ता, टीवी अभिनेता अमित बहल, इन्फीडो के फाउंडर तन्मय जैन शामिल होंगे।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 16 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सएलआरआई में सम्मेलन 26 से

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई 26 फरवरी से तीन दिनों का प्रथम उद्यमिता शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा है। यह सम्मेलन 28 फरवरी तक चलेगा। तीन दिनों के इस कार्यक्रम के दौरान वैसे नए उद्यमियों को रू-ब-रू कराया जाएगा, जिसने बी स्कूलों से शिक्षा ग्रहण करते हुए अपना व्यवसाय खड़ा किया है और वे प्रगति पर हैं। इस आयोजन के तहत एक्सएलआरआई द्वारा तमाम युवा उद्यमियों को एक मिसाल बनाते हुए आमलोग कैसे परिस्थितियों का मुकाबला करें इसकी जानकारी दी जाएगी।

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 16 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

एक्सएलआरआइ में 19 फरवरी को होगा टेडेक्स

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में 19 फरवरी को टेडेक्स 2021 का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्र के दिग्गज शामिल होंगे. पहली बार यह आयोजन वर्चुअल मोड में होगा. इस बार इसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में पद्मश्री दीपिका कुमारी, पश्चिम बंगा एग्रो मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के एमडी धवल जैन, देश के युवा ब्लॉगर सराह हुसैन, 50 साल की उम्र में एवरेस्ट पर चढ़ने वाले आदित्य गुप्ता, टीवी अभिनेता अमित बहल, इन्फीडो के फाउंडर तन्मय जैन शामिल होंगे.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 16 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

TEDxXLRI on Feb 19, Deepika Kumari to address

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 15 : XLRI is all set to organise the 8th Edition of TEDxXLRI virtually on February 19 2020 from 6 pm to 9 pm. The theme for the same being 'Surviving the Storm', through which we seek to inspire inquisitive minds through stories of path makers who defied all odds and emerged victoriously.

"Our event is called TEDxXLRI, where x = independently organized TED event. At TEDxXLRI, we seek to uncover new ideas, provide the authentic and intelligent perspective of unexplored topics, challenge students to think about complex ideas, and to share the latest research in their local areas that spark conversations in our community. We aim to provide a platform for people that have big ideas or are doing remarkable work that would never be recognized in any other way," said an official.

The session will be addressed by Deepika Kumari, one of India's finest archers and a former world number one. At the Delhi Commonwealth games 2010, Deepika won two gold medals, one in the individual event and the other in the women's recurve event. She has been conferred with the Arjuna Award, India's second-

highest sporting award, in the year 2012 by President of India Pranab Mukherjee and the Padma Shri by the Government of India in 2016. The session will also see participation of Dhaval Jain- a 2014 batch Indian Administrative Service officer, Dhaval Jain is also an MBA from the Prestigious IIM Ahmedabad. Sarah Hussain, who runs food blogs by the name 'zingyzest' is one the youngest and most successful bloggers in India. She has over 380k followers on Instagram, where she strikes a balance between street food and fine dining. Aditya Gupta- an entrepreneur and ace mountaineer who successfully summited Mt Everest at the age of 50, Aditya Gupta is the owner of successful brands like Sharda Exports, India, The Rug Republic, and The Furniture Republic.

Amit Behl- Amit Behl is an Indian theatre, television and film actor who has worked in over almost 100 TV serials, broadcasted over a variety of channels spanning across the Hindi, English, Marathi, Punjabi and Urdu television industry. A senior joint secretary of CINTAA (Cine & TV artistes association) since 2015, he is also a member of the governing council of MESC (Media & Entertainment skill council).

Tanmay Jain- founder & CEO of Infeedo, Tanmaya is a young entrepreneur who has successfully helped enterprises adopt AI in HR to increase top talent retention, enhance employee experience and diagnose culture issues using predictive people analytics. (W-pb)

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 16 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Archer Deepika Kumari to address TEDxXLRI

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI is all set to organise the 8th Edition of TEDxXLRI virtually on February 19 2020 from 6 pm to 9 pm. The theme for the same being 'Surviving the Storm', through which we seek to inspire inquisitive minds through stories of path makers who defied all odds and emerged victoriously.

"Our event is called TEDxXLRI, where x = independently organized TED event. At TEDxXLRI, we seek to uncover new ideas, provide the authentic and intelligent perspective of unexplored topics, challenge students to think about complex ideas, and to share the latest research in their local areas that spark conversations in our community. We aim to provide a platform for people that have big ideas or are doing remarkable work that would never be recognized in any other way," said an official.

The session will be addressed by Deepika Kumari, one of India's finest archers and a former world number one.

At the Delhi Commonwealth games 2010, Deepika won two gold medals, one in the individual event and the other in the women's recurve event. She has been conferred with the Arjuna Award, India's second-highest sporting award, in the year 2012 by President of India Pranab Mukherjee and the Padma Shri by the Government of India in 2016.

The session will also see participation of Dhaval Jain- a 2014 batch Indian Administrative Service officer, Dhaval Jain is also an MBA from the Prestigious IIM Ahmedabad. Sarah Hussain, who runs food blogs by the name 'zingyzest' is one the youngest and most successful bloggers in India. She has over 380k followers on Instagram, where she strikes a balance between street food and fine dining.

Aditya Gupta- an entrepreneur and ace mountaineer who successfully summited Mt Everest at the age of 50, Aditya Gupta is the owner of successful brands like Sharda Exports, India, The Rug Republic, and The Furniture Republic.

Amit Behl- Amit Behl is an Indian theatre, television and film actor who has worked in over almost 100 TV serials, broadcasted over a variety of channels spanning across the Hindi, English, Marathi, Punjabi and Urdu television industry.

A senior joint secretary of CINTAA (Cine & TV artistes association) since 2015, he is also a member of the governing council of MESC (Media & Entertainment skill council).

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 16 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 13

Rating your school

The students of the XLRI-Xavier School of Management in Jamshedpur, Jharkhand, will be evaluating their institution on how it is solving societal and sustainable challenges, thereby assessing the impact of their school beyond the contribution to business and economy. The premier B-school is participating in Positive Impact Rating 2021 — PIR is a rating of B-schools done by students, for students to address the larger role of B-schools. This can actually trigger a reimagination of management education. Last year, XLRI was placed in the Progressing Schools category, rating it among the top 30 global business schools. This year, XLRI aims for the Transforming Schools category. The results will be announced at the World Economic Forum in Lucerne-Burgenstock, Switzerland, in May.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 16 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का टेडेक्स टॉक 19 को

देश की छह हस्तियां अपनी सक्सेस स्टोरी को करेंगी शेयर, आर्चर दीपिका कुमारी से लेकर फूड ब्लॉगर सारा हुसैन देंगी टॉक

दीपिका कुमारी

धवल जैन

सारा हुसैन

आदित्य गुप्ता

अमित बहल

तन्मय जैन

जमशेदपुर: वैश्विक स्तर पर थॉट प्रवोकिंग आइडियाज को प्रोत्साहित करने का मंच टेड (टेक्नोलॉजी, इन्टरटेन्मेंट एंड डिजाइन) का एक्सएलआरआई चैप्टर टेडेक्स आगामी 19 फरवरी को टेडेक्स टॉक का आयोजन करने जा रहा है. वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर होने जा रहे इस टॉक में अलग-अलग क्षेत्र की छह हस्तियां अपनी सक्सेस स्टोरी को शेयर करेंगी. एक्सएलआरआई के टेडेक्स टॉक का यह आठवां संस्करण है. इस साल का थीम है- द सर्वाइविंग द स्टॉर्म. इस साल छह विनर इसके टॉकर होंगे, जिन्होंने सभी बाधाओं को झेलते हुए विजयी हुए हैं. टॉक शाम 6 बजे से नौ बजे के बीच होगा.उल्लेखनीय है कि टेड एक नन प्रोफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो आइडियाज को फैलाने के लिए संकल्पित है. इसके एक टॉक 18 मिनट के करीब होते हैं. टेड की स्थापना 1984 में हुई थी. पहले केवल टेक्नोलॉजी, इंटरटेन्मेंट और डिजाइन टॉपिक पर टॉक होते थे, लेकिन अब सारे विषय पर इसके टॉक होते हैं. दुनिया भर में सौ से ज्यादा भाषाओं में यह टॉक हुए हैं.

1. दीपिका कुमारी- जमशेदपुर के टाटा तीरंदाजी अकादमी में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने के बाद दीपिका कुमारी भारत को सबसे बेहतरीन आर्चर बनी. वह पूर्व विश्व नंबर वन हैं. 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में दीपिका ने दो स्वर्ण पदक जीते. एक व्यक्तिगत स्पर्धा में और दूसरा महिला टीम को स्पर्धा में जीता. 2012 में भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें पदम श्री और 2016 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया. दीपिका एक सामान्य ऑटो ड्राइवर की बेटी है.

2. धवल जैन- 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी धवल जैन प्रतिष्ठित आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए हैं. वर्तमान में पश्चिम बंगाल एग्री मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं. उन्होंने पहले एक सहायक सचिव के रूप में खान मंत्रालय के साथ काम किया और देश में खनन गतिविधि की निगरानी बढ़ाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग करने की पहल को बढ़ावा दिया. उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और कौशल विकास जैसे विषयों के लिए जिम्मेदार के रूप में कार्य किया और कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व भी किया. अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (सामान्य) उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ आईएएस अधिकारी प्रशिक्षु होने के लिए राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया.

3. सारा हुसैन- एच जिंगजेस्ट नाम से फूड ब्लॉग चलाने वाली सारा हुसैन भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे सफल ब्लॉगर हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 3 लाख 80 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह स्ट्रीट फूड और बढ़िया डाइनिंग के बीच संतुलन बनाती हैं. उसने Veeba, Pepsi Co, Cadbury, Dominos, Easy Food और प्रमुख जीवन शैली और लक्जरी ब्रांड Maybelline New York, Hyatt, Westin, Taj Group, Meridian, Mercedes Benz, Ne&us Motos, और Oppo Phone जैसे खाद्य ब्रांडों के साथ सहयोग किया है.

4. आदित्य गुप्ता- एक उद्यमी और शौकिया पर्वतारोही है, जिन्होंने 50 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट की सफलतापूर्वक चढ़ाई की. गुप्ता शारदा एक्सपोर्ट्स, इंडिया, द रग रिपब्लिक और द फर्नीचर रिपब्लिक जैसे सफल ब्रांडों के मालिक हैं. आदित्य ने काफी कम उम्र से ट्रेकिंग की. आईआईटी रुड़की में अपने कॉलेज के दिनों में एक पर्वतारोहण क्लब में शामिल हो गए और तब से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. आदित्य का मानना है कि पर्वतारोहण के माध्यम से बहुत कुछ सीखने के साथ प्रेरणा मिलती है.

5. अमित बहल- अमित बहल एक भारतीय रंगमंच, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता हैं जिन्होंने लगभग 100 से अधिक टीवी धारावाहिकों में काम किया है. ये धारावाहिक हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, पंजाबी और उर्दू टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित होते हैं.

6. तन्मय जैन- इनफेडो के संस्थापक और सीईओ तन्मय एक युवा उद्यमी हैं जिन्होंने उद्यमों को एचआर में अपनाने में शीर्ष प्रतिभा प्रतिधारण को बढ़ाने, कर्मचारी अनुभव को बढ़ाने और भविष्य कहे जाने वाले लोगों के एनालिटिक्स का उपयोग करके संस्कृति के मुद्दों का निदान करने में मदद की है. उनकी कंपनी inFeedo ने उस बाजार में एक सगाई बॉट लॉन्च किया जो सौ से अधिक कर्मचारियों को जीई, प्यूमा, डोमिनोज जैसे सौ से अधिक उद्यमों से बात कर रहा है ताकि उनकी आवाज सुनी और मूल्यवान हो सके. उनकी कंपनी उन्हें फिडेलिटी, पीडब्ल्यूसी, जीई, श्नाइडर, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसे संगठनों में मानव संसाधन नेतृत्व को संबोधित करने वाले सबसे कम उम्र के वक्ता के रूप में भी जाना जाता है.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 17 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

दीपिका, अमित और सारा कामयाबी का राज बताएंगे

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के प्रिंसिपल फादर क्रिस्टी ने कहा कि कोरोना महामारी ने प्रबंधन शिक्षा की प्रक्रिया को और अधिक सार्थक बनाया है। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी से आठवां टेंडेक्स शुरू हो रहा है। इसमें जाने-माने दिग्गज शिरकत करेंगे। वे विद्यार्थियों को कामयाबी के टिप्स देंगे।

नये विचार सामने आने से विद्यार्थियों को नई दिशाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि छात्रों को जटिल विचारों के बारे में सोचने के लिए और अपने स्थानीय क्षेत्रों में नवीनतम शोध को साझा करने में बढ़ावा मिलेगा और एक-दूसरे की आपसी समझ भी बढ़ेगी।

ये प्रमुख लोग होंगे शामिलः उन्होंने बताया कि टेडेक्स में तीरंदाज दीपिका कुमारी, पश्चिम बंगा एग्री मार्केटिंग के आईएएस अधिकारी धवल जैन, टीवी सीरियल में काम करने वाले कलाकार अमित बहल, फुड ब्लॉक चलाने वाली सारा हुसैन, उद्यमी और पर्वतारोही आदित्य गुप्ता, उद्यमी और इनफिडो के सीईओ तन्मय जैन वर्चुअल तरीके से विचार रखेंगे।

527 को मिलेगा प्रमाणपत्र

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई 20 फरवरी 2021 को अपने 64वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में कुल 527 छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान करेगा। सभी का प्लेसमेंट हो चुका है।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 17 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

ई-सेल स्टार्टअप से नए उद्यमियों को मिल रहा बढ़ावा

हिन्दुस्तान
विशेष

जमशेदपुर | अनीस

एक्सएलआरआई

- किसी ने बनाया डॉकदिखाओ तो किसी ने वर्कर हब वेबसाइट
- रोजगार की दुनिया में नई सांसें फूंक रहा बी-मैनेजमेंट संस्थान

एसएलआरआई अपने ई-सेल के माध्यम से रोजगार के अवसर दे रही है। इसमें वैसे छात्रों को शामिल किया जा रहा है जो अपने उद्यमिता के क्षेत्र में कदम रख रखकर नयी दिशा विकसित कर रहे हैं। अपने सेल के माध्यम से नए उद्योग स्थापित करने वालों को एक मंच पर लाकर अनुभवों को साझा किया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को इसकी जानकारी दी जा रही है। इसमें कई स्टार्ट-अप ऐसे हैं जिससे रोजगार सृजित हो रहे हैं।

क्या है ई-सेल : यह एक्सएलआरआई के विद्यार्थियों की एक इकाई है। इसमें बी-स्कूल के प्रबंधकीय विद्यार्थियों को शामिल किया जाता है। उनके काम के बारे में जानकारी लेकर उसे दूसरों तक पहुंचाया जाता है। संस्थान परिसर में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है।

ऐसे सृजित होते हैं रोजगार : इसमें अधिकांश छात्र वेबसाईट, पोर्टल या उद्यमिता के क्षेत्र में ऐसे प्रतिष्ठानों को स्थापित करते हैं जिसमें सामान्य लोगों के लिए रोजगार की गुंजाइश होती है। उनके इस काम को वे सार्वजनिक कर

प्रबंधकीय छात्रों को एक मंच पर लाने की कोशिश

इसे आम लोगों तक पहुंचाते हैं जिससे लोग जुड़कर अपने अनुसार इसमें काम की तलाश कर लेते हैं।

मजदूरों-ठेकेदारों के लिए सेतु

आईआईएम कोलकाता द्वितीय वर्ष के छात्र संकल्प पहाड़े ने वर्कर हब नाम से अपना एक वेबसाईट बनाया है। इसमें मजदूरों और ठेकेदारों को एक मंच पर लाकर लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार हुए लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। इसके जरिए ही वे अपने स्टार्ट-अप उद्योग को गति दे रहे हैं। उनका कहना है कि कोरोना में जिस तरह से मजदूर पलायित हो रहे थे, उसमें काम देने और खोजने वाले के बीच उसने कड़ी का काम किया और उसमें यह बाजार बनाने का रास्ता खुला। इसमें छह से सात सौ तक मजदूर जरूरतमंदों को मिल जाते हैं। विकास शर्मा ने बनाया ऑडोफिक्स

> ई-सेल स्टार्टअप उद्यमियों के लिए एक मंच बनाया गया है। इसमें एक्सएलआरआई के हर सत्र के साथ एक टीम बनती है जो उनलोगों के अनुभव एकत्रित करती है, जिन्होंने शिक्षण के साथ ही अपना उद्योग स्थापित किया है।- नवनीत, मीडिया प्रभारी, ईसेल एक्सएलआरआई

एक्सएलआरआई के छात्र विकास शर्मा ने अपने स्टार्ट-अप में ऑडोफिक्स नामक वेबसाईट बनाया है जो डिजिटल बाजार है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक और अन्य उपकरणों को बचने वाले वाजिब लोगों को मंच दिया है और इसमें इन सामानों को खरीदने के साथ उनकी मरम्मत के लिए भी जगह बनायी गयी है। इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उपकरणों को ठीक करने वाले लोग जुड़े रहते हैं। विकास ने बताया कि लोगों के लिए एक सहूलियत बाजार बनाना मकसद है, जिसमें उपकरणों को ठीक करने वालों को भी रोजगार मिल सके।

डॉकदिखाओ को विकसित कर रहे हैं त्रिदिब : चकित्सा सेवा के लिए एक्सएलआरआई के छात्र त्रिदिब बनर्जी ने एक ऐसा वेबसाईट डॉकदिखाओ बनाया है, जिसमें चिकित्सकों के साथ डॉयग्नोसिस सेंटर के बारे में जानकारी, उसकी बुकिंग के साथ रेटिंग और साथ ही दवाओं के लिए भी रास्ता बनाया गया है। इसका फायदा वैसे मरीजों को मिलेगा, जिनके पास कोई मदद करने वाला नहीं है। इसमें दावाओं के कम दर पर मिलने के साथ ही अपनी जांच घर बैठे कराकर लोग साइट से अपनी रिपोर्ट भी ले सकेंगे।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 17 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 3

XLRI to hold TEDxXLRI on a virtual mode

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: XLRI, one of Indias premier B-Schools, is all set to hold the 8th edition of TEDxXLRI virtually on February 19.

In its 8th edition, TEDxXLRI 2021 looks forward to witnessing eminent speakers from different walks of life coming together on a single platform to uncover new ideas, provide an authentic and intelligent perspective of an unexplored topic and inspire inquisitive minds through stories of path makers who defied all odds and emerged victoriously.

The theme for this years TEDxXLRI is "Surviving the Storm".

Speaking on the theme, Fr. P Christie, director, XLRI-Xavier School of Management said, The pandemic has shown the need for making the process of management education more meaningful and purpose-oriented. We as a part of TEDxXLRI want to encourage people to uncover new ideas, provide the authentic and intelligent perspective of unexplored topics, challenge students to think about complex ideas and to share the latest research in their local areas that spark conversations in our community. We aim to provide a platform for people that have big ideas or are doing remarkable work that would never be recognized in any other way."

The list of eminent speakers for TEDxXLRI 2021 include Deepika Kumari--one of Indias finest archers, a former World Number One. She started her professional journey at the Tata Archery Academy in Jamshedpur. She won two gold medals at the Delhi Commonwealth Games 2010. Deepika has been conferred with the Arjuna Award, India's second-highest sporting award, in the year 2012 by the then President of India Pranab Mukherjee and the Padma Shri by Government of India in 2016.

Second, Dhaval Jain- a 2014 batch Indian Administrative Service officer, Dhaval Jain is also an MBA from the Prestigious IIM Ahmedabad.

Currently the managing director at Paschim Banga Agri Marketing Corporation Limitef, he has previously worked with the ministry of mines as an assistant secretary and tried to use space technology in enhancing monitoring of mining activity in the country.

He was awarded the President's Gold Medal for being the Best IAS Officer Trainee.

Amit Behl--who is an Indian theatre, television, and film actor who has worked in over almost 100 TV serials, broadcasted over a variety of channels spanning across the Hindi, English, Marathi, Punjabi, and Urdu television industry.

A senior joint secretary of CINTAA (Cine & TV artistes association) since 2015, Behl is also a member of the governing council of MESC (Media & Entertainment skill council). Sarah Hussain--who runs food blogs by the name zingyzest, is one the youngest and most successful blogger in India. She has over 380k followers on Instagram, where she strikes a balance between street food and fine dining.

She has collaborated with food brands like Veeba, Pepsi Co, Cadbury, Dominos, Easy Food and major lifestyle and luxury brands, Maybelline New York, Hyatt, Westin, Taj Group, Meridian, Mercedes Benz, Nexus Motos, and Oppo Phone, to name a few.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 18 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 5

मिलिए इन छह हस्तियों से, जिन्होंने बने बनाए रास्तों पर चलने की बजाय खुद के रास्ते तलाशे

■ एक्सएलआरआई जमशेदपुर का टेडेक्स टॉक कल

जमशेदपुर : वैश्विक स्तर पर थॉट प्रवोकिंग आइडियाज को प्रोत्साहित करने का मंच टेड (टेक्नोलॉजी, इन्टरटेन्मेंट एंड डिजाइन) का एक्सएलआरआई चैप्टर टेडेक्स आगामी 19 फरवरी को टेडेक्स टॉक का आयोजन करने जा रहा है. वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर होने जा रहे इस टॉक में अलग-अलग क्षेत्र की छह हस्तियां अपनी सक्सेस स्टोरी को शेयर करेंगी. एक्सएलआरआई के टेडेक्स टॉक का यह आठवां संस्करण है. इस साल का थीम है- द सर्वाइविंग द स्टॉर्म. इस साल छह विनर इसके टॉकर होंगे, जिन्होंने सभी बाधाओं को झेलते हुए विजयी हुए हैं. टॉक शाम 6 बजे से नौ बजे के बीच होगा. उल्लेखनीय है कि टेड एक नन प्रोफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो आइडियाज को फैलाने के लिए संकल्पित है. इसके एक टॉक 18 मिनट के करीब होते हैं. टेड की स्थापना 1984 में हुई थी. पहले केवल टेक्नोलॉजी, इंटरटेन्मेंट और डिजाइन टॉपिक पर टॉक होते थे, लेकिन अब सारे विषय पर इसके टॉक होते हैं. दुनिया भर में सौ से ज्यादा भाषाओं में यह टॉक हुए हैं.

● **दीपिका कुमारी** : जमशेदपुर के टाटा तीरंदाजी अकादमी में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने के बाद दीपिका कुमारी भारत की सबसे बेहतरीन आर्चर बनी. वह पूर्व विश्व नंबर वन हैं. 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में दीपिका ने दो स्वर्ण पदक जीते. एक व्यक्तिगत स्पर्धा में और दूसरा महिला टीम की स्पर्धा में जीता. 2012 में भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें पदम श्री और 2016 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया. दीपिका एक सामान्य ऑटो ड्राइवर की बेटी है.

● **धवल जैन**: 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी धवल जैन प्रतिष्ठित आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए हैं. वर्तमान में पश्चिम बंगाल एग्री मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं. उन्होंने पहले एक सहायक सचिव के रूप में खान मंत्रालय के साथ काम किया और देश में खनन गतिविधि की निगरानी बढ़ाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग करने की पहल को ब?ावा दिया. उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और कौशल विकास जैसे विषयों के लिए जिम्मेदार के रूप में कार्य किया और कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व भी किया. अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (सामान्य) उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ आईएएस अधिकारी प्रशिक्षु होने के लिए राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया.

● **सारा हुसैन**: एच जिंगजेस्ट नाम से फूड ब्लॉग चलाने वाली सारा हुसैन भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे सफल ब्लॉगर हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 3 लाख 80 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह स्ट्रीट फूड और बढ़िया डाइनिंग के बीच संतुलन बनाती हैं. उसने Veeba, Pepsi Co, Cadbury, Dominos, Easy Food और प्रमुख जीवन शैली और लक्जरी ब्रांड Maybelline New York, Hyatt, Westin, Taj Group, Meridian, Mercedes Benz, Ne&us Motos, और Oppo Phone जैसे खाद्य ब्रांडों के साथ सहयोग किया है.

● **आदित्य गुप्ता**: एक उद्यमी और शौकिया पर्वतारोही है, जिन्होंने 50 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट की सफलतापूर्वक चढ़ाई की. गुप्ता शारदा एक्सपोर्ट्स, इंडिया, द रग रिपब्लिक और द फर्नीचर रिपब्लिक जैसे सफल ब्रांडों के मालिक हैं. आदित्य ने काफी कम उम्र से ट्रेकिंग की. आईआईटी रुड़की में अपने कॉलेज के दिनों में एक पर्वतारोहण क्लब में शामिल हो गए और तब से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. आदित्य का मानना है कि पर्वतारोहण के माध्यम से बहुत कुछ सीखने के साथ प्रेरणा मिलती है.

● **अमित बहल**: अमित बहल एक भारतीय रंगमंच, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता हैं जिन्होंने लगभग 100 से अधिक टीवी धारावाहिकों में काम किया है. ये धारावाहिक हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, पंजाबी और उर्दू टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित होते हैं.

● **तन्मय जैन**: इनफेडो के संस्थापक और सीईओ तन्मय एक युवा उद्यमी हैं जिन्होंने उद्यमों को एचआर में अपनाने में शीर्ष प्रतिभा प्रतिधारण को बढ़ाने, कर्मचारी अनुभव को बढ़ाने और भविष्य कहे जाने वाले लोगों के एनालिटिक्स का उपयोग करके संस्कृति के मुद्दों का निदान करने में मदद की है. उनकी कंपनी द्वञ्च्रद्दद्रस्रभ ने उस बाजार में एक सगाई बॉट लॉन्च किया जो सौ से अधिक कर्मचारियों को जीई, प्यूमा, डोमिनोज जैसे सौ से अधिक उद्यमों से बात कर रहा है ताकि उनकी आवाज सुनी और मूल्यवान हो सके. उनकी कंपनी उन्हें फिडेलिटी, पीडब्ल्यूसी, जीई, श्नाइडर, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसे संगठनों में मानव संसाधन नेतृत्व को संबोधित करने वाले सबसे कम उम्र के वक्ता के रूप में भी जाना जाता है.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 19 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआई का टेडेक्स आज

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई में शुक्रवार को टेडेक्स का आयोजन होगा। यह आयोजन भारतीयों की विषम परिस्थितियों में संघर्ष और उनके शिखर पर पहुंचने की गाथा का वर्णन है। टेडेक्स का यह आठवां सत्र है।

इसमें वैसे लोग देश के लगभग 800 लोगों को संबोधित करेंगे, जो यह जानना चाहते हैं कि किस तरह से जमीन का शख्स शिखर तक अपने जज्बों की बदौलत पहुंचता है। इसबार इसका थीम सर्विंग दि स्ट्रॉम दिया गया है। कार्यक्रम जूम एप पर शाम छह बजे से शुरू होगा।

PUBLICATION: Morning India
DATE: 19 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI to hold 10th National HR Conference

XLRI Campus in Jamshedpur. File pic

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: XLRI is gearing up to host the 10th National HR conference.

The two-day conference will be organised in a virtual mode on February 20 and 21.

To celebrate the Students Association for Promotion of Personnel Management, Human Resources, and Industrial Relations (SAPPHIRE), XLRI organises this annual flagship event. This year it will be the 10th edition of the HR Conference.

The objective is to provide a platform for corporate leaders from various industries, academicians and legal practitioners to discuss and debate on the various challenges in India's changing HR landscape, on the lines of this year's theme: Driving Agility in the Evolving Post-Covid World.

The discussions will be on how the post-Covid times are seen to its internal and external stakeholders.

There will be a special address by Professor Wayne Brockbank from Ross Business School, Michigan on the topic The Way Forward For The Industries In the Aftermath of Covid-19 on February 20 between 6.30 pm and 7.30 pm.

The two panel discussions planned as a part of the two-day event are on Rethinking Employer Branding & Employee Experience in Dispersed Workplace and People Analytics: The Power of Digital in Driving Organisational Competitiveness.

The deliberations in two-panel discussions will be done by industry pundits like R. P. Srivastava, Director (Personnel & IR) Coal India; Ira Gupa, Head HR, Microsoft India; Rohit Thakur, CHRO, Paytm; Prakash Singh, Chief-Capability Development, Tata Steel; Amit Vaish, director-HR, Barclays; Daisy Chittilapilly, managing director , Cisco; Lakshmi C, HR Lead, Accenture India; Krish Shankar, Group Head HR, Infosys; Prriti Narain, Market HR Leader, Google India; Krishna B, Chief People Officer, Flipkart; Anuranjita Kumar, Founder & CEO, WIT-ACE.

On the first day the panel discussion will be followed by a workshop by Sidharath Tuli, founder and CEO of People Sculptors.

On the second day there will be a guest address by Anuradha Razdan, Executive Director-HR, Hindustan Unilever Limited.

This will be followed by a workshop by Avijit Shastri, HR Analytics: The Growing Importance of HR Metrics in a Post-Covid Scenario.

The grand finale of the annual HR quizzing league of SAPPHIRE- Battle HR Royale and a three-legged event- HR Triathlon will be some of the special attraction for the students.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 19 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

XLRI's National HR Conference from Feb 20

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 18 : XLRI's (Xavier School of Management) Students Association for Promotion of Personnel Management, Human Resources, and Industrial Relations (SAPPHIRE) is all set to hold its annual flagship event, the 10th National HR Conference, virtually on February 20 and 21 2021.

The idea is to provide a platform for corporate leaders from various industries, academicians and legal practitioners to discuss and debate on the various challenges in India's changing HR landscape, on the lines of this year's theme: Driving Agility in the Evolving Post-Covid World.

There will be a special address by Professor Wayne Brockbank from Ross Business School, Michigan on the topic 'The Way Forward for the Industries in the Aftermath of COVID-19' on February 20, between 6:30 PM and 7:30 PM.

The two panel discussions planned as a part of the two-day event are on "Rethinking Employer Branding & Employee Experience in Dispersed Workplace" and "People Analytics: The Power of

Digital in Driving Organisational Competitiveness".

The deliberations in two-panel discussions will be done by industry pundits like R. P. Srivastava, Director (Personnel & IR) Coal India; . Ira Gupa, Head HR, Microsoft India; Rohit Thakur, CHRO, Paytm; Prakash Singh, Chief- Capability Development, Tata Steel; Amit Vaish, Director-HR, Barclays; Daisy Chittilapilly, Managing Director of DTO, Cisco India in panel 1 and . Lakshmi C, MD, HR Lead, Accenture India; Krish Shankar, Group Head HR, Infosys; . Prriti Narain, Market HR Leader, Google India; Krishna R, Chief People Officer, Flipkart; . Anuranjita Kumar, Founder & CEO, WIT-ACE in panel 2. The panel discussion will be followed by a workshop by Sidharath Tuli, "Employer Branding- The Making of a Preferable Employer" and On Day-2 Guest Address by . Anuradha Razdan, Executive Director-HR, HUL will be followed by a workshop by Avijit Shastri, HR Analytics: The Growing Importance of HR Metrics in a Post-Covid Scenario. The grand finale of the annual HR quizzing league of SAPPHIRE-Battle HR Royale and a three-legged event- HR Triathlon is a special attraction for the students. (W-pb)

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 27 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

कार्यक्रम... एक्सएलआरआई में ऑनलाइन इंटरप्रेन्योरशिप समिट 2021 की शुरुआत

कोई इंटरप्रेन्योर शुरू करने के लिए लोगों का विश्वास जीता जाएः प्रणव

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई में इंटरप्रेन्योशिप समिट 2021 की शुरुआत शुक्रवार को हुई। वर्चुअल मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में आईडी फ्रेश फूड के चीफ बिजनेस प्रणव कुमार ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी इंटरप्रेन्योर को शुरू करने के लिए ये आवश्यक है कि लोगों का विश्वास जीता जाए। किसी कंपनी के प्रति लोगों का विश्वास ही उसकी वैल्यू को बढ़ाती है। साथ ही अगर आप अपने उद्यम के जरिए लोगों की समस्या का समाधान कर देते हैं तो आपका उद्यम कभी फेल नहीं होगा। क्योंकि किसी भी स्टार्ट अप के फेल होने का मुख्य कारण है उसे शुरू करने से पूर्व सही प्रकार से होमवर्क नहीं करना। इस दौरान उन्होंने बताया कि यूनिट आइडिया इंटरप्रेन्योरशिप की यूएसपी होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप हमेशा इनोवेटिव सोचें।

रविवार को होगा समिट का समापन

कोरोना में रेड जोन वाले इलाके के लोगों के पास खाने को कुछ नहीं थे तो उस दौर में फ्रेश फूड शुरू हुआ। अब करीब 9000 फ्लैट में रेडी टू फूड की आपूर्ति की जा रही है। इस दौरान इन्वेंटो रोबोटिक्स के सीईओ बालाजी विश्वनाथन ने भी अपनी बातों को रखा। रविवार को इसका समापन होगा।

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 19 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 9

Know the determinants of growth rate?

Growth rate is an important input in the processes of valuing a stock

YOUR MONEY

N SIVASANKARAN

INVESTMENT ADVISORS OFTEN suggest investing in a particular company because its growth rate is sound. However, many investors are unsure about making inferences on growth rate.

Growth rate

Growth rate of a variable is computed by dividing current period number by the previous period number and subtracting 1 from the output. If it is multiplied by 100, then we get growth rate in per cent. This is known as simple growth rate. Compounded growth rate is computed by subtracting 1 from the output obtained by (current period figure/figure for period of comparison) power of 1/n. Here "n" is the difference between the current period and the compared period. For instance, it is 5 if we compute the compounded growth rate in revenue for the calendar year 2020 in comparison to the calendar year 2015.

Variables for growth rate computation

Growth rate is computed on variables such as revenue, cost of goods sold, selling general and administration expenses (SGA), gross profit, Ebitda, operating income, profit before tax, net income, earnings per share, current assets, non-current assets, current liabilities, long term liabilities, shareholders funds, operating cash flow, investing cash flow and financing cash flow, etc.

Growth rate for equity investors

Equity investors' fortune is affected by the growth rate in earnings per share (EPS) of their firms. Hence, growth rate in operating income or Ebitda or any other variables are not directly used in the valuation of equity claims. Further, value of a stock is the present value of expected cash flows of the firm in its future. Hence, the growth rate one needs to look at is not the historical actual growth rate but the expected future growth rate. After all, investors are investing their hard-earned funds for future returns. We normally consider growth rate in basic EPS as the quantum of dilution differs on a periodic basis.

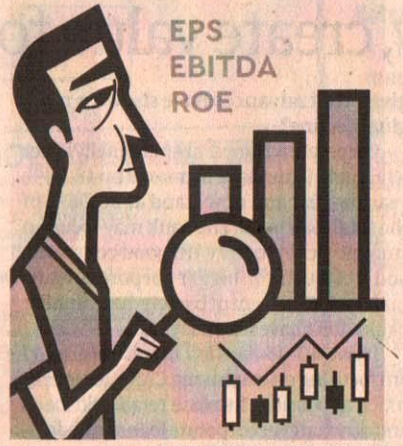

ILLUSTRATION: SHYAM KUMAR PRASAD

Determinants of EPS growth rate

The fundamental growth rate in EPS is the output obtained by multiplying the return on equity (ROE) with the retention rate. Retention rate is computed by subtracting dividend payout from one. For instance, let us assume a firm having dividend payout of 60% and ROE of 15% in its calendar year 2020. And the firm is expected to have the same DPR and ROE figures in its future. Then, the fundamental growth rate for SADL is 6% which is computed as 15% (1-0.60). This firm can increase its growth rate in earnings for equity investors either by improving its ROE or by increasing its retention rate or by doing both.

Analysts estimate of growth rate

If SADL is followed by analysts, then we can arrive at the average expected growth rate by the analysts. This is called analysts consensus growth rate in EPS for the firm. Growth rate is an important input in the processes of valuing a stock. Hence, investors need to know the meaning, variants, and the determinants of growth rate to maximise their returns.

The writer is an associate professor of finance, XLRI School of Management, Jamshedpur

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 19 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

एक्सएलआरआई का दसवां नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस कल से

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई जमशेदपुर का दसवां राष्ट्रीय मानव संसाधन सम्मेलन आगामी 20-21 फरवरी को आयोजित होगा. संस्थान की कमेटी स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन फॉर प्रोमोशन ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्सेस एंड इंडस्ट्रियल रिलेशन्स (सफायर) की ओर से वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर होने जा रहे इस आयोजन में देश भर के मानव संसाधन के विशेषज्ञ शिरकत करेंगे.

- दो दिन के इस सेमिनार में देश-दुनिया के विशेषज्ञ भाग लेंगे

इस सम्मेलन के आयोजन का मकसद विभिन्न उद्योगों, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और कारपोरेट अधिकारियों को एक मंच पर लाना है. इस सम्मेलन का थीम है-कोरोना के बाद ड्राइविंग एजिलिटी. ये विशेषज्ञ पोस्ट कोविड काल में संगठनों की गतिशीलता पर चर्चा करेंगे. इस सम्मेलन में कोरोना के बाद मैनपावर की उभरी स्थितियों के बारे में गहन चर्चा होगी. रॉस बिजनेस स्कूल मिशिगन के प्रोफेसर वेन ब्रॉकबैंक द्वारा 20 फरवरी को शाम साढ़े छह बजे से साढ़े सात बजे के बीच कोविड के बाद उद्योग के लिए आगे का रास्ता विषय पर एक विशेष संबोधन होगा.

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में योजनाबद्ध 'रिस्ट्रिंचिंग एंप्लॉयर ब्रांडिंग एंड एम्प्लॉई एक्सपीरियंस इन डिस्पेंस्ड वर्कप्लेस' और 'पीपल एनालिटिक्स: द पावर ऑफ डिजिटल इन ड्राइविंग ऑर्गनाइजेशन कॉम्पिटिटिवनेस' पर अलग-अलग सत्र और परिचर्चा होगी. दो पैनल डिस्कशन होंगे, जिसमें आरपी श्रीवास्तव, निदेशक (कार्मिक और आईआर) कोल इंडिया, इरा गुप्ता, हेड एचआर, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, रोहित ठाकुर, सीएचआरओ, पेटीएम, प्रकाश सिंह, मुख्य क्षमता विकास, टाटा स्टील, अमित वैश्य, निदेशक एचआर, बार्कलेज, डेज़ी चिट्टिलापिल्ली, डीटीओ के प्रबंध निदेशक, सिस्को इंडिया, लक्ष्मी सी, एचआर लीड, एक्सेंचर इंडिया, कृष्ण शंकर, ग्रुप हेड एचआर, इन्फोसिस, प्रीति नारायण, मार्केट एचआर लीडर, गूगल इंडिया, कृष्णा आर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फ्लिपकार्ट, अनुरंजिता कुमार, संस्थापक और सीईओ, विट एस भाग लेंगे. दूसरे दिन सिद्धार्थ तुली द्वारा 'एंप्लॉयर ब्रांडिंग- द मेकिंग ऑफ ए प्रेफ़रेबल एम्प्लॉयर' द्वारा एक कार्यशाला के बाद पैनल चर्चा की जाएगी और अनुराधा राजदान, कार्यकारी निदेशक-एचआर, एचयूएल, अविजीत शास्त्री भाग लेंगे. वे कोविड के बाद एचआर मेट्रिक्स के बढ़ते महत्व के बारे में बताएंगे.

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 20 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

खाने के लिए न हो लड़ाई, इसीलिए 13 वर्ष की उम्र में छोड़ा घर

एक्सएलआरआइ के टेडेक्स कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए रो पड़ीं अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज पद्श्री दीपिका

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : गरीबी हिम्मत भी देती है, लाचार भी बनाती है। हमारे पास भी पैसे नहीं थे। बस सपने देखते थे, आज भी देखती हूं। घर में खाने के लिए पैसे न होने के कारण लड़ाई होती थी। इस कारण 13 साल की उम्र में घर छोड़ दिया। यह बातें एक्सएलआरआइ द्वारा आनलाइन आयोजित टेडेक्स कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज पद्मश्री दीपिका ने कहीं। इस दौरान उनकी आंखें भर आईं।

अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका • जागरण

उन्होंने कहा कि सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकली। माता-पिता को लोग कहते थे घर से बाहर मत भेजो। किसी लड़के के साथ भाग जाएगी। आज जब घर पहुंचती हूं तो माता-पिता से लोग पूछते है कि बताया नहीं कि आपकी बेटी आई है। अपने संघर्ष की दास्तां बताते हुए दीपिका ने कहा कि 13 साल की उम्र घर छोड़कर सरायकेला आर्चरी एकेडमी जा पहुंची। चूंकि खाने और रहने की व्यवस्था थी, इस कारण कोई परेशानी नहीं हुई। तेरह साल की उम्र होने के कारण घर में कुछ आर्थिक रूप से सहयोग नहीं कर पा रही थी। यहां पहुंचकर परिवार का थोड़ा-सा खर्चा होगा, यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात थी। यहां से तीरंदाजी का गुर सीखा। फिर उम्मीदें का सवेरा आया। वर्ष 2008 में टाटा आर्चरी एकेडमी में सलेक्शन हुआ। नई चीजों और हालात को ग्रहण किया।

दीपिका ने छात्रों से कहा कि मुश्किलों से भागना नहीं चाहिए। हालात का डट कर सामना करेंगे तो कोई तूफान मंजिल पाने से नहीं रोक सकती। कंफोर्ट जोन से बाहर निकलने पर आपको नई मंजिल सामने दिखाई पड़ेगी। बस उसे लपकना होगा। उन्होंने कहा कि जब वर्ल्ड चैंपियन बनकर लौटी थी, बहुत खुश थी। तब कोच ने कहा कि यह अब भूत हो गया, आने वाले इवेंट के बारे में सोचो। उस समय मुझे बहुत खराब लगा कि खुशी भी मनाने नहीं दिया, लेकिन बाद में इसका अर्थ समझ में आया। आप किसी भी क्षेत्र में रहिए आत्मविश्वास आपका डगमगाना नहीं चाहिए।

एक्सएलआरआइ में आनलाइन आयोजित कार्यक्रम टेडेक्स में शामिल वक्ता • जागरण

युवा सेलेब्रिटी ने विद्यार्थियों के साथ बांटा अनुभव और बढ़ाया उत्साह

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ की ओर से टेडेक्स एक्सएलआरआइ का वर्चुअल आयोजन शुक्रवार को किया गया। पिछले आठ वर्षों से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें भारत में ही नहीं विदेश में भी प्रसिद्धि पाने वाले युवा छात्रों को युवा सेलेब्रिटी ही संबोधित करते हैं। कार्यक्रम का विषय कोरोना के बाद के तूफान से बचे निर्धारित किया गया था। कार्यक्रम में युवा सेलेब्रिटी ने अपने अनुभव को भी छात्रों के बीच साझा किया। कार्यक्रम में तीरंदाज दीपिका कुमारी, अभिनेता अमित बहल, कम उम्र में प्रसिद्धि पाने वाली ब्लॉगर सराह हुसैन, आइएएस धवल जैन, पर्वतारोही सह व्यवसाई आदित्य गुप्ता, इनफेडो के सीईओ तन्मय जैन निर्धारित विषय पर अपनी बात रखी। अतिथियों का स्वागत एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर पी क्रिस्टो ने किया।

हमेशा नीचे से ऊपर उठें : आदित्य गुप्ता

पर्वतारोही सह व्यवसाई आदित्य गुप्ता ने कहा कि हमेशा नीचे से उपर जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने एवरेस्ट चढ़ने का उदाहरण दिया। यहां भी कई तूफान आते हैं। उन्होंने भी 45 दिन तक संघर्ष किया। व्यवसाय के साथ सफल पर्वतारोपण प्लानिंग से संभव होता है। चैलेंज को स्वीकार करना चाहिए। चैलेंज के लिए प्लानिंग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कौन जानता है आप कितने दिन जिंदा रहेंगे। जब तक रहेंगे उसके लिए जिए। डर को निकालना जरूरी है।

सामान्य सी बात दिला सकती है प्रसिद्धि : सराह

प्रसिद्ध ब्लॉगर्स सराह हुसैन ने एक्सएलआरआइ के कार्यक्रम में कहा कि सामान्य सी बात भी आपको प्रसिद्धि दिला सकती है। यह आपको अपना प्रोफेशन चुनने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि वह जब 18 वर्ष की थी तो उसे मालूम नहीं था वह क्या करेगी। परिजनों ने सरकारी नौकरी करने की नसीहत दी, लेकिन मेरा मन कुछ नया करने का था। इस कारण अपने दोस्त सौरभ से संपर्क कर ब्लॉग लिखना प्रारंभ किया। बस भारतीय खानों को चखकर, उसे बनाने की विधि और लोगों के कमेंट को लेकर ब्लॉग लिखना प्रारंभ किया। इस कारण उन्हें प्रसिद्धि भी मिली। कोई इस ओर सोच ही नहीं रहा था। सोशल मीडिया भी आपको प्लेटफार्म उपलब्ध कराती है बस आपको हार्ड वर्क करने की आदत होनी चाहिए।

ब्लॉगर सराह हुसैन • जागरण

कोविड ने मीडिया एंड इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किया एकजुट : अमित बहल

फिल्म अभिनेता सह सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी अमित बहल ने कहा कि कोविड-19 ने पूरी मीडिया एंड इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को एकजुट किया। वैसे भी यह इंडस्ट्री राजनीतिक, सामाजिक सहित सात तरह के तूफानों से झेलते हुए खड़ी हुई है। इसमें हमेशा इफस एंड बट्स रहते हैं। हम इसका समाधान भी करते है। यही हमारा काम है। इससे भागते भी नहीं है। यह इंडस्ट्री बहुत ही अनस्ट्रक्चर है। कोविड-19 मे सबसे बुरा हाल सिनेमा इंडस्ट्री में सहयोगी कलाकारों एवं इससे जुड़े छोटे-छोटे कर्मचारियों का था। हमें खुशी है हम इन्हें कम से 15-20 हजार रुपये मासिक दे पाए। इसमें कॉरपारेट घराने तथा कई कंपनियों ने सहयोग भी किया। उन्होंने कहा कि जितना लर्निंग आवश्यक है, उतना ही अनलर्निंग भी। नकारात्मक चीजों को न सीखें बल्कि सकारात्मक चीजों को सीखें। इंडस्ट्री में नई-नई तकनीकों का प्रयोग आवश्यक है। नए-नए प्रयोग से लोगों को नई जानकारी मिलती है। हमें लगातार प्रयास करते रहना चाहिए।

अमित बहल • जागरण

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 20 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

एक्सएलआरआई के आठवें टेडेक्स को तीरंदाज दीपिका, अभिनेता अमित बहल समेत कई हस्तियों ने किया संबोधित

गरीबी लाचार भी बना सकती है और हिम्मत भी दे सकती है

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

राष्ट्रीय तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा कि गरीबी हमें लाचार भी बना सकती है और हिम्मत भी दे सकती है। सरायकेला आर्चरी अकादमी जाने का मकसद था फ्री में रहना और खाना मिलना। लेकिन वहां जाने पर पता चला कि जिस मंजिल को मैंने चुना था उसने मुझे भी चुना था। ये बातें दीपिका ने एक्सएलआरआई के आठवें टेडेक्स व्याख्यान में कहीं। यह वर्चुअल कार्यक्रम में कई लोगों ने हिस्सा लिया और आठ सौ ने इसे देखा। एक्सएलआरआई के प्रिंसिपल फादर क्रिस्टी ने स्वागत किया।

दीपिका कुमारी

सारा हुसैन

धवल जैन

आदित्य गुप्ता

अमित बहल

कोविड ने अदनों का महत्व को बताया: धवल जैन- आईएएस अधिकारी धवल जैन ने कहा कि कोविड में जिनके पास पैसा था, वे घर में बैठे थे। जिनके पास पैसा नहीं था, उनकी अहमियत पता चली। अदनों को भी महत्व बताया।

वेब स्ट्रीमिंग ने कंटेंट का महत्व बताया: अमित बहल - अभिनेता अमित बहल ने कहा कि बॉलीवुड के लिए वेब स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म चुनौती नहीं, बल्कि एक सबक है। कोविड में फ्रंट लाइन वर्कर चौबीस घंटे बाहर थे। मीडिया और इंटरटेंमेंट ने इतना बड़ा तूफान देखा था। सुशांत और मीटू मुद्दे से यह समस्या एक साथ आई।

उपहास उड़ाने वालों को नजरअंदाज करें : सारा हुसैन- फूड ब्लॉगर सारा हुसैन ने कहा कि लॉकडाउन के बाद उसे समझ में आया कि कैसे विकास का रास्ता चुनें। यदि उपहास उड़ाया जाता है तो उसे नजरअंदाज कीजिए।

अप्रत्याशित को तैयार रहें : आदित्य गुप्ता- एवरेस्ट विजेता आदित्य गुप्ता ने मैंने पर्वतारोहण से सीखा कि डर से दोस्ती कर लें। हमेशा अप्रत्याशित के लिए तैयार रहना चाहिए, वह भी बिना हड़बडाए और चिंता के। हमेशा अप्रत्याशित के लिए तैयार रहें।

तूफान अंदर का बेस्ट निकालेगा : तन्मय जैन- सोशल मीडिया मानसिक स्वास्थ्य या किसी और समस्या का जरिया नहीं बन सकता है। लोग ही निर्णय लेते हैं कि क्या ट्रेंडिंग होनी चाहिए। सफल है तो ऐसा नहीं है कि योजना उसकी जीवन तय हो। तूफान अंदर का बेस्ट निकालेगा।

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 20 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 11

एक्सएलआरआइ. टेडेक्स 2021 में दिग्गजों ने साझा किये विचार

चुनौतियों को हैंडल करने के लिए आत्मबल जरूरी : आदित्य गुप्ता

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

हम प्रतिदिन चुनौतियों से जूझते हैं. हम उन चुनौतियों को किस प्रकार से हैंडल करते हैं, यह सबसे महत्वपूर्ण है. एक्सएलआरआइ की ओर से आयोजित टेडेक्स 2021 में 50 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट फतह करने का कीर्तिमान अपने नाम करने वाले आदित्य गुप्ता ने बतौर रिसोर्स पर्सन यह बातें कही. आइआइटी रूड़की से पास आउट इंजीनियर आदित्य गुप्ता ने एक्सलर्स को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में पहली बार एवरेस्ट पर पहुंचने का प्रयास किया, किंतु एक भयंकर बर्फ स्खलन की चपेट में आने से 16 लोगों की मौत के बाद ट्रिप रोक दी गयी. 2019 में 50वें वर्ष में प्रवेश करने पर उन्होंने '50 एवरेस्ट' की योजना बनायी. इसके लिए घर में बने जिम में एक ट्रेनर की मदद से फेफड़े, कमर, हाथ, कंधे एवं पैरों की ताकत बढ़ायी. उन्होंने कहा कि 8848 मीटर ऊंचे एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के लिए सिर्फ जुनून ही काफी नहीं है. जबरदस्त आत्मबल भी चाहिए. उन्होंने कहा कि जीवन में अच्छे दोस्त का होना बहुत जरूरी है. वे कई बार डरने पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं.

कई बार टाइटल देख कर लोग परसेप्शन बना लेते हैं : सारा हुसैन

भारत की युवा ब्लॉगर सारा हुसैन ने कहा कि कोविड-19 ने वैश्विक समुदाय को प्रभावित किया. उन्होंने कहा कि वह खाने की बहुत शौकीन हैं. लेकिन पूरे कोरोना काल के दौरान गोलगप्पे खाने को तरस गयीं. उन्होंने कहा कि कम उम्र में ही ब्लॉग लिखने की सोची. शुरू-शुरू में काफी तकलीफ हुई. अपनी हॉबी को अपना पैशन बनाने के लिए पार्ट टाइम जॉब भी करना पड़ा, लेकिन कभी हार नहीं मानी. उन्होंने कहा कि निजी जीवन में कई बार लोगों ने नाम के साथ लगे टाइटल की वजह से कई टिप्पणी भी की. लेकिन जब आप सफल होने लगते हैं ये सारी चीजें पीछे छूट जाती हैं.

पाम ट्री की तरह बनें, जो तूफान आने पर भी गिरता नहीं : धवल

2014 बैच के आइएएस धवल जैन ने कहा कि आज के युवाओं को पाम ट्री की तरह बनने की आवश्यकता है. जिसकी जड़ें बेहद मजबूत हों. किसी भी प्रकार का तूफान आने पर वे खुद को उसके साथ एडजेस्ट करने की क्षमता रखें. ताकि वे उखड़ कर गिर ना जायें. धवल जैन ने कोविड काल में पश्चिम बंगाल में किये गये प्रयासों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि किस प्रकार फ्लैट से लेकर स्टेडियम तक को कोविड सेंटर के रूप में डेवलप किया. उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब परिवार ने लोगों को छोड़ दिया था, उस दौर में म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन से जुड़े लोगों, डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों ने मदद की. श्री जैन ने कहा कि आउट ऑफ द बॉक्स सोचने की जरूरत है. हर चीज एचआर या दूसरे लोगों पर छोड़ने से काम नहीं चलने वाला है. उन्होंने टू वे कम्युनिकेशन पर भी बल दिया.

मी टू, कोविड, सुशांत व ड्रग केस ने फिल्म इंडस्ट्री को डैमेज किया : अमित बहल

टीवी व बॉलीवुड एक्टर अमित बहल ने कहा कि फिल्म व टीवी इंडस्ट्री के लिए पिछला दो साल सबसे बुरा हरा. मी टू अभियान ने जहां बॉलीवुड के एक अलग चेहरे को पेश किया, वहीं कोविड ने इस इंडस्ट्री से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़े लाखों लोगों को भूखे रहने को मजबूर कर दिया. सुशांत सिंह मर्डर केस के साथ ही ड्रग केस ने इंडस्ट्री को तबाह कर दिया. जिस प्रकार से सुशांत सिंह राजपूत व ड्रग केस में मीडिया ट्रायल हुआ, उसने मीडिया की छवि खराब की. लेकिन इन सबके बाद इंडस्ट्री और मजबूत होकर उभरी.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 20 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

एक्सएलआरआई के टेडेक्स टॉक में देश की छह हस्तियों ने सुनाई अपनी सक्सेस स्टोरी

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई जमशेदपुर के टेडेक्स टॉक में शुक्रवार शाम को देश की छह हस्तियों ने अपनी सक्सेस स्टोरी शेयर की. लेस ट्रेवल इनकी स्टोरी ने बिजनेस स्कूल के विद्यार्थियों को प्रेरित किया और कुछ कर गुजरने का जज्बा भरा. एच जिंगजेस्ट नाम से फूड ब्लॉग चलाने वाली सारा हुसैन ने कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती. शुक्रवार शाम को एक्सएलआरआई जमशेदपुर के टेडेक्स टॉक में बोलते हुए अपने संघर्ष की कहानी बताई और कहा कि जब आप कुछ अलग करते हैं तो आपको कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन खुद पर विश्वास और कुछ कर गुजरने का जज्बा आपको अलग बनाता है. सारा भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे सफल ब्लॉगर हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 3 लाख 80 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह स्ट्रीट फूड और बढ़िया डाइनिंग के बीच संतुलन बनाती हैं.

डर तभी तक डराता है, जब तक आप उससे दोस्ती नहीं कर लें

उद्यमी और पर्वतारोही आदित्य गुप्ता ने कहा कि चाहे पर्वतारोहण की चुनौतियां हो या जिंदगी, उसका सामना करने के लिए आपको समान काबिलियत की जरूरत होती है. उन्होंने तीन सीख बताई, जो जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने में सहायक हो सकती है. गुप्ता ने बताया कि हमें अपनी जिंदगी में डर को दोस्त बना लेना चाहिए. एक हद तक डर सही है, क्योंकि वह आपको तैयारियों के लिए सजग और सतर्क करता है, लेकिन जब हम डर से डरने लगते हैं तो फिर कुछ नहीं कर पाते. ऐसे में डर को दोस्त बनाकर हम अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि जिंदगी में हर कुछ उम्मीद के अनुरूप नहीं होता. ऐसे में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिसकी उम्मीद हम पहले से नहीं किए होते हैं.

दीपिका कुमारी

जमशेदपुर के टाटा तीरंदाजी अकादमी में अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने के बाद दीपिका कुमारी भारत की सबसे बेहतरीन आर्चर बनी. वह पूर्व विश्व नंबर वन हैं. 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में दीपिका ने दो स्वर्ण पदक जीते. एक व्यक्तिगत स्पर्धा में और दूसरा महिला टीम की स्पर्धा में जीता. 2012 में भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने उन्हें पदम श्री और 2016 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया. दीपिका एक सामान्य ऑटो ड्राइवर की बेटी है.

धवल जैन

2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी धवल जैन प्रतिष्ठित आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए हैं. वर्तमान में पश्चिम बंगाल एग्री मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं. उन्होंने पहले एक सहायक सचिव के रूप में खान मंत्रालय के साथ काम किया और देश में खनन गतिविधि की निगरानी बढ़ाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग करने की पहल को बढ़ावा दिया. उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और कौशल विकास जैसे विषयों के लिए जिम्मेदार के रूप में कार्य किया और कोरोना के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व भी किया. अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (सामान्य) उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ आईएएस अधिकारी प्रशिक्षु होने के लिए राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया.

सारा हुसैन

एच जिंगजेस्ट नाम से फूड ब्लॉग चलाने वाली सारा हुसैन भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे सफल ब्लॉगर हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 3 लाख 80 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह स्ट्रीट फूड और बढ़िया डाइनिंग के बीच संतुलन बनाती हैं. उसने Veeba, Pepsi Co, Cadbury, Dominos, Easy Food और प्रमुख जीवन शैली और लक्जरी ब्रांड Maybelline New York, Hyatt, Westin, Taj Group, Meridian, Mercedes Benz, Ne&us Motos, और Oppo Phone जैसे खाद्य ब्रांडों के साथ सहयोग किया है.

आदित्य गुप्ता

एक उद्यमी और शौकिया पर्वतारोही है, जिन्होंने 50 साल की उम्र में माउंट एवरेस्ट की सफलतापूर्वक चढ़ाई की. गुप्ता शारदा एक्सपोर्ट्स, इंडिया, द रग रिपब्लिक और द फर्नीचर रिपब्लिक जैसे सफल ब्रांडों के मालिक हैं. आदित्य ने काफी कम उम्र से ट्रेकिंग की. आईआईटी रुड़की में अपने कॉलेज के दिनों में एक पर्वतारोहण क्लब में शामिल हो गए और तब से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. आदित्य का मानना है कि पर्वतारोहण के माध्यम से बहुत कुछ सीखने के साथ प्रेरणा मिलती है.

कोविड ने बताया कि क्राइसिस में मनी और मार्केट कुछ नहीं कर पाता

कारपोरेट वर्ल्ड से प्रशासनिक सेवा में आए धवल जैन ने अपने अनुभवों के गलियारे से कहा कि जिंदगी में बहुत सी ऐसी चीज होती है जिसका कोई एंड या छोर नहीं होता है. वह बेहद अप्रत्याशित होता है. उन्होंने कोरोना का उदाहरण देते हुए कहा कि कोविड ने कई तरह की धारणा और भ्रम को तोड़ा. उसने बताया कि जब क्राइसिस की स्थिति होती है तो मनी और मार्केट कुछ नहीं कर पाता है. ऐसी स्थिति में स्किल ही आपको मुश्किल परिस्थितियों से बाहर लाती है. उन्होंने कहा कि कोविड में बॉटम ऑफ द पिरामिड की भूमिका अहम रही है. जो नीचले तबके के लोग है, उन्होंने बेहतर काम किया. जैन ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमें टॉप की बजाय इस बॉटम ऑफ पिरामिड को मजबूत करना चाहिए और उसमें निवेश करना चाहिए. जैन ने कहा कि हमें अपने पुराने माइंडसेट को बदलना होगा और सिस्टम को ब्रेक करने को लेकर शर्म नहीं करनी होगी. क्राइसिस की स्थिति में संचार को अहम बताया और कहा कि ऐसी स्थिति में टू वे कम्युनिकेशन की जरूरत होती है. इनके अलावा भारतीय रंगमंच और टेलीविजन की दुनिया के अमित बहल ने कोरोना काल में ग्लैमर वर्ल्ड की चुनौतियों को बताया. तीरंदाज दीपिका कुमारी और इनफेडो के संस्थापक तन्मय जैन ने अपना विचार रखा.

अमित बहल

अमित बहल एक भारतीय रंगमंच, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता हैं जिन्होंने लगभग 100 से अधिक टीवी धारावाहिकों में काम किया है. ये धारावाहिक हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, पंजाबी और उर्दू टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित होते हैं.

तन्मय जैन

इनफेडो के संस्थापक और सीईओ तन्मय एक युवा उद्यमी हैं जिन्होंने उद्यमों को एचआर में अपनाने में शीर्ष प्रतिभा प्रतिधारण को बढ़ाने, कर्मचारी अनुभव को बढ़ाने और भविष्य कहे जाने वाले लोगों के एनालिटिक्स का उपयोग करके संस्कृति के मुद्दों का निदान करने में मदद की है. उनकी कंपनी inFeedo ने उस बाजार में एक सगाई बॉट लॉन्च किया जो सौ से अधिक कर्मचारियों को जोड़े, प्यूमा, डोमिनोज जैसे सौ से अधिक उद्यमों से बात कर रहा है ताकि उनकी आवाज सुनी और मूल्यवान हो सके. उनकी कंपनी उन्हें फिडेलिटी, पीडब्ल्यूसी, जीई, श्नाइडर, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसे संगठनों में मानव संसाधन नेतृत्व को संबोधित करने वाले सबसे कम उम्र के वक्ता के रूप में भी जाना जाता है.

PUBLICATION: Bharat Mitra
DATE: 21 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 9

युवा सेलेब्रिटी ने छात्रों के साथ बांटा अनुभव, बढ़ाया उत्साह

जमशेदपुर, एजेंसी।
एक्सएलआरआइ की ओर से टेडेक्स एक्सएलआरआई का वर्चुअल आयोजन किया गया। पिछले आठ वर्षों से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें भारत में ही नहीं विदेश में भी प्रसिद्धि पाने वाले युवा छात्रों को युवा सेलेब्रिटी ही संबोधित करते हैं।

इस वर्ष इस कार्यक्रम का विषय कोरोना के बाद के तूफान से बचे निर्धारित किया गया था। इस कार्यक्रम में युवा सेलेब्रेटी ने अपने अनुभव को भी छात्रों के बीच साझा किया। इस कार्यक्रम में तीरंदाज दीपिका कुमारी, अभिनेता अमित बहल, कम उम्र में प्रसिद्धि पाने वाली ब्लॉगर सराह हुसैन, आइएएस धवल जैन, पर्वतारोही सह व्यवसाई आदित्य गुप्ता, इनफेडो के सीईओ तन्मय जैन निर्धारित विषय पर अपनी बात रखी। सभी अतिथियों का स्वागत एक्सएलआरई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने किया।

फिल्म अभिनेता सह सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी अमित बहल ने कहा कि कोविड-19 ने पूरी मीडिया एंड इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को एकजुट किया। वैसे भी यह इंडस्ट्री राजनीतिक, सामाजिक सहित सात तरह के तूफानों से झेलते हुए खड़ी हुई है। इसमें हमेशा इफस एंड बट्स रहते हैं। हम इसका समाधान भी करते हैं। यहीं हमारा काम है। इससे भागते भी नहीं है। यह इंडस्ट्री बहुत ही अनस्ट्रक्चर है। कोविड-19 में सबसे बुरा हाल सिनेमा इंडस्ट्री में सहयोगी कलाकारों एवं इससे जुड़े छोटे-छोटे कर्मचारियों का था। हमें खुशी है हम

इन्हें कम से 15-20 हजार रुपए मासिक दे पाएं। इसमें कॉरपोरेट घराने तथा कई कंपनियों ने सहयोग भी किया। उन्होंने कहा कि जितना लर्निंग आवश्यक है, उतना ही अनलर्निंग भी। नकारात्मक चीजों को न सीखें बल्कि सकारात्मक चीजों को सीखें। इंडस्ट्री में नई-नई तकनीकों का प्रयोग आवश्यक है। प्रसिद्ध ब्लॉगर्स सराह हुसैन ने एक्सएलआरआइ के कार्यक्रम में कहा कि सामान्य सी बात भी आपको प्रसिद्धि दिला सकती है। यह आपको अपना प्रोफेशन चुनने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि वह जब 18 वर्ष की थी तो उसे मालूम नहीं था वह क्या करेगी। परिजनों ने सरकारी नौकरी करने की नसीहत दी, लेकिन मेरा मन कुछ नया करने का था। इस कारण अपने दोस्त सौरभ से संपर्क कर ब्लॉग लिखना प्रारंभ किया। चखकर, उसे बनाने की विधि और लोगों के कमेंट को लेकर ब्लॉग लिखना प्रारंभ किया। इस कारण उन्हें प्रसिद्धि भी मिली। कोई इस ओर सोच ही नहीं रहा था। सोशल मीडिया भी आपको प्लेटफार्म उपलब्ध कराती है बस आपको हार्ड वर्क करने की आदत होनी चाहिए।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 22 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 4

एक्सएलआरआई में 10वां एचआर क्रॉन्फ्रेंस

कोरोना में बदलाव से वर्क फोर्स की दक्षता चुनौतीः प्रकाश सिंह

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक्सएलआरआई में 10वां ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) क्रॉन्फ्रेंस शनिवार से शुरू हुआ। दो दिनों के दौरान ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े जानकारों के बीच पैनल डिस्कशन हुआ। टाटा स्टील के चीफ कैपेबिलिटी डेवलेपमेंट अफसर प्रकाश सिंह ने कहा कि कोरोना काल में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बदलाव को स्वीकार करना और वर्क फोर्स को दक्ष करना चुनौती है। इस चुनौती को ही अवसर में बदलना जरूरी है। 1 बिलियन यूजर लाइब्रेरी सभी के लिए खोला है। इसका इस्तेमाल कोई भी कर सकता है। समुदाय की बेहतरी के लिए टीएमएच जैसा अस्पताल है। सीएसआर में गांव और ग्रामीणों के बीच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। पैनल में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के एचआर हेड इरा गुप्ता, कोल इंडिया के पर्सनल एंड आईआर हेड आरपी श्रीवास्तव समेत अन्य पैनलिस्ट ने भी भाग लिया।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 22 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ का 64वां दीक्षांत समारोह वचुअल मोड में आयोजित हुआ

डिग्री सफलता के द्वार खोलेगी, सीखने की प्रवृति और विन्रमता विजेता बनाएगीः संजीव

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) का 64वां दीक्षांत समारोह वचुंअल मोड में शनिवार को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य वक्ता हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के चेयरमैन सह एमडी संजीव मेहता थे। संजीव मेहता को सर जहांगीर गांधी मेडल प्रदान किया गया। स्वागत भाषण में एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने कहा- विद्यार्थी विकास में योगदान दें। कार्य के दौरान नैतिकता का पालन करें। वहीं काम के दौरान खुद के साथ ही समाज के भलाई और विकास के लिए मददगार बने रहें। हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन संजीव मेहता ने कहा- दीक्षांत समारोह उत्सव, गर्व और आनंद का क्षण होता है। विद्यार्थियों के आकांक्षा और क्षमता को साकार करने की चुनौती सामने होगी। ज्ञान और अनुभव के साथ चुनौतियों का सामना करना होगा। जीवन पर्यंत सीखना होगा, सीखते हुए ही नेतृत्वकर्ता बनेंगे। कोरोना महामारी ने हमें सचेत और संवेदनशील होने के साथ ही बदलते परिस्थितियों के मुताबिक अनुकूल रहने की सीख दी है। उन्होंने दया और दया की आवश्यकता समझाई। उन्होंने कहा कि डिग्री को पासपोर्ट बनाने की बजाय इंसान की भलाई में लगाएं। महत्वाकांक्षा सपनों के उड़ान भरने और हासिल करने में आपकी मदद कर सकती है। महत्वाकांक्षा संसाधनों तक सीमित नहीं रहती। सफलता के लिए महत्वाकांक्षा सबसे जरूरी है। यह प्रतिभा और संसाधनों दोनों को पीछे छोड़ देती है। महत्वाकांक्षा उड़ान भरने के लिए पंख देती है, विनम्रता जमीन पर रखती है।

टॉप फाइव को मिला मेडल

1. **पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमेन रिसोर्स मैनेजमेंट** : अभिषेक गोयल, शुभम अग्रवाल, उर्मी अरोरा, आदित्य कमपेला, साना अजीम
2. **पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट** : उत्कर्ष बहुगुणा, बी राजा रेड्डी, माधवी गुप्ता, श्रीनिवासन एमएन, गीतांशु सेठी।
3. **पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जनरल मैनेजमेंट** - अरिजित कर, अदिति रैना, सतीश कुमार, मानव भागर्व, जफर अली कंचनवाला।
4. **पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट** (इवनिंग प्रोग्राम 2017, थ्री ईयर) : के सरवन कुमार, पूर्णिमा राधाकृष्णन, रनदीप सिंह, राहुल शर्मा, अनुभा प्रिया।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन संजीव मेहता को मिला सर जहांगीर घांदी मेडल

एक्सएलआरआइ का 64वां दीक्षा समारोह वर्चुअल रूप से हुआ आयोजित

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल आफ मैनेजमेंट का 64वां दीक्षा समारोह वर्चुअल मोड में आयोजित हुआ। इसमें सभी कोर्स के 2018-20 बैच के कुल 527 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। स्वागत भाषण एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने दिया। उन्होंने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन सह टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के चेयरमैन सह एमडी संजीव मेहता को सर जहांगीर घांदी मेडल प्रदान किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि पासआउट छात्र विश्व के विकास में अपना योगदान स्थिरता के साथ दें। अपने कार्य के दौरान नैतिक आचरण को बनाए रखें। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपनी जीवन यात्रा के दौरान समाज को हर हाल में कुछ दें।

बेस्ट आलराउंडर बने शुभम व प्रियंका : एक्सएलआरआइ के दीक्षा समारोह में बेस्ट आलराउंड छात्र का सम्मान शुभम अग्रवाल तथा बेस्ट आलराउंड छात्रा का सम्मान प्रियंका सिंहल को प्रदान किया गया। आउटस्टैंडिंग एफपीएम छात्र का सम्मान तापस रंजन महाराणा को प्रदान किया गया। सोशल इनिशिएटिवस के लिए आदित्य आंजनैय्या वैद्य, अरविंदा भट्टाचार्य, अवस्थी जोशी, हुलानि जय अमृतलाल, श्रेया त्रिपाठी, सोम्या दुआ को एक्सएलआरआइ मेडल प्रदान किया गया।

एक्सएलआरआइ के दीक्षा समारोह में उपस्थित संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन सह टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन व अन्य • जागरण

संजीव मेहता को सर जहांगीर घांदी मेडल देते टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन • जागरण

एक्सएलआरआइ के दीक्षा समारोह में बेस्ट ऑलराउंडर छात्रा प्रियंका • जागरण

बेस्ट ऑलराउंडर छात्र शुभम अग्रवाल।

पासआउट

- छात्रों से नरेंद्रन की अपील, अपने कार्य के दौरान नैतिक आचरण को बनाए रखें
- 527 विद्यार्थियों को मिली डिग्री, छात्र समाज के लिए हर हाल में कुछ दें

आगे बढ़ने के लिए फेल होना भी जरूरी : संजीव मेहता

जासं, जमशेदपुर : जब तक फेल नहीं होंगे तब तक आप बढ़ नहीं पाएंगे। फेल होने पर ही आप सीख पाएंगे। पासआउट छात्र कहीं पर भी किसी भी कार्यक्षेत्र में रहें अपने घर को याद रखें। राष्ट्र को समृद्ध करने का कार्य करें। यह बातें एक्सएलआरआइ के दीक्षा समारोह के दीक्षांत भाषण में हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन सह एमडी संजीव मेहता ने कहा कि दीक्षा समारोह हर छात्र के लिए उत्सव का दिन होता है। कहा कि यह आप सभी के लिए गर्व और उच्च भावना और आनंद का क्षण है, जो आपकी आकांक्षा और क्षमता को साकार करने की दहलीज पर हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपके पास दुनिया को बदलने, ज्ञान और अनुभव को जानने की क्षमता है और चुनौतियों का सामना करने की भी क्षमता है। यदि आप सीखते नहीं हैं, तो आप उन व्यवसायों को कैसे सुदृढ़ करेंगे जिनका आप नेतृत्व करना चाहते हैं। महामारी ने हमें सिखाया कि हमें सचेत और संवेदनशील बने रहने और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल रहने की आवश्यकता है। पिछले कुछ महीनों ने हमें दया और दया की आवश्यकता की भी याद दिलाई। अपनी डिग्री को पासपोर्ट मत बनाएं बल्कि इसे मानव कल्याण के कार्य में लगाएं। उन्होंने यह भी कहा कि महत्वाकांक्षा सचमुच आपके सपनों को उड़ान भरने में आपकी मदद कर सकती है। जब आपकी महत्वाकांक्षा होती है, तो आप संसाधनों से सीमित नहीं होते हैं।

विभिन्न कोर्स के टाप फाइव को प्रदान किया गया मेडल

1. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमेन रिसोर्स मैनेजमेंट : अभिषेक गोयल, शुभम अग्रवाल, उर्मी अरोरा, आदित्य कमपेला, साना अजीम
2. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट : उत्कर्ष बहुगुणा, बी राजा रेड्डी, माधवी गुप्ता, श्रीनिवासन एमएन, गीतांशु सेठी।
3. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जनरल मैनेजमेंट - अरिजित कर, अदिति रैना, सतीश कुमार, मानव भार्गव, जफर अली कंचनवाला।
4. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट (इवनिंग प्रोग्राम 2017, थ्री ईयर) : के सरवन कुमार, पूर्णिमा राधाकृष्णन, रनदीप सिंह, राहुल शर्मा, अनुभा प्रिया।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआइ एचआर कांफ्रेंस में कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक) ने किया संबोधित

कोविड में मजदूरों का पलायन रोकना व उत्पादन की थी बड़ी चुनौती : श्रीवास्तव

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में शनिवार को 10वां राष्ट्रीय एचआर कांफ्रेंस हुआ, जिसमें वक्ताओं ने कोविड-19 (कोरोना) के दौरान नियोक्ता की प्रतिष्ठा व कर्मचारियों के विस्थापित होने से कार्यस्थल के अनुभव सुनाए।

वर्चुअल मोड में हुए सम्मेलन में कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक व औद्योगिक संबंध) आरपी श्रीवास्तव ने कहा कि वाकई यह बहुत कठिन समय था। एक तरफ मजदूर बड़े शहरों से पलायन कर रहे थे, तो दूसरी ओर बिजली उत्पादन संयंत्रों से कोयले की आपूर्ति करने का दबाव था। कोल इंडिया के देश के नौ राज्यों में लगभग 3.5 लाख कर्मचारी हैं, जिनमें आउटसोर्स कर्मियों की तादाद भी शामिल है। हमें कर्मचारियों को कार्यस्थल पर बनाए रखने के लिए उनके स्वास्थ्य की देखभाल करने के साथ उनका हौसला बढ़ाने की चुनौती भी थी। करीब छह कर्मचारी संक्रमित हो चुके थे। हालांकि इनमें 85 फीसद ठीक भी हुए। इसके बावजूद देश में जितने भी ताप विद्युत संयंत्र हैं, उनमें 56 फीसद कोयला की आपूर्ति कोल

ईरा गुप्ता • जागरण

इंडिया करती है। हमें इस बात का गर्व है कि हम उस कठिन परिस्थिति में भी किसी संयंत्र को बंद नहीं होने दिया। उस दौरान हमने सिर्फ सीएसआर पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च किया। इससे पूर्व टाटा स्टील के चीफ (कैपेबिलिटी एंड डेवलपमेंट) प्रकाश सिंह ने टाटा स्टील और टीएमएच की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर का सबसे बड़ा अस्पताल होने के नाते ना केवल जमशेदपुर, बल्कि पड़ोसी शहरों के कोरोना संक्रमितों की जिम्मेदारी भी टीएमएच पर आ गई थी। सबके लिए यह नया अनुभव था। इसके बावजूद अस्पताल के चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों ने बेहतर काम किया।

इसी क्रम में माइक्रोसाफ्ट की हेड (एचआर) ईरा गुप्ता ने कहा कि हमारे लिए स्वास्थ्य समेत सभी क्षेत्र में ढेरों चुनौतियां थीं। आठ देशों के करीब छह हजार कर्मचारियों ने इसमें सकारात्मक भूमिका निभाई। इस दौरान उनके और उनके परिवार को तनाव से दूर रखना भी चुनौती थी। हमने इसके लिए भी काम किया।

युग परिवर्तन जैसा रहा, पूरे कामकाज का तरीका बदल गया : एचआर कांफ्रेंस की कड़ी में पैनल डिस्कशन भी हुआ, जिसमें वक्ताओं ने कहा कि कोरोना काल युग परिवर्तन जैसा रहा। इसने ना केवल सबकी सोच बदल दी, बल्कि कामकाज का तरीका भी बदल गया। पैनल डिस्कशन में कोल इंडिया के निदेशक आरपी श्रीवास्तव, ईरा गुप्ता, हेड (एचआर, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया), रोहित ठाकुर (सीएचआरओ, पेटीएम), प्रकाश सिंह (चीफ, कैपेबिलिटी एंड डेवलपमेंट), अमित वैश्य (निदेशक, एचआर, बार्कलेज), डेजी चिट्टिलापिली (डीटीओ के प्रबंध निदेशक), लक्ष्मी सी (एचआर लीड, एक्सेंचर इंडिया), कृष्ण शंकर (ग्रुप हेड एचआर, इन्फोसिस), प्रीति नारायण आदि थीं।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1,7

सम्मान : हिन्दुस्तान लीवर के सीएमडी को सर जहांगीर घांदी अवार्ड

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के 68वें दीक्षांत समारोह में शनिवार को औद्योगिक एवं सामाजिक शांति का सर जहांगीर घांदी अवार्ड हिन्दुस्तान लीवर के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक संजीव मेहता को दिया गया। अवार्ड लेने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए संजीव मेहता ने छात्रों को बधाई दी।

चुनौती में खुद को कहां पाना यह जरूरी : उन्होंने कहा कि व्यक्ति कंफर्ट जोन में कहां खड़ा होता है, यह मायने नहीं रखता, बल्कि जरूरी यह है कि वह चुनौती में खुद को कहां पाता है। जो छात्र पासआउट हो रहे हैं, उन्हें इसलिए चुना गया है कि वे नया विश्व बना सकें। कोई भूख से, इलाज के अभाव में बीमारी से न मरे और किसी के साथ नाइंसाफी न हो।

दीक्षांत समारोह

- मेहता ने विद्यार्थियों से कहा- कोई भूख से, इलाज के अभाव में न मरे यह कोशिश हो
- वर्ष 2020 ने बताया कि परिवर्तन की परिस्थितियों में नई संभावनाएं व अवसर बनाने चाहिए
- समारोह वर्चुअल था, मुख्य अतिथि संजीव मेहता को छोड़कर अन्य लोग एक्सएलआरआई में जुटे

एक्सएलआरआई के दीक्षांत में शुक्रवार को हिन्दुस्तान लीवर के सीएमडी संजीव मेहता को सर जहांगीर घांदी अवार्ड प्रदान करते टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन।

उत्तरदायी बनकर अच्छी जगह बनाना जरूरी : वर्ष 2020 किसी के लिए बेहतर नहीं था, लेकिन इसने बताया कि परिवर्तन की परिस्थितियों में नई संभावनाएं और अवसर बनाने चाहिए। आज की नई दुनिया में उतार-चढ़ाव होता है, लेकिन उत्तरदायी बनकर एक अच्छी जगह बनाना मकसद है। मकसद और मूल्य को उन्होंने विजेता होने का आधार बनाया। परिवर्तन के दौर में मुश्किल लेकिन सही रास्ते को चुनना चाहिए। ईमानदारी से हम काम करते हैं तो शक्ति अंदर से बनती है और वही आगे बढ़ाकर जीत तक पहुंचाती है। डरकर भागने से बेहतर है कि डर को जीत लीजिए। हार से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि वही डर को दूर करने का आधार होता है। हमें वजूद को नहीं भूलें और विनम्र रहें।

कोविड ने हमें सही गलत की पहचान कराई : टीवी नरेंद्रन

दीक्षांत समारोह में टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि कोविड ने जीवन के सही-गलत की पहचान कराई। तकनीक किस तरह से हमारे जीवन का पार्ट है, इसकी जानकारी मिली। साथ ही हम किसी भी मुसीबत में कभी भी आ सकते हैं, यह समझ में आया। नरेंद्रन इसमें कुछ लोग दुनिया में ऐसे हैं, जिनके लिए सिर्फ रोजी-रोटी हासिल करना जीवन का आधार है। छात्रों के लिए बीता वर्ष ज्ञान का आधार है। छात्रों को एक बड़े मिशन, जो अच्छाई के लिए है उसके लिए कार्य करने की आवश्यकता है। यह जीवन के लिए आवश्यक है।

फादर क्रिस्टी ने कहा कि वे एक्सएलआरआई के मूल्यों को आधार बनाकर ही उन्नति के पथ पर जाएं। उनकी उन्नति में संस्थान के साथ परिवार की अहम भूमिका है। कार्यक्रम वर्चुअल था, लेकिन मुख्य अतिथि संजीव मेहता को छोड़कर अन्य लोग एक्सएलआरआई में एकत्रित हुए। डीन डॉ. आशीष कुमार पानी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

देखें पेज 07

दीक्षांत समारोह : संस्थान में 24.30 लाख वेतन पर हुआ औसत प्लेसमेंट, फादर ने बताईं उपलब्धियां

एक्सएलआरआई के 527 छात्रों को डिग्री

आयोजन

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के दीक्षांत समारोह में शनिवार को फादर क्रिस्टी ने अपनी उपलब्धियां बताई और कहा कि बी स्कूलों में एक्सएलआरआई अव्वल रहा। यहां प्लेसमेंट रिपोर्ट बेहतर रही।

361 विद्यार्थियों का दो दिनों में प्लेसमेंट हुआ। 86 कंपनियां यहां आई थीं। इनमें 11 कंपनियां पहली बार आई थीं, जिन्होंने नौकरी के लिए चयन किया। उसमें औसत वेतन 24.30 लाख का रहा। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा मैनेजमेंट के लिए 61 कंपनियां आईं, जिसमें औसत वेतन 19 लाख 61 हजार रुपये प्रतिवर्ष रहा। दीक्षांत समारोह में 527 छात्रों को प्रमाणपत्र दिया गया। इसमें स्नातकोत्तर कार्यक्रम के 182 और 180 विद्यार्थी शामिल हैं। 2018-20 बैच के बीएम और एचआरएम के पीजीडीएम (सामान्य प्रबंधन) के 104 छात्र, फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) के 13 और पीजीडीएम-बीएम प्रोग्राम (इवनिंग) 2017 बैच के 48 विद्यार्थी शामिल हैं।

सर्वधर्म प्रार्थना स्थल: संस्थान ने अपनी नई पहल में कॉमन प्रे रूम बनाया, जिसमें हर धर्म के लिए प्रार्थना का स्थान है। यह स्थान प्रोफेसर मुखर्जी बिल्डिंग में है। इसके साथ ही न्यू ट्रेकर बनाया, जिसमें कार्य भार बढ़ने पर परफॉर्मेंस का कैसे मूल्यांकन हो, इसकी भी नीति निर्धारण की जाती है। डिजिटल पत्रिका शुरू की, जो हर माह प्रकाशित होती है।

शैक्षणिक क्षेत्र की उपलब्धि: संस्थान ने बीते सत्र में 23 पुस्तकें तैयार कीं। अंतरराष्ट्रीय और साथ ही राष्ट्रीय जनरल, जिसमें पांच ए प्लस कैटेगरी और 28 ए कैटेगरी के हैं। इसमें बुक चैप्टर 4, केसेस 34, वर्किंग पेपर, पेपर प्रेजेंटेशन थे। 27 अंतरराष्ट्रीय और 6 नेशनल कांफ्रेंस में शामिल किए गए।

भारत में नम्बर वन रैंकिंग: प्राइवेट बी स्कूलों में एक्सएलआरआई रैंकिंग नंबर वन रहा, जिसे एनआईआरएफ एजेंसी ने घोषित किया। इसी तरह पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा मैनेजमेंट एचआरएम में भी रैंक वन है। इसके साथ ही लीडरशिप एंड गवर्नेंस एंड एल्युमनी नेटवर्क में भी प्रथम है। 2020 में 30 ग्लोबल स्कूल में पहला स्थान और एआईसीटीई में कैटेगरी प्रथम संस्थान का अवार्ड मिला।

पोस्ट ग्रेजुएट के पदक विजेता: दो वर्ष पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एचआरएम में प्रथम अभिषेक गोयल, द्वितीय शुभम अग्रवाल, तृतीय उर्मी अरोड़ा, चतुर्थ आदित्य कंपेला, और पांचवां पदक सना आजमी को दिया गया। पीजी डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट में प्रथम उत्कर्ष बहुगुणा, द्वितीय बी राजा रेड्डी, तृतीय माध्वी गुप्ता, तृतीय श्रीनिवासन एमएन, पांचवां स्थान गीतांशु सेठी ने प्राप्त किया। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जनरल मैनेजमेंट में प्रथम अर्जित कर, द्वितीय आदिति रहना, तृतीय सतीश कुमार, चतुर्थ मानव भार्गव और पांचवां स्थान जफर अली कंझवाला को मिला। पीजी डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट इवनिंग में प्रथम कारवी श्रवण कुमार, द्वितीय पूर्णिमा राधाकृष्णन, तृतीय रणदीप सिंह, चतुर्थ राहुल शर्मा और पांचवां स्थान अनुभव प्रिया को मिला।

अवसर

- 86 कंपनियां यहां आई थीं संस्थान में प्लेसमेंट के लिए
- 11 कंपनियां पहली बार आई थीं जिन्होंने चयन किया

शनिवार को दीक्षांत समारोह में मंच पर उपस्थित टीवी नरेंद्रन, फादर क्रिस्टी व अन्य।

शुभम बेस्ट ऑलराउंडर

बेस्ट ऑलराउंडर में शुभम अग्रवाल को परिणिति स्मृति अवार्ड, शुभम अग्रवाल को ही सेकेंड हाईएस्ट पीवयूपीआई एचआरएम अवार्ड, हाईएस्ट सीवयूपीआईडीएस बीएम इवनिंग का अवार्ड कोरीवी श्रवण कुमार को दिया गया। इसी तरह बेस्ट ऑलराउंडर वीमेन स्टूडेंट गीता सवसेना स्मृति अवार्ड परणिका सिंघल को मिला। हाईएस्ट हाईएस्ट सीवयूपीआईडीएस बीएम रामअवतार चावरा स्मृति अवार्ड उत्कर्ष बहुगुणा को दिया गया। आउटस्टैंडिंग एफपीएम केवीके राजू स्मृति अवार्ड तपस रंजन महाराणा को दिया गया, जबकि द्वितीय हाईएस्ट सीवयूपीआईडीएस बीएम ब्रां जनार्दन पायदा अवार्ड बी राजा रेड्डी को मिला। उच्च सीवयूपीआईडीएस एसआरएम जॉन पीडी कॉस्टा अवार्ड अभिषेक गोयल व सीवयूपीआईडीएस जीपीएम का आरएस पांडेय स्मृति अवार्ड अरजीत कर को दिया गया। इसके अलावा एक्सएलआरआई मेडल ऑफ सोशल इनीशिएटिव पदक आदित्य अंजन्य वैद्य, अरविंदा भट्टाचार्य, अश्वथी जोशी, होलानी जय अमृतलाल, श्रेया त्रिपाठी और सौम्या दुआ को दिया गया।

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 13

आर्थिक मंदी व बेरोजगारी पर मैनेजमेंट गुरुओं ने किया मंथन

जमशेदपुर. देश के प्रसिद्ध प्रबंधकीय संस्थान एक्सएलआरआइ में शनिवार को 10वें नेशनल एचआर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. इसमें देशभर के नामचीन एचआर पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया. मौजूदा दौर में कोरोना महामारी के बाद उत्पन्न हुई आर्थिक मंदी व बेरोजगारी की समस्या पर मुख्य रूप से मंथन किया गया. इस विपरीत परिस्थिति में किस प्रकार नौकरी को सुरक्षित रखा जाये, इस पर भी दिग्गजों ने अपने विचार रखे. कार्यक्रम के दौरान नये सिरे से नियोक्ता व कर्मियों के बीच के संबंधों पर विचार करने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई. कोल इंडिया के पर्सनल व आइआर के डायरेक्टर आरपी श्रीवास्तव, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया की एचआर हेड इरा गुप्ता, टाटा स्टील कैपेसिटी डेवलपमेंट के चीफ प्रकाश सिंह ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 13

एक्सएलआरआइ दीक्षांत समारोह. पद्मश्री संजीव मेहता को मिला सर जहांगीर घांदी अवार्ड

527 छात्रों को मिला सर्टिफिकेट व मेडल

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ का 64वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ. मुख्य अतिथि हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन सह एमडी संजीव मेहता और विशिष्ट अतिथि टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. समारोह में 2018-2020 बैच के कुल 527 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट व मेडल प्रदान किया गया. वर्चुअल मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में बीए के 182, एचआरएम के 180, पीजीडीएम (जेनरल मैनेजमेंट) के 104, फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के 13, जबकि पीजीडीएम बीएम प्रोग्राम के 2017-2020 बैच के कुल 48 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट दिया गया. संस्थान के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने सभी विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी.

1966 में हुई थी सर जहांगीर घांदी अवार्ड की शुरुआत

हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन संजीव मेहता को सर जहांगीर घांदी मेडल फॉर इंडस्ट्रियल एंड सोशल पीस ने नवाजा गया. एक्सएलआरआइ के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स सर जहांगीर घांदी की स्मृति में 1966 में इस अवार्ड की शुरुआत की गयी थी. इसे उस व्यक्ति को दिया जाता है, जिसने अपने संस्थान को ऊंचाई प्रदान की हो और देश के विकास में भी उसका प्रभाव पड़ा हो.

विद्यार्थियों को 11 माह विलंब से मिला सर्टिफिकेट

एक्सएलआरआइ के 2018-2020 बैच के विद्यार्थियों के दीक्षांत समारोह की तिथि 23 मार्च 2020 तय की गयी थी. लेकिन कोरोना संक्रमण व लॉकडाउन लागू होने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था. जिसके बाद शनिवार को नये सिरे से उक्त विद्यार्थियों को संस्थान की ओर से विधिवत विदाई दी गयी. हालांकि, कोविड-19 का असर पूरी तरह से खत्म नहीं होने की वजह से इस कन्वोकेशन को पहली बार वर्चुअल मोड में ही किया गया.

इन्हें मिल चुका है सर जहांगीर घांदी मेडल

- **2012**- इंफोसिस के एनआर नारायणमूर्ति
- **2013**- एचसीएल के संस्थापक शिव नाडर
- **2014**- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चेयरमैन अरुंधति भट्टाचार्य
- **2015**- टैफे की चेयरमैन व सीइओ मल्लिका श्रीनिवासन
- **2016**- हीरो मोटोकॉर्प के संयुक्त प्रबंध निदेशक व चेयरमैन डॉ सुनील कांत मुंजाल
- **2017**- द गोदरेज के चेयरमैन आदी गोदरेज
- **2018**- मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन के चेयरमैन टीवी मोहनदास
- **2019**- थर्मेक्स लिमिटेड की पूर्व चेयरमैन अनु आगा

एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड (टॉप फाइव स्टूडेंट्स)

एचआरएम बैच : 1. अभिषेक गोयल 2. शुभम अग्रवाल 3. उर्मी अरोड़ा 4. आदित्य कोमपेल्ला 5. साना अजीम

पीडीजीएम : 1. अरिजीत कर 2. अदिति रैना 3. सतीश कुमार 4. माधव भार्गव 5. जफर अली कांचवाला

बीएम बैच : 1. उत्कर्ष बहुगुणा 2. बी राजा रेड्डी 3. माधवी गुप्ता 4. श्रीनिवासन एमएन 5. गीतांशु सेठी

मैनेजमेंट प्रोग्राम : 1. कोरिवी श्रवण कुमार 2. पूर्णिमा राधाकृष्णन 3. रणदीप सिंह 4. राहुल शर्मा 5. अनुभा प्रिया

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

527 XLRI students receive graduation certificates at 64th Annual Convocation

Sanjiv Mehta recipient of Sir Jehangir Ghandy Medal

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 20: XLRI- Xavier School of Management, one of India's premier B-Schools, celebrated its 64th Annual Convocation. The first-ever virtual Convocation ceremony was held to bid a final farewell to the 2018-20 batch.

Sanjiv Mehta, Chairman and Managing Director of Hindustan Unilever Ltd graced the convocation ceremony as the chief guest. Mr. T. V. Narendran, Chairman, Board of Governors at XLRI & MD - Tata Steel India and South East Asia, Fr. P. Christie. S.J., Director of XLRI, Dr. Ashis K. Pani, Dean, Academics at XLRI, graduating students and their parents connected virtually.

On this significant day, 527 XLRI students virtually received their graduating certificates and medals, including - 182 & 180 students of Postgraduate Programmes in Management - BM, and HRM; 104 students of 15-months PGDM (General Management) Programme; 13 students of Fellow Program in Management (FPM) and 48 students of 2017-2020 batch of PGDM-BM Programme (Evening).

Congratulating the students on their graduation day, T. V. Narendran, Chairman, Board of Governors, XLRI said, "As you join the remarkable network of XLRI alumni; let the valuable education that has been imparted to you in the preceding two years, be a guiding force to help enable you to make this world more sustainable and livable for future generations. I urge you to espouse a professional and ethical attitude in your work-life journey and try to give back to the society to the extent possible."

Fr. P Christie S.J., Director, XLRI, congratulated the graduating students and advised them to uphold the values they have imbibed at XLRI - to be responsible leaders who are extraordinary professionals with a sensitive conscience.

This year XLRI conferred the prestigious 'Sir Jehangir Ghandy Medal for Social and Industrial Peace' on Sanjiv Mehta, Chairman and Managing Director of Hindustan Unilever Ltd. He also delivered the Convocation Address.

Father Christie further added, "Sanjiv Mehta is an exceptional corporate leader, whose vision, innovativeness, and commitment to compassionate capitalism have taken Unilever to prodigious heights both in India and worldwide. In appreciation of his outstanding leadership, XLRI feels proud to present the Sir Jehangir Ghandy Medal for Industrial and Social Peace to Shri Sanjiv Mehta and to champion him as an inspirational corporate leader who has propelled Hindustan Unilever towards excellence and buttressed it to become India's largest FMCG organization."

Accepting the medal, Mehta said, "I would like to express my gratitude to the governing board of XLRI for bestowing on me the prestigious Sir Jehangir Ghandy Medal for Social and Industrial Peace. It is a big honor and a great privilege to receive this medal."

Delivering the convocation speech to the graduating students, he said, "I am delighted and deeply honored to be with you today. My heartiest congratulations to the graduating class. This is a day of celebration; this is a moment of pride and high emotion and joy for all of you, who are at the threshold of realizing your aspiration and potential. Today marks a new beginning when you are moving out to face the real world's ups and downs. You have the potential to change the world, go for knowledge and experience, and don't get daunted by the challenges. Tomorrow when you start your life outside this institute, you will travel to different parts of the world and work with diverse people, embrace diversity and inclusiveness.

The only way to stay ahead is to constantly evolve and stay relevant in the rapidly changing world and be a student all your life. If you don't keep learning and reinventing yourself, how will you reinvent the businesses you lead?

Agility and adaptability are the two important traits of successful leaders, especially during turbulent times. The pandemic taught us that we need to stay alert and responsive and adapt to the changing conditions. The past few months also reminded us of the need for compassion and kindness.

The degrees you have earned are not the passports to a fulfilling life but should be treated as a call to action as you get set to seize the opportunity with your wisdom. You have been entrusted with the responsibility of making the world a much better place to live in." (W-mb)

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Never stop dreaming, draw lessons from failures: Deepika

Archer addresses 8th Edition of TEDxXLRI

Jamshedpur: Country's finest archer and former world number one Deepika Kumari has said that one should not stop dreaming in order to achieve success in life. Sharing her share of struggle in her journey to the top, the ace archer inspired youths to keep on dreaming and draw lessons from failures. She was addressing the 8th Edition of TEDxXLRI.

Her innate desire for food and shelter eventually culminated in the World No. 1 ranking, and that too at just 18 years of age." I was born in extreme poverty in a village, and used to struggle daily for food. But this didn't deter me from dreaming. The struggle of life inspired me to move out of home and make my dreams come true. As a child, I was introduced to the sport of archery, using makeshift bows and arrows from bamboo. I left home to live at an archery academy and master the sport," said Kumari while addressing the session.

XLRI organisd the 8th Edition of TEDxXLRI on a virtual platform based on the theme 'Surviving the Storm', where speakers inspired inquisitive minds through stories of path makers who defied all odds and emerged victoriously.

Deepika took up archery because she came to know that the training academy gave free food and stay. Her family was really struggling, and she felt that I needed to reduce the burden on her family as there were so many mouths to feed.

When she began training at the JRD Tata Sports Complex in Jamshedpur, it was almost like a dream. She had never stayed in a hostel with toilets before for women. She had never seen such facilities.

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 21 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित हुआ एक्सएलआरआई जमशेदपुर का दीक्षांत समारोह

आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है लगातार सीखते रहना : मेहता

जमशेदपुर : हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने कहा कि आपके लिए आज का दिन उत्सव का दिन है. यह आप सभी के लिए गर्व, उच्च भावना और आनंद का क्षण है, जो आपकी आकांक्षा और क्षमता को साकार करने की दहलीज पर हैं. मेहता शनिवार 20 फरवरी की शाम को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक्सएलआरआई जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि आज आप एक नई शुरुआत कर रहे हैं जब आप वास्तविक दुनिया के उतार-चढ़ाव का सामना करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं. आपके पास दुनिया को बदलने के लिए ज्ञान और अनुभव है. जब आप इस संस्थान के बाहर अपना जीवन शुरू करेंगे तो आप दुनिया के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करेंगे और विविध लोगों के साथ काम करेंगे. अपनी जिंदगी में विविधता और समावेश को अपनाएंगे. आगे रहने का एकमात्र तरीका लगातार विकसित होते रहना है और तेजी से बदलती दुनिया में प्रासंगिक बने रहना है. यह तभी होगा, जब आप अपने आप को जीवन भर विद्यार्थी रखेंगे. यदि आप नया सीखते नहीं हैं और अपने आप को सुदृढ़ नहीं करते हैं, तो फिर आप उन व्यवसायों को

कैसे सुदृढ़ करेंगे जिसका आप नेतृत्व करेंगे. चपलता (एजिलिटी) और अनुकूलनशीलता सफल नेताओं के दो महत्वपूर्ण लक्षण हैं. खासकर मुश्किल समय के दौरान. महामारी ने हमें सिखाया कि हमें सचेत और संवेदनशील बने रहने और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल रहने की आवश्यकता है. पिछले कुछ महीनों ने हमें बताया कि जिंदगी में दया जरूरी है. आप अपनी डिग्री को एक संपूर्ण जीवन के लिए पासपोर्ट नहीं माने. इसे एक कॉल के रूप में लें. आपको दुनिया को बेहतर जगह बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. संजीव मेहता ने कहा कि महत्वाकांक्षा आपके सपनों को उड़ान भरने और हासिल करने में आपकी मदद करती है.

■ संबंधित खबर पेज 12 पर

महामारी में हमने जाना कि टफ टाइम में जिंदगी कैसे जी जाती है : नरेन्द्रन

टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक और एक्सएलआरआई बोर्ड ऑफ गवर्नर के चेयरमैन टीवी नरेन्द्रन ने कहा कि कोरोना महामारी ने हमें बहुत कुछ सीखाया है. पिछले एक साल में हमने जाना कि हमें मुश्किल घड़ी में भी अपनी जिंदगी को कैसे जीना है? हमने इस मुश्किल समय में न केवल यह जाना कि जीवन की असल जरूरतें और प्राथमिकताएं क्या है? बल्कि यह भी जाना कि आज तकनीक हमारी जिंदगी का एक अभिन्न अंग सा बन गया है. यही नहीं इस महामारी ने हमें अपने पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के साथ अपने स्वास्थ के बारे में भी सचेत किया.नरेन्द्रन ने कहा कि आज की वैश्विक दुनिया में आपको ग्लोबल लीडर बनना होगा. ग्लोबल का मतलब दुनिया की दूसरी जगहों पर काम करना या भ्रमण करना नहीं है. ग्लोबल आपके माइंडसेट में होता है जो आपको अंदर से ग्लोबल बनाता है. उन्होंने कहा कि आज के हाइपर कनेक्टिंग वर्ल्ड में हमें विविधता को प्रोत्साहित करना होगा. पास आउट हो रहे विद्यार्थियों से कहा कि आने वाले दिनों में जलवायू परिवर्तन, जैव विविधता और पानी जैसी समस्याओं के प्रति आपको जागरूक होना होगा. ये समस्याएं पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है. यही कारण है कि आज सर्कुलर इकोनोमी की बात हो रही है, जिसमें कार्बन फूटप्रिन्ट्स को कम करने पर जोर होता है.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 22 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

एक्सएलआरआई की ओर से आयोजित एचआर प्रबंधकों की वर्चुअल गोष्ठी में बात आई सामने

कॉरपोरेट सेक्टर में 20% ही महिलाएं

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

देश के कॉरपोरेट सेक्टर में महिलाओं की महज 20 प्रतिशत ही भागीदारी है। तकनीकी क्षेत्र में भी महिलाएं कम ही जाती हैं। ये बातें रविवार को आयोजित देश के प्रमुख संस्थानों के एचआर प्रमुख की वर्चुअल गोष्ठी में सामने आई। गोष्ठी का आयोजन एक्सएलआरआई की ओर से किया गया था।

गोष्ठी का विषय था जनविश्लेषण और डाटा वर्तमान समय में संगठन संचालन में किस तरह से मदद कर रहे हैं। लक्ष्मी सी, प्रबंध निदेशक और एचआर लीड एक्सेंशर इंडिया ने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि किस तरह से हम डाटा को कार्यक्षेत्र में विकास के प्रति परिवर्तित करें, ताकि कंपनियां बेहतर ढंग से काम कर सकें। लक्ष्मी ने कहा कि उनके द्वारा

चिंताजनक

- एचआर प्रबंधकों ने तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बताई चिंताजनक
- हम डाटा को कार्यक्षेत्र में विकास के प्रति परिवर्तित करें : लक्ष्मी

जब इंजीनियरों को लाया जाता है तो उनकी गुणवत्ता और उनकी कौशल क्षमता का विश्लेषण और डाटा से आकलन किया जाता है। तब उनका चयन सरल होता है। फीडबैक लेने में डाटा का महत्व होता है। इंफोसिस के ग्रुप हेड एचआर क्रिश शंकर ने बताया कि वर्तमान में जब तकनीक अधिक विकसित है तो वैसे समय में डाटा की आवश्यकता अधिक होती है। इससे समझ में आता है कि कौन काम पहले करना है और क्यों करना है। इसका फायदा यह भी है कि निर्णय हम बेहतर से ले सकते हैं क्योंकि इसके सभी प्रारूप से हम वाकिफ होते हैं।

इससे प्रबंधकों को प्रक्रिया में कहां खामी है इसका पता चलता है। गूगल इंडिया की मार्केट एचआर लीडर प्रीति नारायण ने कहा कि उनकी कार्य संस्कृति में महत्वपूर्ण यह है कि सब पारदर्शी हैं। इसमें जनता और साथी कर्मचारियों को बोलने का अवसर दिया जाता है। ऐसी परिस्थिति में डाटा मददगार साबित होता है। संस्थापक और सीईओ डब्ल्यू आईटीएसी अनुरंजिता कुमार ने कहा कि डाटा प्रबंधकों को कर्मचारियों की अभिव्यक्ति को बताता है। कंपनी द्वारा कर्मचारियों की अभिव्यक्ति का डाटा बनाकर विश्लेषण किया जाता है। कॉरपोरेट सेक्टर में महज 20% महिलाओं की भागीदारी है। यह जानकारी विश्लेषण और डाटा से ही हासिल हुई है। ब्लू और व्हाइट पदों पर महिलाओं का जाना कम हो रहा है। आईटी और दूसरे सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी कम है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उनका रुझान इस क्षेत्र में बढ़ाया जाए। फ्लिपकार्ट के चीफ पीपुल ऑफिसर कृष्णा आर ने कहा कि कोविड-19 के समय डाटा और शक्तिशाली हुआ है। उनकी कंपनी डाटा पर ही ज्यादा ध्यान देती है। कोविड-19 में वे सोच रहे थे कि किस तरह से वर्क फ्रॉम होम को निरंतर करें। लेकिन, जब कर्मचारियों से फीडबैक लिए तो पता चला कि अधिकांश कर्मचारी घर से काम करते करते थक गए थे और वर्क प्लेस में आना चाहते थे। इसलिए उन्हें योजना में परिवर्तन करना पड़ा। यह सब जानकारी उन्हें डाटा से ही मिली।

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 27 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

एक्सएलआरआइ में तीन दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप समिट 2021 की शुरुआत

एक आइडिया किसी भी एंटरप्रेन्योर को हिट करवा सकता है : प्रणव

जमशेदपुर . कोई भी एंटरप्रेन्योरशिप आसान नहीं होती है लेकिन अगर सही प्रकार से उसे किया जाये, तो उससे अच्छा कुछ नहीं होता है. देश में अब इस प्रकार का माहौल तैयार हो रहा है जब बड़ी पैकेज की नौकरी छोड़ युवा एंटरप्रेन्योर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. उक्त बातें एक्सएलआरआइ में शुरू हुए तीन दिवसीय एंटरप्रेन्योरशिप समिट के दौरान मुख्य रूप से उभर कर सामने आयीं. मौके पर मुख्य वक्ता आइडी फ्रेश के चीफ बिजनेस ऑफिसर प्रणव कुमार ने कहा कि किसी भी एंटरप्रेन्योरशिप का मुख्य अर्थ होता है लोगों की समस्याओं को आप कितनी आसानी से समाधान करते हैं. अगर इस दिशा में कोई भी एंटरप्रेन्योर सोचता है और उसे अमली जामा पहनाता है तो यकीन मानिये उसका उद्यम सफल होगा ही. इस दौरान श्री कुमार ने कहा कि कोई भी उद्यम विश्वास पर टिका होता है. अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि अपने ग्राहकों पर इसी विश्वास के कारण भारत के सबसे बड़े रेडी टू कुक, फ्रेश फूड ब्रांड आइडी फ्रेश फूड ने अनोखी शुरुआत की. जिसे ट्रस्ट शॉप 2.0 नाम दिया गया. ये ट्रस्ट शॉप मुंबई के अपार्टमेंट्स में खासकर कोविड-19 रेड जोन एरिया में सोसाइटी के आरडब्ल्यूए साथ मिलकर उन ग्राहकों तक सीधे फ्रेश और हेल्दी प्रोडक्ट्स पहुंचाती है.बताया कि मुंबई के 350 से ज्यादा अपार्टमेंट में लगभग 9000 घरों में ट्रस्ट शॉप के जरिये रेडी टू कुक पराठे, पनीर और कॉफी के साथ ईडली और डोसा बटर की सप्लाई करती है. कहा कि जिस प्रकार का रिस्पांस मिला, उसके बाद यह मॉडल अब देश के कई अन्य महानगरों व शहरों में शुरू हो रहा है. मौके पर इन्वेंटो रोबोटिक्स के सीइओ बालाजी विश्वनाथन ने भी अपनी बातों को रखा. इस मौके पर उन्होंने स्टार्टअप शुरू करने की बेसिक जानकारी दी.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 27 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

न्यूज कॉर्नर

एक्सएलआरआई में एक्सईएस-21 शुरू

जमशेदपुर। एक्सएलआरआई में शुक्रवार से उद्यमिता समिट एक्सईएस 21 शुरू हुआ है। पहले दिन आईडी फ्रेश के व्यावसायिक पदाधिकारी पवन कुमार ने आइडिया की रचना पर विचार रखे। इसके बाद इन्वेंटर रोबोटिक के सीईओ बालाजी विश्वनाथन ने एक वर्ष स्टार्टिंग कप के लिए आधार विषय पर वर्चुअल मोड में छात्रों को जानकारी दी। यह आयोजन 28 फरवरी तक चलेगा, जिसमें उभरते हुए उद्यमियों कार्यों के आधार पर उनकी प्रतियोगिता होगी। अंतिम दिन उद्यमिता प्रतियोगिता के फाइनल प्रतिभागियों की घोषणा होगी।

PUBLICATION: Udit Vani
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1

एक्सएलआरआई जमशेदपुर का फाइनल प्लेसमेंट

महामारी में भी सबका प्लेसमेंट, औसत सालाना वेतन 25 लाख रहा

- 358 स्टूडेन्ट्स का प्लेसमेंट दो दिन में,
- सर्वाधिक डोमेस्टिक ऑफर 50 लाख के पार रहा

जमशेदपुर : कोरोना महामारी की काली साया के बावजूद देश के अग्रणी बिजनेस स्कूल एक्सएलआरआई जमशेदपुर का फाइनल प्लेसमेंट (कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोग्राम) बेहतर रहा है. संस्थान के फ्लैगशिप प्रोग्राम दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट के 358 स्टूडेन्ट्स का प्लेसमेंट महज दो दिन में हो गया. फाइनल रिक्रूटमेंट प्रोग्राम में इस साल देश-दुनिया की 108 कंपनियों ने संस्थान के विद्यार्थियों पर दांव लगाया और 370 डोमेस्टिक और फॉरेन ऑफर दिए. संस्थान के कुल विद्यार्थियों से 12 ज्यादा ऑफर मिले. संस्थान निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने कहा कि वैश्विक महामारी के बीच में विद्यार्थियों का शत प्रतिशत प्लेसमेंट मील का पत्थर है, वह भी महज दो दिनों में. पूरा प्लेसमेंट प्रोसेस इस साल वर्चुअल मोड में सम्पन्न हुआ.

एक तिहाई प्री प्लेसमेंट ऑफर : संस्थान के विद्यार्थियों पर इस साल भी कंपनियों ने उनके हुनर और स्किल के चलते पहले ही प्लेसमेंट ऑफर दे दिया था. लगभग एक तिहाई विद्यार्थियों को पीपीओ यानि प्री प्लेसमेंट ऑफर मिला था. कंपनियां उन विद्यार्थियों को पीपीओ ऑफर करती है, जो उनके यहां समर इंटर्नशिप करने जाते हैं.

23 नई कंपनियों ने पहली बार बाजी लगाई : महामारी के बावजूद इस साल 23 नई कंपनियों ने संस्थान के विद्यार्थियों

पर भरोसा जताया और उन पर बाजी लगाई. 108 कंपनियों में 23 नई कंपनियां थी, जो विभिन्न सेक्टर से थी. इसमें मास्टर कार्ड, डीई शॉ, एयरबीएनबी, डीबीएस बैंक, नायका, फ्रेशवर्क्स, जेड एस एसोसिएट्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोगकैप, रेबल फूड्स, आईडीएफसी बैंक शामिल है. इस साल का औसत सालाना वेतन 25.08 लाख रहा, जो पिछले साल 2020 के मुकाबले थोड़ा ज्यादा है. पिछले साल का औसत सालाना वेतन 24.30 लाख रहा था. इस साल का सर्वाधिक डोमेस्टिक पैकेज 50 लाख पार रहा, जो बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर से मिला.

कन्सलटिंग, बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर से ज्यादा ऑफर : इस साल संस्थान के विद्यार्थियों को कन्सलटिंग और बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर से सर्वाधिक ऑफर मिलें. एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कन्जूमर गुड्स) कंपनियां हमेशा की तरह इस बार भी सदाबहार रही है. बोस्टन कन्सलटिंग ग्रुप, बेन एंड कंपनी, प्राइस वाटर हाउस कूपर्स, एक्सेंचर स्ट्रेटजी, अमेजन, आईटीसी, पेटीएम इस साल भी रेगुलर रिक्रूटर रही. इनके अलावा गोल्डमैन सैक्स, एयरटेल और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल ने भी विद्यार्थियों को लॉक किया.

किस सेक्टर में कितने स्टूडेन्ट्स नियोजित

सेक्टर	प्रतिशत
कन्सलटिंग	29 फीसदी
सेल्स एंड मार्केटिंग	16 फीसदी
बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर	14 फीसदी

कौन सी प्रमुख कंपनियों ने लॉक किया : टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (टैस), माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, प्रोक्टर एंड गैम्बल, आदित्य बिरला ग्रुप

कन्सलटिंग : बेन एंड कंपनी, बोस्टन कन्सलटिंग ग्रुप, एटी केर्नी, एक्सेंचर स्ट्रेटजी, डिलॉयट, प्राइस वाटर कूपर्स, ईवाय, केपीएमजी, एवरेस्ट ग्रुप, इंफोसिस कन्सलटिंग

एफएमसीजी, टेलीकॉम एंड फार्मा : प्रोक्टर एंड गैम्बल, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कॉलगेट पामोलिव, एशियन पेंट्स, सैमसंग, मैरिको, सिपला, डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, थर्मोफिशर, ऑरीगेन

बैंकिंग एंड फाइनांस सेक्टर : गोल्डमैन सैक्स, जेपी मॉर्गन, चेज, एनआईआईएफ, सिटी बैंक, स्टैंडर्ड एंड चार्टर्ड, कोटक महिन्द्रा बैंक, आईसीआईसीआई, एडलवेस

जेनरल मैनेजमेंट : टैस, आदित्य बिरला ग्रुप, महिन्द्रा, कैपजेमिनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, जियोमी, आरपीजी

आईटी एंड ई कॉमर्स : माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, पेटीएम, फोनपे, मिन्ट्रा, ओला, मीडियाडॉटनेट, फ्लिपकार्ट, एचसीएल, टीसीएस.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 12

XLRI placement concludes, average salary rises to Rs 25.08 lakh per annum

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 25 : Amidst the shadow of the COVID-19 pandemic, XLRI- Xavier School of Management achieved 100% placements for the outgoing batch of 2019-21 for its flagship programs. Two-year Postgraduate Diploma in Management-Human Resource Management and the Two-year Postgraduate Diploma in Management-Business Management with all 358 candidates securing offers through the final recruitment process in a record two days despite the pandemic.

The final recruitment process saw participation from 108 recruiters with 370 domestic and international offers, inclusive of 23 new finals recruiters.

Fr. P Christie S.J, Director, XLRI - Xavier School of Management commented, "We are delighted to announce that despite the pandemic and its adverse ripple effects on the global economy, XLRI has achieved the feat of 100% placements in a record timeframe this year. We attribute the outstanding placements as an affirmation by the corporate world of the highly relevant management-centric education we strive to deliver to our students year after year. This stellar success is a testimony to our students' resilient calibre in navigating the industry's shifting trends and their future journey as young business leaders of tomorrow. We had conducted the entire placement process in a virtual mode this year."

The officials informed that the median salary offered to the batch stood at INR 23 lakhs per annum with the top 10th and 25th percentile average being INR 37.49 and 34.80 lakhs per annum, respectively. The average salary saw an increase to INR 25.08 lakh per annum from INR 24.30 lakhs per annum in 2020.

Highest domestic offer was at INR 50+ lakhs per annum from the BFSI sector. No. of new recruiters was 23. The top domains based on the roles offered were Consulting, Sales & Marketing and BFSI. Boston Consulting Group, Bain and Co., PricewaterhouseCoopers, Accenture Strategy, Amazon, ITC, PayTM made the highest number of offers among the regular recruiters.

About 33.33% of the students received pre-placement offers, new final recruiters included prestigious companies such as Mastercard, DE Shaw, Airbnb, DBS Bank, Nykaa, Freshworks, ZS Associates, Tata Electronics, ProgCap, Rebel Foods, IDFC Bank, amongst others. Legacy recruiters like PwC, Goldman Sachs, PayTM, Airtel opened new roles for the students of XLRI. (W-pb)

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

एक्सएलआरआइ के कैंपस रिक्रूटमेंट प्रॉसेस में 100 फीसदी विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

सर्वाधिक 52 लाख का ऑफर, औसत पैकेज 25 लाख का

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ का कैंपस रिक्रूटमेंट प्रॉसेस 2021 संपन्न हुआ. दो दिनों तक चली इस प्रक्रिया में अंतिम रूप से संस्थान के 100 फीसदी विद्यार्थियों को देसी के साथ ही कई विदेशी कंपनियों में चयन किया गया. एक्सएलआरआइ सूत्रों के अनुसार इस बार सर्वाधिक ऑफर 52 लाख रुपये का रहा. ये ऑफर बीएफएसआइ सेक्टर की एक इंटरनेशनल कंपनी ने दिया है. एक्सएलआरआइ के बीएम, एचआर व फ्लैगशिप प्रोग्राम के कुल 358 विद्यार्थियों को बेहतर पैकेज पर लॉक किया गया. इस बार औसत पैकेज 25.08 लाख रुपये विद्यार्थियों को दिये गये. पैकेज पर कोविड

19 का किसी प्रकार का असर नहीं पड़ा. पिछले साल विद्यार्थियों का औसत पैकेज 24.30 लाख रुपये था. इस बार एक्सलर्स को लॉक करने के लिए कुल 108 रिक्रूटर शामिल हुए. इसमें 23 ऐसे रिक्रूटर थे जो पहली बार कैंपस प्रक्रिया में शामिल हुए थे.

358 विद्यार्थियों की संख्या से ज्यादा दिये 370 ऑफर: एक्सएलआरआइ के बिजनेस मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट व फ्लैगशिप प्रोग्राम के कुल 358 विद्यार्थियों को लॉक करने के लिए 108 कंपनियां पहुंची थी. इन कंपनियों ने कुल 370 ऑफर किये. यानी एक कंपनी ने एक्सलर्स को एक से ज्यादा ऑफर किये. इसमें डॉमेस्टिक के साथ ही इंटरनेशनल ऑफर भी दिये गये थे. इसमें 33.3 फीसदी ऐसे विद्यार्थी थे जिन्हें जहां प्री प्लेसमेंट ऑफर दिया गया था, वहां ही उन्हें फाइनल प्लेसमेंट दिया गया.

2021 के प्लेसमेंट पर एक नजर

1. बीएफएसआइ की एक कंपनी ने सर्वाधिक 50 लाख से ज्यादा का ऑफर दिया है.
2. नये रिक्रूटर की संख्या इस बार 23 थी.
3. कंसल्टिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग व बीएफएसआइ सेक्टर की कंपनियों का रहा बोलबाला
4. बीसीजी, बेन एंड कंपनी, प्रिंस वाटर हाउस कूपर्स, एसेंचर स्ट्रेटेरी, अमेजॉन, आइटीसी, पेटीएम ने सबसे ज्यादा विद्यार्थियों को किया बहाल
5. 33.33 प्रतिशत विद्यार्थियों को दिये गये थे प्री प्लेसमेंट ऑफर

बाजार की स्थिति बेहतर नहीं रहने के बावजूद एक्सएलआरआइ के सभी 100 फीसदी विद्यार्थियों का प्लेसमेंट बेहतर पैकेज पर हुआ. इससे हमें बेहद खुशी हुई है. देश ही नहीं बल्कि दुनिया की टॉप कंपनियों ने अपने यहां एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों को बहाल किया है. यह वाकई में गर्व की बात है. विपरीत हालातों में भी इस प्रकार का ऑफर मिलने से सभी में उत्साह है.

-फादर क्रिस्टी, डायरेक्टर, एक्सएलआरआइ

PUBLICATION: Morning India
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI achieves cent per cent placement

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: XLRI successfully achieved 100 per cent placements for the outgoing batch of 2019-21 for its flagship programs - two-year Postgraduate Diploma in Human Resource Management and the two-year Postgraduate Diploma in Business Management with all 358 candidates securing offers through the final recruitment process in a record two days last week despite the shadow of the Covid-19 pandemic.

The final recruitment process saw participation from 108 recruiters with 370 domestic and international offers, inclusive of 23 new finals recruiters.

Fr. P Christie, director, XLRI said, "We are delighted to announce that despite the pandemic and its adverse ripple effects on the global economy, XLRI has achieved 100 per cent placements in a record timeframe."

The median salary offered to the batch stood at Rs 23 lakh per annum with the top 10th and 25th percentile average being Rs 37.49 and 34.80 lakhs per annum, respectively.

The average salary saw an increase to Rs 25.08 lakh per annum from Rs 24.30 lakhs per annum in 2020.

The highest domestic offers at Rs 50 lakh per annum was from the Banking, Financial Services and Insurance (BFSI) sector.

Information available from the institute's placement committee revealed that 23 new recruiters took part in the placement process.

Some of the new recruiters included prestigious companies such as Mastercard, DE Shaw, Airbnb, DBS Bank, Nykaa, Freshworks, ZS Associates, Tata Electronics, ProgCap, Rebel Foods and IDFC Bank.

Boston Consulting Group, Bain and Co., PricewaterhouseCoopers, Accenture Strategy, Amazon, ITC, PayTM made the highest number of offers among the regular recruiters.

In all 33.33 per cent of the students received pre-placement offers.

The top segments based on roles offered were consulting, sales and marketing and BFSI.

The increase in consulting roles can be attributed to a higher number of candidates opting for these roles and recognizing talent at XLRI by these consulting firms.

The increased interest is also due to the established track record of XLRI graduates over the years in prestigious management consulting firms in India and abroad.

XLRI has established itself as a campus preferred by FMCGs, and the trend continued this year with top firms such as P&G, Hindustan Unilever, ITC, Colgate Palmolive, Asian Paints, Samsung, Marico, and others participating.

The process witnessed a surge in companies in the pharma sector such as Cipla, Dr. Reddys, Sun Pharma, Thermofisher, Aurigene Health Tech, among others.

Roles in company strategy, sales and marketing, product supply, operations, IT and human resources were offered to the graduating students.

Placement committee members said finance did exceedingly well this year, aided by the participation of firms such as Goldman Sachs, J.P Morgan Chase, NIIF, Citibank, Standard Chartered, Kotak Mahindra Bank, ICICI, Edelweiss, and others.

The roles offered in this domain were Front End Investment Banking, Asset Management, Portfolio Management, Global and Corporate Banking, Wealth Management, Global Markets, Equity Research, and Retail Banking.

Roles in General Management were offered by conglomerates such as TAS, Aditya Birla Group, Mahindra, Capgemini ELITE, Reliance Industries, Xiaomi, RPG, ACT, and other firms.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 26 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 9

एक्सएलआरआइ के 100 फीसदी विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

- 25 लाख का रहा औसत पैकेज
- सर्वाधिक ऑफर 52 लाख रुपये का रहा

लाइफ रिपोर्टर@ जमशेदपुर.

एक्सएलआरआइ का कैंपस रिक्रूटमेंट प्रॉसेस 2021 संपन्न हुआ. दो दिनों तक चली इस प्रक्रिया में अंतिम रूप से संस्थान के 100 फीसदी विद्यार्थियों को देसी के साथ ही कई विदेशी कंपनियों में चयन किया गया. एक्सएलआरआइ सूत्रों के अनुसार इस बार सर्वाधिक ऑफर 52 लाख रुपये का रहा. ये ऑफर बीएफएसआइ सेक्टर की एक इंटरनेशनल कंपनी ने दिया है. एक्सएलआरआइ के बीएम, एचआर व फ्लैगशिप प्रोग्राम के कुल 358 विद्यार्थियों को बेहतर पैकेज पर लॉक किया गया. इस बार औसत पैकेज 25.08 लाख रुपये विद्यार्थियों को दिये गये. पैकेज पर कोविड 19 का किसी प्रकार का असर नहीं पड़ा. पिछले साल विद्यार्थियों का औसत पैकेज 24.30 लाख रुपये था. इस बार एक्सलर्स को लॉक करने के लिए कुल 108 रिक्रूटर शामिल हुए. इसमें 23 ऐसे रिक्रूटर थे, जो पहली बार कैंपस प्रक्रिया में शामिल हुए थे.

358 विद्यार्थियों की संख्या से ज्यादा दिये 370 ऑफर

एक्सएलआरआइ के बिजनेस मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट व फ्लैगशिप प्रोग्राम के कुल 358 विद्यार्थियों को लॉक करने के लिए 108 कंपनियां पहुंची थी. इन कंपनियों ने कुल 370 ऑफर किये. यानी एक कंपनी ने एक्सलर्स को एक से ज्यादा ऑफर किये. इसमें डॉमेस्टिक के साथ ही इंटरनेशनल ऑफर भी दिये गये थे. इसमें 33.3 फीसदी ऐसे विद्यार्थी थे, जिन्हें जहां प्री प्लेसमेंट ऑफर दिया गया था, वहां ही उन्हें फाइनल प्लेसमेंट दिया गया.

2021 के प्लेसमेंट पर एक नजर

1. बीएफएसआइ की एक कंपनी ने सर्वाधिक 50 लाख से ज्यादा का ऑफर दिया है.
2. नये रिक्रूटर की संख्या इस बार 23 थी.
3. कंसल्टिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग व बीएफएसआइ सेक्टर की कंपनियों का रहा बोलबाला
4. बीसीजी, बेन एंड कंपनी, प्रिंस वाटर हाउस कूपर्स, एसेंचर स्ट्रेटेरी, अमेजॉन, आइटीसी, पेटीएम ने सबसे ज्यादा विद्यार्थियों को किया बहाल
5. 33.33 प्रतिशत विद्यार्थियों को दिये गये थे प्री प्लेसमेंट ऑफर

PUBLICATION: Mint
DATE: 26 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 5

Top B-schools see robust placement season

Prashant K. Nanda
prashant.n@livemint.com
NEW DELHI

Placement at the top B-schools, including some Indian Institutes of Management (IIMs), have started on a robust note despite the covid-19 impact on businesses and on the overall employment environment.

IIM Lucknow and IIM Kozhikode have completed their placements successfully, while other IIMs and private B-schools, such as IIM Indore, IIM Rohtak, XLRI Jamshedpur, Bhavan's SPJIMR (formerly known as S.P. Jain Institute of Management and Research) in Mumbai and Birla Institute of Management and Technology (BIMTECH), said they have finished or are on the verge of completing the final placement process.

B-schools said consulting, banking and financials, and IT, are making good offers this year, but the salary packages may not see a huge jump compared to last year. Most top B-schools had completed their hiring in 2020 before the national lockdown was effected in March.

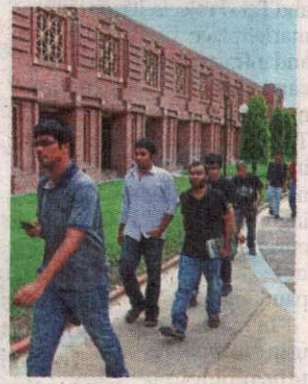

IIM Lucknow has completed its placements successfully. HT

"We all know that this is a tough year but we are doing better than expected. Within a week or so, we are hoping to complete the placement process. We have worked hard and reached out to recruiters," IIM Rohtak director Dheeraj Sharma said.

IIM Indore said it is going to complete placements in a week. Final placements at IIMs in Ahmedabad, Bangalore, and Kolkata are expected to start in March.

While B-schools are getting good offers, the salary packages may not see a huge jump compared to last year

"Five months ago, we were very apprehensive about final placements but now we realise that the placement process is going far better than our expectations. So far we have placed 77% of our students," said Harivansh Chatrurvedi, director, BIMTECH, Greater Noida. Chaturvedi, however, said the average salary will remain flat or be marginally higher than last year.

The average salary (₹22.5 lakh) at IIM Kozhikode for the outgoing batch this year was nearly 5% lower than last year, though the top 50% students have bagged an average annual package of ₹28.9 lakh per annum, up 8.1% from last year. Bhavan's SPJIMR said the average annual salary (cost-to-company) this year was ₹25.86 lakh per annum, almost similar to the levels reported in 2020.

However, IIM Lucknow and XLRI Jamshedpur saw average pays increasing marginally. At IIM Lucknow it was up by almost 7% and at XLRI, the average salary went up by 3%.

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

उपलब्धि : प्लेसमेंट के औसत वेतन में 0.78 लाख की बढ़ोतरी

कोरोना काल में 358 विद्यार्थियों को नौकरी

एक्सएलआरआई

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

एक्सएलआरआई के बैच 2019-21 में दो दिनों में रिकॉर्ड शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ है। कोरोना काल के बावजूद पिछले वर्ष के औसत वेतन 24.30 लाख से अधिक 25.08 लाख औसत प्रतिवर्ष वेतन पर नौकरियां मिली। इसमें 23 कंपनियां आई।

इसमें 33.33 प्रतिशत विद्यार्थियों को पहले से ही प्लेसमेंट ऑफर मिल गया था। कोविड के बावजूद शत प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ। इनमें कुल 358 विद्यार्थी थे। अंतिम चयन प्रक्रिया में 108 नियुक्ति एजेंसियां आई थीं, जिसमें 370 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां थीं। एक्सएलआरआई के निदेशक फादर पी क्रिस्टी ने बताया कि कोरोना काल के बावजूद एक्सएलआरआई ने सफलता की मिसाल कायम की। सभी प्लेसमेंट वर्चुअल मोड में हुए।

अवसर

- प्लेसमेंट 24.30 लाख से बढ़कर 25.08 लाख प्रति वर्ष हुआ
- कंसल्टेंसी में 21, सेल्स एंड मार्केटिंग में 16, फिनांस में 14 प्रतिशत को मिली जगह

कहां-किस क्षेत्र में मिला प्लेसमेंटः उन्होंने बताया कि मुख्य सेक्टर में कंसल्टिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग, बैंकिंग फिनांस सर्विस एंड इंश्योरेंस (बीएफएसआई) में मिला। उन्होंने बताया कि जो नई कंपनी इसबार आई थी, जिसमें मास्टर कार्ड, डीई शॉ एयर बी एंड बी, नायका, आईडीएफसी बैंक, बीबीएस बैंक, फ्रेश वर्कर्स, जेडएस एसोसिएट्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक, प्रॉग कैप, रेबेल फूड्स आदि शामिल हैं। कंसल्टिंग में 21 प्रतिशत प्रतिभागियों का प्लेसमेंट हुआ, जबकि सेल्स एंड मार्केटिंग में 16 प्रतिशत और बीएफएसआई में 14 प्रतिशत मिला। कंसल्टिंग में महत्वपूर्ण थी बेन एंड कंपनी, दि बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एटी केर्नी, एक्ससेंसर ट्रेटजी, दि लॉइट, पीडब्लूसी, ईवाई, केटीएमजी, एवरेस्ट ग्रुप और इंफोसिस कंसल्टिंग। एफएमसीजी में पीएडंजी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कॉलगेट, पॉल्मोलिव, एशियन पेंट्स, सैमसंग, मैरिको। दवा क्षेत्र में सिप्ला, डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, थर्मोफिशर, ऑरिजीन हेल्थटेक आदि थी। फिनांस में बीएफएसआई में गोल्ड मैन फैश, जेपीमार्गेन चेज, एनआईआईएफ, सिटी बैंक, स्टैंडर्ड चाटर्ड, कोटेक महिन्द्रा बैंक, आईसीआईसीआई, एडलविश आदि। इसमें अग्रिम निवेश बैंकिंग, एसेट मैनेजमेंट, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, ग्लोबल एंड कॉरपोरेट बैंकिंग, वेल्थ मैनेजमेंट, ग्लोबल मार्केट, एक्विटी रिसर्च आदि में भूमिका मिली है। इसके अलावा अन्य कई कंपनियां आई थीं।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

एक्सएलआरआइ के छात्रों को मिला 25 लाख का औसत पैकेज

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने सत्र 2019-21 के निवर्तमान बैच के लिए शत प्रतिशत प्लेसमेंट सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा- मानव संसाधन प्रबंधन और प्रबंधन-व्यवसाय प्रबंधन के कुल 358 छात्रों को इस प्लेसमेंट का लाभ मिला। यह प्लेसमेंट पिछले दिनों वर्चुअल मोड में आयोजित हुआ।

एक्सएलआरआइ का फाइल फोटो।

भर्ती में 108 कंपनियों ने भाग लिया। इसमें 23 नई कंपनियां भी शामिल थी। एक्सएलआरआइ संस्थान द्वारा जारी डाटा के अनुसार इस बार छात्रों का औसत सालाना पैकेज 25.08 लाख रुपया है। पिछले वर्ष यह औसत पैकेज 24.30 लाख था। बैंकिंग फाइनैंसियल सर्विसें एंड इंश्योरेंस सेक्टर (बीएफएसआइ) की कंपनियों ने ज्यादा पैकेज पर छात्रों को लॉक किया है। इसी सेक्टर की एक कंपनी ने एक छात्र को 50 लाख का पैकेज दिया है। इसी सेक्टर की कंपनियों ने 90 छात्रों को 37.49 लाख का सालाना पैकेज दिया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महामारी और इसके प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद, एक्सएलआरआइ ने इस वर्ष रिकॉर्ड समय-सीमा में शत प्रतिशत प्लेसमेंट की उपलब्धि हासिल की। कई नई कंपनियों ने भाग लिया। यह संस्थान की विश्वसनीयता एवं क्षमता को प्रदर्शित करता है।

-फादर पी क्रिस्टी एसजे, निदेशक, एक्सएलआरआइ - जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 26 February 2021
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 6

कंसल्टिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग की कंपनियों ने ज्यादा छात्रों को लॉक किया

एक्सएलआरआई कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोसेस में 25.08 लाख रहा औसत पैकेज, सर्वाधिक 50 लाख का

एजुकेशन रिपोर्टर | जमशेदपुर

कोरोना संक्रमण की वजह से बाजार के खराब हालात के बीच एक्सएलआरआई का कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोसेस 2021 संपन्न हुआ। दो दिनों तक चली इस प्रक्रिया में बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला है। औसत पैकेज में करीब 70 हजार रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली।

इस कैंपस में संस्थान के 100 फीसदी विद्यार्थियों को लॉक किया गया। एक्सएलआरआई के बीएम, एचआर व फ्लैगशिप प्रोग्राम के कुल 358 विद्यार्थियों को बेहतर पैकेज पर लॉक किया गया। इस बार औसत पैकेज 25.08 लाख रुपए विद्यार्थियों को दिए गए। जबकि पिछले साल विद्यार्थियों का औसत पैकेज 24.30 लाख रुपए था। इस बार एक्सलर्स को लॉक करने के लिए कुल 108 रिक्रूटर शामिल हुए। इसमें 23 ऐसे रिक्रूटर थे जो पहली बार कैंपस प्रक्रिया में शामिल हुए थे। इसमें 33.33 फीसदी विद्यार्थियों को प्री प्लेसमेंट ऑफर मिल गया था। सबसे ज्यादा कंसल्टिंग, सेल्स एंड मार्केटिंग व बीएफएसआई की कंपनियों ने सबसे ज्यादा विद्यार्थियों को लॉक किया। इस बार सर्वाधिक पैकेज 50 लाख रुपए से अधिक रुपए का रहा।

358 विद्यार्थियों को कुल 370 जॉब ऑफर

इस बार के कैंपस रिक्रूटमेंट प्रोसेस में सबसे खास बात यह रही कि संस्थान के कुल 358 विद्यार्थियों को कुल 370 ऑफर दिए गए। यानी कई विद्यार्थी को एक से ज्यादा ऑफर मिले। एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर क्रिस्टी ने कहा कि विपरीत परिस्थिति में भी इतना बेहतर प्लेसमेंट होना हमारे लिए गर्व की बात है। साथ ही इससे यह भी साबित होता है कि देश की टॉप कंपनियों को जिस प्रकार के कर्मचारी चाहिए, उस पर एक्सएलआरआई के विद्यार्थी खरे उतर रहे हैं।

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 26 February 2021
EDITION: Kolkata
PAGE: 3

XLRI wraps up 100% placement in 2 days

Average salary offered ₹25 lakh

ISHITA AYAN DUTT
Kolkata, 25 February

The Xavier School of Management (XLRI) has achieved 100 per cent placements for the outgoing batch of 2019-21 with all its 358 candidates securing offers through the final recruitment process in a record two days despite the Covid-19 pandemic.

The placements were for its flagship programmes — two-year postgraduate diploma in management (PGDM) in human resource management and two-year PGDM in business management. The final recruitment process saw participation from 108 recruiters with 370 domestic and international offers, inclusive of 23 new finals recruiters, the institute said in a statement.

108 RECRUITERS TOOK PART IN THE PROCESS, WITH 370 DOMESTIC AND GLOBAL OFFERS

The median salary offered to the batch stood at ₹23 lakh per annum with the top 10th and 25th percentile average being ₹37.49 and ₹34.80 lakh per annum, respectively. The average salary saw an increase from ₹24.30 lakh per annum to ₹25.08 lakh per annum.

The highest domestic offer, from the BFSI sector, was ₹50 lakh per annum. Among the regular recruiters, Boston Consulting Group, Bain and Co, PricewaterhouseCoopers, Accenture Strategy, Amazon, ITC, and Paytm made the highest number of offers.

The new final recruiters included companies such as Mastercard, DE Shaw, Airbnb, DBS Bank, Nykaa, Freshworks, ZS Associates, Tata Electronics, ProgCap, Rebel Foods, IDFC Bank, amongst others. Public sector units such as Power Finance Corporation and GAIL also took part in the final recruitment process at XLRI. The institute said 33.33 per cent of the students received pre-placement offers.

P Christie SJ, director of XLRI, said: "We attribute the outstanding placements as an affirmation by the corporate world of the highly relevant management-centric education we strive to deliver to our students, year after year."

The placement process was conducted in a virtual mode this year.

PUBLICATION: Morning India
DATE: 25 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

Entrepreneurship Summit at XLRI from Feb 26

MI NEWS SERVICE

JAMSHEDPUR: It's time for hosting entrepreneurship summit on a virtual platform at XLRI.

The B-school is gearing up to host a three- day Entrepreneurship Summit - 2021 from February 26.

Every year, E-Cell organises the XLRI Entrepreneurship Summit (XES), providing immense opportunities to countless entrepreneurs; from school students to professionals with several years of industry experience.

This year, XES is going virtual with global outreach, bigger impact and a gargantuan dream to provide every good idea and talent with the platform it deserves.

To be held from February 26 to 28, the summit will see a multitude of events like Disrupt Business Plan, Emerging Entrepreneurs for kids, E-Cafe speaker series, Internfair, Workshops and more.

The E-Cell will organize workshops to foster entrepreneurial aptitude that will be conducted during for three days from February 23, in collaboration with edu4sure.

These workshops are open to all and will constitute mentors with rich experience from Google, S&P Global and the founder of edu4sure covering topics like 'Startup valuation and investor pitch', 'Start-Up Ideation, Validation and Testing' and 'Essentials for Building and Running a Successful Start-Up'.

XLRI campus in Jamshedpur.

There will be an event E-Cafe - which aims to take participants through the journey every entrepreneur goes through and give them an overview of what is required to be successful.

With a focus on inspiring and showcasing women entrepreneurs, the talks will cover various stages of a start-up's life cycle like ideation, setup, growth, pivoting and acquiring funding.

As a part of the summit XES Disrupt B-Plan will be organised.

Disrupt is a platform for investors and mentors to find and invest in the top business ideas and startups from the student community.

"Via this platform, Ecell hopes to give the founders a push in the right direction, and the investors and mentors an avenue to discover good business plans and passionate entrepreneurs, " said a member of the Entrepreneurship Cell.

XES Disrupt connects budding entrepreneurs with leaders in the industry to foster entrepreneurial spirit and promote Indian start-ups.

Disrupt 2021 had over 1000 participants, of which the top five were chosen to be mentored by a panel of seasoned entrepreneurs.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 22 February 2021
EDITION: Ranchi
PAGE: 2

XLRI celebrates 64th annual convocation

Sanjiv Mehta addresses students

Jamshedpur: XLRI— Xavier School of Management— celebrated its 64th annual convocation. The first-ever virtual convocation ceremony was held to bid a final farewell to the 2018-20 batches.

Sanjiv Mehta, chairman and managing director of Hindustan Unilever Ltd graced the convocation ceremony as the chief guest. T. V. Narendran, chairman, Board of Governors at XLRI and managing director, Tata Steel India and South East Asia, Fr. P. Christie. S.J., director of XLRI, Dr. Ashis K. Pani, dean, academics at XLRI, graduating students and their parents connected virtually. On this significant day, 527 XLRI students virtually received their graduating certificates and medals, including – 182 & 180 students of Postgraduate Programmes in Management - BM, and HRM; 104 students of 15-months PGDM (General Management) Programme; 13 students of Fellow Program in Management (FPM) and 48 students of 2017–2020 batch of PGDM-BM Programme (Evening).

The first five rank holders in the Two-year Postgraduate Diploma in Human Resource Management (HRM) 2018-20 batch are Abhishek Goyal, Subham Agarwal, Urmi Arora, Aditya Kompella and Sana Azeem, respectively.

The first five rank holders in the Two-year Postgraduate Diploma in Business Management (BM) 2018-20 batch are Utkarsh Bahuguna, B Raja Reddy, Madhavi Gupta, Srenevasan M N, and Geetanshu Sethi, respectively.

The first five rank holders in the Postgraduate Diploma in General Management (GM) – 15 - Months Programme 2018-19 batch are Arijit Kar, Aditi Raina, Satish Kumar, Manav Bhargava, and Zafar Ali Kanchwala, respectively.

The first five rank holders in the Three-Year Postgraduate Diploma in Business Management – Evening Programme 2017 - 20 batch are Korivi Sravan Kumar, Poornima Radhakrishnan, Randeep Singh, Rahul Sharma, and Anubha Priya respectively.

Congratulating the students on their graduation day, Mr. T. V. Narendran, Chairman, Board of Governors, XLRI said, "As you join the remarkable network of XLRI alumni; let the valuable education that has been imparted to you in the preceding two years, be a guiding force to help enable you to make this world more sustainable and livable for future generations. I urge you to espouse a professional and ethical attitude in your work-life journey and try to give back to the society to the extent possible."

XLRI conferred the prestigious 'Sir Jehangir Ghandy Medal for Social and Industrial Peace' on Sanjiv Mehta. He also delivered the Convocation Address.

Accepting the medal, Mehta said, "I would like to express my gratitude to the governing board of XLRI for bestowing on me the prestigious Sir Jehangir Ghandy Medal for Social and Industrial Peace. It is a big honor and a great privilege to receive this medal."